##

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट

2018-19

नैम्स हाउस,
अंसारी नगर,महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110029

डाक का पताः

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

नैम्स हाउस, अंसारी नगर,

महात्मा गांधी मार्ग,

नई दिल्ली-110029

दूरभाषः

011-26588718

अध्यक्षः 011-26588792

सचिवः 011-26589289

फैक्स नं.:

011-26588992

ई-मेलः nams_aca@yahoo.com

वेबसाइटः http://nams-india.in

विषय-सूची

		पृष्ठ सं.#
	परिषद् -#2018-19#	1#
	अधिकारीगण एवं कार्यपालक कर्मचारी#	2#
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का संपादकीय मंडल#	3-7#
क.	**संगठनात्मक गतिविधियाँ#**	**9#**
	संगठनात्मक गतिविधियाँ एवं वार्षिक बैठक#	11#
	वार्षिक बैठक में अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार#	12-21#
	वर्ष 2017 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	22
	व्याख्यान और पुरस्कार#	23-27
	नैम्ल अमृतसर पुरस्कार	28
	परिषद् की बैठकें#	29#
	अध्येताओं का निर्वाचन0#2018#	29-33#
	सदस्यों का निर्वाचन0##2018#	34-48#
	डीएनबी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सदस्यता (एमएनएएमएस)#के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार#	49-69#
	अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य#	70#
	व्याख्यान व पुरस्कार - 2018-19#के लिए चिकित्सा वैज्ञानिकों का नामांकन	71-75#
	वर्ष 2018 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	76
	इमारत का रख-रखाव	76
	वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन	77
	मृत्युलेख	78#
	27 अक्तूबर, 2018#को पुडुचेरी में वार्षिक दीक्षांत समारोह में अध्यक्ष डॉ. मुकुंद सदाशिव जोशी द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंध-I,##	79-82#
	27 अक्तूबर, 2018#को पुडुचेरी में वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. रवि पी. सिंह, महासचिव, भारतीय गुणवत्ता परिषद्, दिल्ली द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंधdI,##	83-85#
ख.	**शैक्षिक रिपोर्ट#**	**87#**
	सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम#	89

		पृष्ठ सं.#
	कार्यकलापों की रिपोर्ट 01#अप्रैल, 2018#-#31#मार्च, 2019#	89-94
	बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का राज्यवार वितरण#	95-96
	एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम (अनुबंध-III)#	97
	बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध-IV)	98-109
	चिकित्सा वैज्ञानिक आदान0प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास,#	110
	अंतःसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध0V)	111-119
	एनएएमएस अध्याय (अनुबंध0VI)#	120-123
	एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य	124-129
	एनएएमएस वेबसाइट #	130
ग.	**वित्तीय रिपोर्ट#**	**131**
	सरकारी अनुदान#	133-134
घ.	**लेखा**	135-170
ड़.	**1 अप्रैल, 2019#से 11 सितम्बर, 2019#तक की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं#**	**171**
	परिषद् के नव-निर्वाचित सदस्य#	171
	वर्ष 2019#के लिए निर्वाचित अध्येता और सदस्य#	171-173
	विनियमन V के अधीन भर्ती किए गए सदस्य#	174-178
	संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम#	179-180
	एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी	181
	वर्ष 2019#के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार#	181
	#	

परिषद् 2018-19

डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस, अध्यक्ष

डॉ. सी. एस. भास्करन, एफएएमएस, तत्काल पूर्व अध्यक्ष*

डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस, उपाध्यक्ष

डॉ. मीरा रजानी, एफएएमएस, कोषाध्यक्ष

डॉ. शिव के. सरीन, एफएएमएस

डॉ. राजेश्वर दयाल, एफएएमएस

डॉ. रवि कांत, एफएएमएस

डॉ. दिगम्बर बेहेरा, एफएएमएस

डॉ. संजीव वी. थॉमस, एफएएमएस

डॉ. कमल बक्शी, एफएएमएस

डॉ. जी. के. रथ, एफएएमएस

डॉ. मोहन कामेस्वरन, एफएएमएस

डॉ. संजीव मिश्रा, एफएएमएस

डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस

डॉ. पी. के. दवे, एफएएमएस

डॉ. शैली अवस्थी, एफएएमएस

डॉ. के. एस. गोपीनाथ, एफएएमएस

डॉ. सुरेश्वर मोहन्ती, एफएएमएस

परिषद् के पदेन सदस्य

महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्

अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड

अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा परिषद्

केंद्र सरकार के नामिती

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

* दिवंगत

अधिकारीगण 2018-19

अध्यक्ष	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस (27 अक्तूबर 2018 तक) डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, एफएएमएस (27 अक्तूबर 2018 से अब तक)
कोषाध्यक्ष	डॉ. मीरा रजानी, एफएएमएस#
तत्काल पूर्व अध्यक्ष	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस
उपाध्यक्ष	डॉ.#संजय वधवा#एफएएमएस#

कार्यपालक कर्मचारी

मानद सचिव#	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, एफएएमएस #
सतत चिकित्सा शिक्षा समन्वयक एवं सलाहकार #	डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस (दिसम्बर 2017 से 29 मार्च, 2019 तक)#
सलाहकार (शैक्षणिक गतिविधियां)#	डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस (29 मार्च, 2019 से अब तक)#

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत का संपादकीय मंडल

-: एक त्रैमासिक पत्रिका :- (1.1.2018 से)

संपादक

डॉ. संजीव मिश्रा

सहयोगी संपादक

डॉ. कुलदीप सिंह

डॉ. के. के. शर्मा

डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव

संपादकीय मंडल

डॉ. ए. के. जैन

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना

डॉ. के. के. दीपक

डॉ. पंकज भारद्वाज

डॉ. प्रवीण शर्मा

डॉ. आर. के. चड्डा

डॉ. राजेश कुमार

डॉ. संजय वधवा

डॉ. सिद्धार्थ दत्ता गुप्ता

डॉ. आशीष वाखलु

डॉ. गोपाल नाथ

डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव

डॉ. पीयूष गुप्ता

डॉ. रविंदर गोस्वामी

डॉ. राज कुमार

डॉ. राजेश मल्होत्रा

डॉ. एस. एस. यादव

डॉ. (सुश्री) यू. एम. थट्टे

सलाहकार मंडल

डॉ. बी. के. जैन

डॉ. जगत राम

डॉ. (श्रीमती) कृष्णा गर्ग

डॉ. एन. आर. जगन्नाथन

डॉ. प्रतिभा सिंह

डॉ. रणदीप गुलेरिया

डॉ. श्रीधर शर्मा

डॉ. टी. डी. चुग

डॉ. सी. आदितन

डॉ. कमल बक्शी

डॉ. मुकुंद एस.

डॉ. पी. के. दवे

डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन

डॉ. श्रीधर द्विवेदी

डॉ. स्नेहलता देशमुख

डॉ. योगेश के. चावला

अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार

डॉ. एम. एस. बोपाराय

डॉ. सौम्या स्वामीनाथन

प्रतिष्ठित संपादकः प्रो. जे. एस. बजाज#

ǂ

वार्षिक सदस्यता दर

भारत	रूपये	1500.00
विदेश	$	40.00
	£	30.00
	€	30.00
एकल प्रति	रूपये	500.00

पत्रव्यवहार

पत्रिका से संबंधित सभी पत्रव्यवहार निम्न को संबोधित किया जाएः

मानद सचिव

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

नैम्स हाउस, अंसारी नगर,

महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110029

दूरभाषः 011-26589289 **ई-मेलः** nams_aca@yahoo.com

वेबसाइटः http://www.nams-india..in

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)# के वर्ष वृत्तांत का संपादकीय मंडल

-: एक त्रैमासिक पत्रिका :- (1.1.2019 से)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का आधिकारिक प्रकाशन

प्रधान संपादक

संजीव मिश्रा
शल्यचिकित्सीय अर्बुद विज्ञान के निदेशक एवं आचार्य,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, भारत

संपादक

कुलदीप सिंह
बाल रोग के आचार्य एवं संकायाध्यक्ष,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, भारत

के. के. शर्मा
भेषजगुण विज्ञान के पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

दीप एन. श्रीवास्तव
विकिरण निदान के आचार्य,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

गोपाल नाथ
सूक्ष्म जीव विज्ञान के आचार्य,
आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय,
वाराणसी, भारत

इंदिरा शर्मा
मनोरोग की आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
हेरिटेज आयुर्विज्ञान संस्थान,
भदवार, वाराणसी, भारत

जगत राम
नेत्र रोग विज्ञान के आचार्य एवं निदेशक,
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,
चंडीगढ़, भारत

के. के. तलवार
हृद्य रोग के पूर्व आचार्य एवं निदेशक,
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,
चंडीगढ़, भारत

संपादक मंडल

अशोक कुमार सक्सेना
संज्ञाहरण विज्ञान एवं गहन देखभाल के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

भूपेन्द्र कुमार जैन
शल्य चिकित्सा के पूर्व आचार्य एवं संकायाध्यक्ष,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

देवेन्द्र मोहन थापा
निदेशक,
उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान क्षेत्रीय संस्थान,
शिलांग, मेघालय, भारत

एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव
अध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान केंद्र एवं
तंत्रिका विज्ञान की आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

मुकुंद एस. जोशी
विकिरण विज्ञान के पूर्व आचार्य,
लोकमान्य तिलक नगरपालिका सामान्य अस्पताल,
मुंबई, भारत

निरंजन खंडेलवाल
विकिरण निदान के पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,
चंडीगढ़, भारत

पी. के. दवे
पूर्व निदेशक, अस्थिरोग विज्ञान के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

पंकज भारद्वाज
सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा के आचार्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
जोधपुर, भारत

पीयूष गुप्ता
बालरोग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

मोहन कामेस्वरन
निदेशक,
मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान,
चेन्नई, भारत

प्रेमा रामाचंद्रन
निदेशक,
भारतीय पोषण प्रतिष्ठान,
नई दिल्ली, भारत

रणदीप गुलेरिया
निदेशक एवं पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार के आचार्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

रविंदर गोस्वामी
अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय के आचार्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

सरोज चूड़ामणि गोपाल
पूर्व कुलपति,
केजी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं
बाल शल्य चिकित्सा की प्रतिष्ठित आचार्य,
बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत

संजय वधवा
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास के आचार्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

स्नेहलता देशमुख
बाल शल्य चिकित्सा की पूर्व आचार्य,
सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज एवं किंग एडवर्ड स्मारक अस्पताल,
मुंबई, भारत,
पूर्व कुलपति,
मुंबई विश्वविद्यालय,
महाराष्ट्र, भारत

शिल्पा शर्मा
बाल शल्य चिकित्सा की अपर आचार्य,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

संजीव वी. थामस
तंत्रिका विज्ञान के आचार्य,
श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान,
तिरुवनंतपुरम, भारत

जयचंद्रन सदक्षाराम
मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
तमिल नाडु शासकीय दंत महाविद्यालय एवं अस्पताल,
चेन्नई, भारत

यू. एम. थाट्टे
नैदानिक भेषजगुण विज्ञान के आचार्य,
सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज एवं किंग एडवर्ड स्मारक अस्पताल,
मुंबई, भारत

वी. के. शुक्ला
शल्य चिकित्सा के पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय,
वाराणसी, भारत

योगेश के. चावला
पूर्व निदेशक एवं आचार्य,
यकृत विज्ञान विभाग,
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,
चंडीगढ़, भारत

अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार

प्रेम पुरी
राष्ट्रीय बाल अनुसंधान केंद्र,
अवर लेडी बाल अस्पताल,
क्रेमलिन, डबलिन, आयरलैंड

संपादकीय कार्यालय

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
नैम्स हाउस, अंसारी नगर,
महात्मा गांधी मार्ग,

नई दिल्ली-110029, भारत

सर्वाधिकार 2019 राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)। प्रकाशन, वितरण और बिक्री के अधिकार, साथ ही अनुवाद के अधिकार सहित सभी अधिकार सुरक्षित हैं। कॉपीराइट्स द्वारा कवर किए गए इस कार्य का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से - किसी भी रूप में, ग्राफिक, इलेक्ट्रॉनिक, या यांत्रिक जिसमें फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, टेपिंग, या सूचना और पुनर्प्राप्ति प्रणाली शामिल हैं - द्वारा प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना प्रतिलिपि या पुनर्मुद्रित नहीं किया जा सकता है, ।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत एक वर्ष में चार बार जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्तूबर में इनके द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं - थिएम चिकित्सा एवं वैज्ञानिक प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, ए - 12, द्वितीय तल, सेक्टर - 2, नोएडा - 201301, उत्तर प्रदेश, भारत, फोन नंबरः +91-120-455-6649।

सदस्यता: ओपन एक्सेस जर्नल http://open.thieme.com पर निःशुल्क ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

विज्ञापन संपर्कः विपणन, थिएम प्रकाशन दिल्ली, ए - 12, द्वितीय तल, सेक्टर - 2, नोएडा - 201301, उत्तर प्रदेश, marketing@thieme.in

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत डीओएजे में अनुक्रमणित हैं। थिएम चिकित्सा प्रकाशन क्रॉसरेफ इनिशिएटिव का एक सदस्य है।

संपादकीय टिप्पणियाँ journals@thieme.com को भेजे जाने चाहिएं। इस पत्रिका की सामग्री www.thieme-connect.com / products पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। हमारी वेबसाइट www.thieme.com पर आएं और इस पत्रिका के लिए सीधा लिंक www.thieme.com/anams पर उपलब्ध है।

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

संगठनात्मक गतिविधियाँ

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट 2018-19

संगठानात्मक गतिविधियाँ

अकादमी के नियमानुसार अकादमी के सामान्य सरोकार, उसकी पिछले वर्ष की आय और व्यय तथा वर्ष के लिए अनुमान और अकादमी की समृद्धि या अन्यथा स्थिति पर एक रिपोर्ट, अकादमी की आम सभा के समक्ष उसकी वार्षिक बैठक में प्रस्तुत करनी होती है।

वार्षिक बैठक

58वीं वार्षिक बैठक 26, 27 और 28#अक्तूबर, 2018#को महात्मा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी में आयोजित की गई। अकादमी का दीक्षांत समारोह 27# अक्तूबर, 2018#को आयोजित किया गया।

डॉ. रवि पी. सिंह, महासचिव, भारतीय गुणवत्ता परिषद्, दिल्ली, मुख्य अतिथि थे।

डॉ. मुकुंद एस. जोशी, अध्यक्ष, एनएएमएस ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विशिष्ट अतिथियों, अकादमी के अध्येताओं और सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्षीय भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-। में दिया गया है।

डॉ. रवि पी. सिंह, महासचिव, भारतीय गुणवत्ता परिषद, दिल्ली, ने दीक्षांत भाषण दिया। भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-।। में दिया गया है।

अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार

अध्येता

पुडुचेरी में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2018 में निर्वाचित सत्रह#अध्येताओं को अध्येतावृत्ति प्रदान की गई तथा उन्होंने स्क्रोल प्राप्त किए। भर्ती किये गये अध्येताओं के नाम और संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. अमर के. चंद्रा (2018)**

   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रतिष्ठित आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, 92, ए. पी. सी. मार्ग, कोलकाता - 700009। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

2. **डॉ. मिताली चटर्जी (2018)**

   आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, 244बी आचार्य जे सी बोस मार्ग, कोलकाता - 700020। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान है।

3. **डॉ. अजय रॉय चौधरी (2018)**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मुख एवं मैक्सीलोफेशियल शल्य चिकित्सा प्रभाग, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

4. **डॉ. रीमा दादा (2018)**

   आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता आनुवंशिकी है।

5. **डॉ. अमिता जैन (2018)**

   आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ -226003। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

6. डॉ. सूर्य कांत (2018)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, श्वसन चिकित्सा एवं पुल्मोनरी एवं गहन देखभाल चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ -226003। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

7. डॉ. अनूप मोहता (2018)

निदेशक आचार्य, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय (एनसीटी दिल्ली के अधीन एक स्वायत्त सोसायटी), दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

8. डॉ. सतीनाथ मुखोपाध्याय (2018)

आचार्य, अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, कोलकाता। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह एवं अंतःस्त्राविकी है।

9. डॉ. अतनु कुमार पति (2018)

कुलपति, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर, संबलपुर - 768004, ओडिशा। उनकी विशेषज्ञता कालानुक्रम जीव विज्ञान एवं कालानुक्रम चिकित्सा है।

10. डॉ. शशि रहेजा (2018)

निदेशक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

11. डॉ. अमन शर्मा (2018)

आचार्य, संधिवात विज्ञान सेवाएं, आंतरिक चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ -160012। उनकी विशेषज्ञता संधिवात विज्ञान है।

12. डॉ. इंदिरा शर्मा (2018)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मनोरोग विभाग, हेरिटेज आयुर्विज्ञान संस्थान, एनएच - 2 (जीटी रोड - बायपास) भदवार, वाराणसी - 221333। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग है।

13. डॉ. विजय प्रकाश शर्मा (2018)

आचार्य, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, नबीउल्ला रोड, लखनऊ - 226018। उनकी विशेषज्ञता भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास है।

14. डॉ. अर्चना सिंगल (2018)

निदेशक आचार्य, त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं जीटीबी अस्पताल, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान है।

15. डॉ. राम चंदर सिवाच (2018)

वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थि रोग विभाग, पं. बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, रोहतक - 124001। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

16. डॉ. मनोज कुमार तिवारी (2018)

आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

17. डॉ. संजय ज़ोडपे (2018)

उपाध्यक्ष, शिक्षाविद, भारतीय लोक स्वास्थ्य प्रतिष्ठान एवं निदेशक, भारतीय लोक स्वास्थ्य संस्थान, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

सदस्य

वर्ष 2016#में निर्वाचित 1 और वर्ष 2018#में निर्वाचित 43 सदस्यों सहित चवालीस सदस्यों को पुडुचेरी में आयोजित दीक्षांत समारोह में सदस्य बनाया गया। भर्ती किए गए सदस्यों के नाम और उनके संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. दीपेन्द्र कुमार राय (2016)**

   सह आचार्य एवं अध्यक्ष, पुल्मोनरी चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना - 801105। उनकी विशेषता पुल्मोनरी चिकित्सा है।

2. **डॉ. एन. बालाजी (2016)**

   निदेशक, श्री नारायणी अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान, श्रीपुरम, वेल्लोर - 632055। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीव विज्ञान है।

3. **डॉ. गिरीश चंद्र भट्ट (2018)**

   सहायक आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

4. **डॉ. संजीव कुमार भोई (2018)**

   सह आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

5. **डॉ. सुपर्णा चटर्जी (2018)**

   आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, 244बी आचार्य जे सी बोस मार्ग, कोलकाता - 700020। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

6. **डॉ. अनिता चोपड़ा (2018)**

   सह आचार्य, कमरा नंबर 423, चतुर्थ तल, डॉ. भीम राव अम्बेडकर रोटरी कैंसर अस्पताल संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

7. **डॉ. मनदीप कुमार गर्ग (2018)**

अपर आचार्य, विकिरण निदान एवं इमेजिंग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

8. **डॉ. अमृत गोयल (2018)**

सह आचार्य, अस्थि रोग शल्य चिकित्सा विभाग, सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282003। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है ।

9. **डॉ. लक्ष्मी कांत गोयल (2018)**

सहायक आचार्य (जरावस्था चिकित्सा), एस एम एस मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

10. **डॉ. निखिल गुप्ता (2018)**

सहायक आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226010। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

11. **डॉ. अर्जुनन इसॉक (2018)**

आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

12. **डॉ. मीनल जैन (2018)**

सह आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282003। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

13. **डॉ. राशिम कटारिया (2018)**

सह आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

14. **डॉ. विश्वनाथ कृष्ण मूर्ति (2018)**

सह आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

15. **डॉ. सचिन कुमार (2018)**

सह आचार्य, मुख एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा एकक, मुख स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

16. **डॉ. थिमैया अनिल कुमार (2018)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

17. **डॉ. कीर्तन कुनिकुल्लाया यू (2018)**

सहायक आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

18. **डॉ. विनायक वी माका (2018)**

सह आचार्य, अर्बुद विज्ञान चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, रमैया कैंसर सेंटर, रमैया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, न्यू बी ई एल रोड, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 580054। उनकी विशेषज्ञता अर्बुद विज्ञान चिकित्सा है।

19. **डॉ. तुषार सुभदर्शन मिश्रा (2018)**

अपर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751020। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

20. **डॉ. संजीव कुमार मित्तल (2018)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नेत्र विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, वीरभद्र मार्ग, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

21. **डॉ. सुनीता मित्तल (2018)**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, वीरभद्र मार्ग, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

22. **डॉ. असित रंजन मिर्धा (2018)**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

23. **डॉ. कोताम्बल्ली एन. चिदंबरम मूर्ति (2018)**

प्रधान वैज्ञानिक, केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

24. **डॉ. महंतेश बी नागमोती (2018)**

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, जे. एन. मेडिकल कॉलेज, केएलई उच्च शिक्षा अकादमी, बेलगावी - 590010। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

25. **डॉ. सुप्रवा नाइक (2018)**

सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, सिजुआ, दुमदुमा, ओडिशा - 751019। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

26. **डॉ. अश्विनी नायक यू (2018)**

सह आचार्य, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 580054। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान है।

27. **डॉ. जीवन राम (2018)**

सहायक आचार्य, शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान है।

28. **डॉ. आशु रस्तोगी (2018)**

सहायक आचार्य, अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह एवं अंतःस्त्राविकी है।

29. **डॉ. अजीत सिंह शक्तावत (2018)**

वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं अपर अधीक्षक, एसएमएस अस्पताल और मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

30. **डॉ. दिव्या वोहरा शंगारी (2018)**

आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, भेषजगुण विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान विद्यालय (एसपीईआर), जामिया हमदर्द, नई दिल्ली - 110062। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

31. **डॉ. अविनाश शर्मा (2018)**

सीनियर रेजिडेंट, बाल रोग नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान एवं संधिवात विज्ञान, बाल रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ -160012। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

32. **डॉ. बरुण कुमार शर्मा (2018)**

सह आचार्य, विकिरण विज्ञान और इमेजिंग विभाग, उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान क्षेत्रीय संस्थान, शिलांग - 793018। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

33. **डॉ. नवीन शर्मा (2018)**

आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज, दिलशाद गार्डन, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

34. **डॉ. मनोज कुमार सिंह (2018)**

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282002। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

35. **डॉ. शीतू सिंह (2018)**

सहायक आचार्य, श्वसन रोग संस्थान, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

36. **डॉ. अतीन सिंघई (2018)**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ - 226007। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

37. **डॉ. शालिनी शिवनंजय (2018)**

आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560034। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / एसपीएम है।

38. **डॉ. वीसीएस श्रीनिवासराव बंडारू (2018)**

अनुसंधान समन्वयक, अनुसंधान विभाग, यशोदा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी (यमेर) यशोदा अस्पताल, सिकंदराबाद - 500003। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

39. **डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव (2018)**

आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

40. **डॉ. रागिनी तिलक (2018)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

41. **डॉ. पल्लवी सरजी उत्कर्ष (2018)**

सह आचार्य एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष, राजीव गांधी रोग नियंत्रण लोक स्वास्थ्य संस्थान, आरजीयूएचएस, बैंगलोर - 560029। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

42. **डॉ. रोहित वर्मा (2018)**

सहायक आचार्य, मनोरोग विभाग, टीचिंग ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग है।

43. **डॉ. उर्वशी वर्मा (2018)**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

44. **डॉ. विनायक पीएस (2018)**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम.ए स. रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर -560024। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

(डॉ. पी. के. दवे पुडुचेरी में 2018 में अपना जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त नहीं कर सके)

परिषद् ने 6 जुलाई, 2017 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत वर्ष 2017 के लिए डॉ. पी. के. दवे, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए, जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने हेतु अनुमोदित किया है। वर्तमान में नैम्स की भवन समिति का अध्यक्ष होने के साथ उन्होंने परिषद् सदस्य, अध्यक्ष, प्रतिष्ठित आचार्य और अनेक स्थायी समितियों के सदस्य के रूप में विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है। वह पेशेवर अभ्यास में ईमानदारी एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नैतिकता के लिए आजीवन निष्ठावान रहे हैं। भारतीय अस्थि रोग व्यावसायिक संघ और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी दोनों के लिए उनमें नेतृत्व गुण है।

व्याख्यान और पुरस्कार

डॉ. रवि पी. सिंह, महासचिव, भारतीय गुणवत्ता परिषद्, दिल्ली, मुख्य अतिथि, ने महात्मा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2017-18# के लिए अकादमी के निम्नलिखित व्याख्यान/पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को पदक प्रदान किएः

व्याख्यान#

डॉ. वी.आर. खानोल्कर व्याख्यान #	डॉ. राजेंद्र प्रसाद, एफएएमएस पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012।
व्याख्यान का शीर्षक	"भारतीय रोगियों में सिस्टिक फाइब्रोसिस के आणविक और कार्यात्मक आधार: आनुवांशिक, नैदानिक और चिकित्सकीय प्रभाव"#
डॉ. अचंता लक्ष्मीपति व्याख्यान#	डॉ. सुनीता सक्सेना, एफएएमएस (गत वर्ष 2016-17) पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय विकृतिविज्ञान - आईसीएमआर संस्थान, सफदरजंग अस्पताल परिसर, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	"महिलाओं में वक्ष कैंसर - आनुवांशिक जोखिम कारक एवं संभाव्य बायोमार्कर"

कर्नल संघम लाल स्मारक व्याख्यान	डॉ. राम चंदर सिवाच, एफएएमएस वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोग विज्ञान विभाग, पंडित बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक - 124001।
व्याख्यान का शीर्षक	"निकटस्थ फीमर ज्यामिति और उसके नैदानिक अनुप्रयोग के मानवशास्त्रीय अध्ययन"

डॉ. अकादमी व्याख्यान	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस अध्यक्ष, नैम्स 809, हरजीवनदास एस्टेट, डॉ. अम्बेडकर रोड, दादर, मुंबई - 401014।
व्याख्यान का शीर्षक	"प्रोस्टेट कैंसर की वर्तमान स्थिति"

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान#	डॉ. शांतनु कुमार कार, एफएएमएस (गत वर्ष 2016-17) पूर्व निदेशक (अनुसंधान), चिकित्सा एवं जैव विज्ञान, आयुर्विज्ञान संस्थान एवं एसयूएम अस्पताल, शिक्षा 'ओ' अनुसन्धान विश्वविद्यालय, के -8, कलिंगा नगर, घटिका, भुवनेश्वर - 751003।
व्याख्यान का शीर्षक	"लसीका फाइलेरिया का नया परिप्रेक्ष्य: उन्मूलन की ओर"

#

#

#

डॉ. जे. एस. बजाज#व्याख्यान#	डॉ. वाणी गुप्ता# आचार्य# शरीर क्रिया विज्ञान विभाग# किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय,# लखनऊ - 226003।# #
व्याख्यान का शीर्षक#	"चयापचयी संलक्षण के विकास में एडिपोकिन्स की भूमिका"#

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान##	डॉ. मिताली चटर्जी आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता - 700020। #
व्याख्यान का शीर्षक	“भक्षकाणु और लीशमानिया परजीवी: सुविधा का विवाह”#

पुरस्कार

डॉ. सत्या गुप्ता पुरस्कार	डॉ. गिरीश चंद्रा भट्ट (गत वर्ष 2016-17) सह आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462024 (मध्यप्रदेश)।
विषय: "बाल आयु वर्ग में बाधक निद्रा अश्वसन खराब शैक्षिक प्रदर्शन और निशा शैय्यामूत्रण से संबंधित है: मध्य भारत के स्कूली बच्चों में एक समुदाय आधारित अध्ययन"	
डॉ. एस. एस. सिद्धू पुरस्कार#	डॉ. अदिति कपूर अपर आचार्य, पेडोडोंटिक्स एवं निवारक दंत चिकित्सा इकाई विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012।
विषय: "श्रेणी III दंत विकृति को सही स्थिति में लाने के लिए बच्चे के दाँतों का अवसर मार्गदर्शन करना: एक चिकित्सक द्वारा परवरिश" ♯	
डॉ. विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार #	डॉ. दिव्या वोहरा आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषज गुण विज्ञान विभाग, औषधीय चिकित्सा एवं अनुसंधान विद्यालय, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली-110062।

विषय: "मिरगी के साथ भारतीय महिलाओं में मिरगी - रोधी औषध उपचार के बाद डब्लयुएनटी निरोधकों के मॉडुलन और विटामिन डी के साथ उसके सहसंबंध और परमाणु फैक्टर के बी लिगेंड के ग्राही उत्प्रेरक का आकलन करने के लिए एक पार अनुभागीय अध्ययन" ♯	
डॉ. ऑर्थर सरवनमुथु थाम्बिया पुरस्कार#	डॉ. राजालक्ष्मी टी. विकृति विज्ञान के आचार्य, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर - 560034।
विषय: "त्वचीय वेसिकुलोबुलस रोगों में एक नयी बायोचिप अप्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस जांच की भूमिका"	
डॉ. तुलसी दास चुग पुरस्कार#	डॉ. ओमेश कुमार भारती सेट - 9, खंड - 1, यू. एस. क्लब, शिमला, हिमाचल प्रदेश - 171001।
विषय: "प्रणालीगत अंतर मांसपेशीय प्रबंधन के बिना रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन का स्थानीय परिस्त्राव: रेबीज के खिलाफ निष्क्रिय टीकाकरण के लिए एक वैकल्पिक लागत प्रभावी दृष्टिकोण"	
डॉ. अभया इंद्रायन पुरस्कार	डॉ. राजीव कुमार वैज्ञानिक -2 (सांख्यिकी), कक्ष संख्या - 24, दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री, डॉ. बीआरए-आईआरसीएच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली -110029।
विषय: "चिकित्सा शोधकर्ताओं के लिए रिसीवर ऑपरेटिंग मापदंड (आरओसी) संसाधन"	

नैम्स 2007 अमृतसर पुरस्कार

यह पुरस्कार अकादमी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान पुरस्कार वितरण के समय एक ऐसे पुरस्कार विजेता को दिया जाता है जिसका लेख पैनल द्वारा सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट घोषित किया गया है। सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया लेख नैम्स की संपत्ति बन जाता है और युवा वर्ग को उच्च गुणवत्ता की प्रस्तुति बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इसे अकादमी के वर्ष वृत्तांत में प्रकाशित किया जाएगा।

पुडुचेरी, में नैम्सकॉन 2018 के वार्षिक सम्मेलन (26 - 28 अक्टूबर, 2018) के दौरान इस पुरस्कार को निम्नलिखित विवरण अनुसार डॉ. गिरीश सी भट्ट को दिया गया था:

डॉ. सत्या गुप्ता पुरस्कार	डॉ. गिरीश सी भट्ट (गत वर्ष) सह आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462024 (मध्यप्रदेश)।
विषय: "बाल आयु वर्ग में बाधक निद्रा अश्वसन खराब शैक्षिक प्रदर्शन और निशा शैय्यामूत्रण से संबंधित है: मध्य भारत के स्कूली बच्चों में एक समुदाय आधारित अध्ययन"	

परिषद् की बैठकें

वर्ष 2018# के दौरान परिषद् की तीन बैठकें आयोजित की गई थीं।

पहली बैठक 25 जुलाई, 2018# को, दूसरी बैठक 25 सितम्बर, 2018 को और तीसरी बैठक 29 मार्च, 2019 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के परिसर में आयोजित की गई थीं।

सेवानिवृत्त होने वाले परिषद् के सदस्यों की रिक्तियां भरना – 2018

निम्नलिखित उन सदस्यों की सूची है, जो वर्ष 2018# में अपना कार्यकाल पूरा होने पर सेवानिवृत्त हुए और जिन्हें परिषद के सदस्यों के रूप में निर्वाचित किया गया:

सेवानिवृत्त सदस्य #	**निर्वाचित सदस्य**
1. डॉ. संजय वधवा	डॉ. पी. के. दवे
2. डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन	डॉ. संजय वधवा #
3. डॉ. पी. के. मिश्रा	डॉ. शैली अवस्थी#
4. डॉ. मायिल वी. नटराजन	डॉ. के. एस. गोपीनाथ#
5. डॉ. राकेश कुमार चड्डा	डॉ. सुरेश्वर मोहन्ती#

परिषद् ने सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए इसे अपने रिकार्ड पर रखा।

अध्येताओं का निर्वाचन – 2018

साख समिति ने वर्ष 2018 की अध्येतावृत्ति के लिए निर्वाचन हेतु 198# जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों पर विचार किया, इनमें से 75# नए नामांकन (53# प्रत्यक्ष और 22# प्रोन्नत)# थे और 123# अग्रेनीत नामांकन (102# प्रत्यक्ष और 21 प्रोन्नत)# थे। साख समिति ने अध्येतावृत्ति प्रदान करने के लिए 26# जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों की सिफारिश की। अध्येतावृत्ति और सदस्यता के निर्वाचन के लिए अनुशंसित जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों के जीवनवृत्त की फाइल की जांच करने के बाद साख समिति की सिफारिशों को परिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया। उन्हें, नियमों

में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, अध्येताओं के आम निकाय द्वारा मतदान करके अध्येताओं के रूप में निर्वाचित किया गया।

निर्वाचित अध्येताओं के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल**

   आचार्य, हृद्वक्ष और संवहनी शल्य चिकित्सा विभाग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता हृद्वक्ष और संवहनी शल्य चिकित्सा है।

2. **डॉ. अमर के. चंद्रा**

   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रतिष्ठित आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, 92, ए. पी. सी. मार्ग, कोलकाता - 700009। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

3. **डॉ. मिताली चटर्जी**

   आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, 244बी आचार्य जे सी बोस मार्ग, कोलकाता - 700020। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान है।

4. **डॉ. अजय रॉय चौधरी**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मुख एवं मैक्सीलोफेशियल शल्य चिकित्सा प्रभाग, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

5. **डॉ. रीमा दादा**

   आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता आनुवंशिकी है।

6. **डॉ. मधु दीक्षित**

   निदेशक, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 10, जानकीपुरम एक्सटेंशन, सीतापुर मार्ग, लखनऊ - 226031। उनकी विशेषज्ञता आणविक भेषजगुण विज्ञान है।

7. डॉ. सुष्मिता घोषाल

आचार्य, संधिवात विज्ञान सेवाएं, आंतरिक चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता संधिवात विज्ञान है।

8. डॉ. अमिता जैन

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

9. डॉ. सूर्य कांत

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, श्वसन चिकित्सा एवं पुल्मोनरी एवं गहन देखभाल चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

10. डॉ. राकेश कोच्छर

आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

11. डॉ. अनुपम मिश्रा

आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विभाग, विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग है।

12. डॉ. अनूप मोहता

निदेशक आचार्य, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय (एनसीटी दिल्ली के अधीन एक स्वायत्त सोसायटी), दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

13. डॉ. सतीनाथ मुखोपाध्याय

आचार्य, अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, कोलकाता। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह एवं अंतःस्त्राविकी है।

14. डॉ. अतनु कुमार पति

कुलपति, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर, संबलपुर - 768004, ओडिशा। उनकी विशेषज्ञता कालानुक्रम जीव विज्ञान एवं कालानुक्रम चिकित्सा है।

15. डॉ. शशि रहेजा

निदेशक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

16. डॉ. एस. राजा सबापथी

अध्यक्ष, प्लास्टिक, सिर, और पुनर्निर्माण सूक्ष्म शल्य चिकित्सा और बर्न्स प्रभाग, गंगा मेडिकल सेंटर एवं अस्पताल प्रा. लिमिटेड, 313 मेट्टुपलायन रोड, कोयंबटूर - 641043। उनकी विशेषज्ञता प्लास्टिक सर्जरी है।

17. डॉ. अमन शर्मा

आचार्य, संधिवात विज्ञान सेवाएं, आंतरिक चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता संधिवात विज्ञान है।

18. डॉ. इंदिरा शर्मा

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मनोरोग विभाग, हेरिटेज आयुर्विज्ञान संस्थान, एनएच - 2 (जीटी रोड - बायपास) भदवार, वाराणसी - 221333। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग है।

19. डॉ. विजय प्रकाश शर्मा

आचार्य, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, नबीउल्ला रोड, लखनऊ - 226018। उनकी विशेषज्ञता भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास है।

20. डॉ. अर्चना सिंगल

निदेशक आचार्य, त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं जीटीबी अस्पताल, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान है।

21. डॉ. गगनदीप सिंह

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, दयानन्द मेडिकल कॉलेज, लुधियाना - 141001। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

22. डॉ. मीनू सिंह

आचार्य, बाल रोग विभाग, प्रोन्नत बाल रोग केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

23. डॉ. राम चंदर सिवाच

वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थि रोग विभाग, पं. बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, रोहतक - 124001। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

24. डॉ. कुमारावेल सोमासुन्दरम

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान एवं कोशिका जैव विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर - 560012। उनकी विशेषज्ञता आणविक जैव विज्ञान है।

25. डॉ. मनोज कुमार तिवारी

आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

26. डॉ. संजय ज़ोडपे

उपाध्यक्ष, शिक्षाविद, भारतीय लोक स्वास्थ्य प्रतिष्ठान एवं निदेशक, भारतीय लोक स्वास्थ्य संस्थान, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

सदस्यों का निर्वाचन – 2018

सदस्यता के निर्वाचन के लिए कुल 111#उम्मीदवारों के नाम पर विचार किया गया (जिनमें 106#नए नामांकन और 5#अग्रेषित नामांकन थे)। साख समिति ने 102#उम्मीदवारों की सिफारिश की और वे परिषद् द्वारा अनुमोदित किए गए। इसके बाद उनको, अध्येताओं की सामान्य निकाय द्वारा नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, मतदान द्वारा सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया। निर्वाचित सदस्यों के नाम नीचे दिए गए हैं:

27. **डॉ. कल्पना बसु**

विभागाध्यक्ष, यूविया शोथ एवं नेत्र शोथ विभाग, प्रभा नेत्र क्लिनिक एवं अनुसंधान केंद्र, बंगलौर - 560078। उसकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

2. डॉ. विकास बाछल

सहायक आचार्य, अस्थि रोग शल्य चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

3. डॉ. विवेक कुमार बैंस

आचार्य, दंत ऊतक विज्ञान विभाग, सरस्वती डेंटल कॉलेज, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

4. डॉ. एन. बालाजी (2016)

निदेशक, श्री नारायणी अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान, श्रीपुरम, वेल्लोर - 632055। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीव विज्ञान है।

5. डॉ. शाहीना बानो

सह आचार्य, विकिरण निदान विभाग, कमरा नंबर 603, प्रशासनिक खंड, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

6. डॉ. गिरीश चंद्र भट्ट

सहायक आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

7. **डॉ. संजीव कुमार भोई**

सह आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

8. **डॉ. सुपर्णा चटर्जी**

आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, 244बी आचार्य जे सी बोस मार्ग, कोलकाता - 700020। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

9. **डॉ. विकास चौधरी**

सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, शहीद भगत सिंह मार्ग, नई दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

10. **डॉ. गौरव छाबड़ा**

आचार्य, श्वसन चिकित्सा विभाग, गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, उदयपुर। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

11. **डॉ. अनिता चोपड़ा**

सह आचार्य, कमरा नंबर 423, चतुर्थ तल, डॉ. भीम राव अम्बेडकर रोटरी कैंसर अस्पताल संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

12. **डॉ. चंदन ज्योति दास**

सह आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

13. **डॉ. श्वेता शेनॉय देवराज**

आचार्य, खेल चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर - 143005। उसकी विशेषज्ञता खेल विज्ञान है।

14. **डॉ. उर्मिला धाकड़**

सहायक आचार्य, संधिवातीयशास्त्र विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उसकी विशेष्रता संधिवातीयशास्त्र है।

15. **डॉ. टी दिनेश**

सहायक आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, पिल्लईयारकुप्पम, पुडुचेरी - 607403। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

16. **डॉ. अभय एम गाइधाने**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, जे एन मेडिकल कॉलेज, सवांगी मेघे, वर्धा - 442001। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

17. **डॉ. मनदीप कुमार गर्ग**

अपर आचार्य, विकिरण निदान एवं इमेजिंग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

18. **डॉ. प्रगति गर्ग**

आचार्य, नेत्र रोग विभाग, एरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सरफर्जगंज, हरदोई रोड, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

19. **डॉ. अमृत गोयल**

सह आचार्य, अस्थि रोग शल्य चिकित्सा विभाग, सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282003। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है ।

20. **डॉ. लक्ष्मी कांत गोयल**

सहायक आचार्य (जरावस्था चिकित्सा), एस एम एस मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

21. **डॉ. मोनिका गुप्ता**

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, एनएच 3, फरीदाबाद - 121001। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

22. **डॉ. निखिल गुप्ता**

सहायक आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226010। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

23. **डॉ. विनय कुमार गुप्ता**

सह आचार्य एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

24. **डॉ. फरहानुल हुदा**

सह आचार्य, सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, वीरभद्र रोड, ऋषिकेश, जिला देहरादून - 249203। उनकी विशेषता शल्य चिकित्सा है।

25. **डॉ. अर्जुनन इसॉक**

आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

26. **डॉ. दर्शन कुमार जैन**

सह आचार्य, सलाहकार हस्त शल्य चिकित्सक, अस्थि रोग विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

27. **डॉ .मीनल जैन**

सह आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282003। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

28. **डॉ. ज़ीबा शमीम जयराजपुरी**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली - 110062। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

29. **डॉ. रिद्धि जायसवाल**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

30. **डॉ. सवाई सिंह जेटावत**

आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, उदयपुर। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

31. **डॉ. हरिंदर जसेजा**

सलाहकार, वेल्लोर ईईजी केंद्र, सी 8, हरि शंकर-पुरम, ग्वालियर - 474002। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

32. **डॉ. आशीष कुमार कक्कड़**

सहायक आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, 4016, अनुसंधान खंड 'बी', स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक भेषजगुण है।

33. **डॉ. मनोज कमल**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन देखभाल विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

34. **डॉ .राशिम कटारिया**

सह आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

35. **डॉ. सीमा कौशल**

सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, प्रथम तल शिक्षण ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उसकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

36. **डॉ. सबीना खान**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान,, नई दिल्ली - 110062। उसकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

37. **डॉ .विश्वनाथ कृष्ण मूर्ति**

सह आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

38. **डॉ. मधु कुमार**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

39. **डॉ. पुनीत कुमार**

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, महाराजा रणजीत सिंह पंजाब प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बठिंडा - 152,001। उनकी विशेषता भेषज गुण विज्ञान है।

40. **डॉ .सचिन कुमार**

सह आचार्य, मुख एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा एकक, मुख स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

41. **डॉ .थिमैया अनिल कुमार**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

42. **डॉ. सुचित्रा कुमारी**

सह आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सिजुआ, दमदमा, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषता जैव रसायन है।

43. **डॉ .कीर्तन कुनिकुल्लाया यू**

सहायक आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

44. **डॉ. नरेन्द्र सिंह कुशवाहा**

सह आचार्य, अस्थि रोग शल्य चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

45. **डॉ. मोनिका ललित**

सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, वल्लाह, अमृतसर - 143001। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

46. **डॉ. विशाल मागो**

सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्लास्टिक सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी एवं जलन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, वीरभद्र मार्ग, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता प्लास्टिक सर्जरी है।

47. **डॉ. अनुपमा महाजन**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, वल्लाह, अमृतसर - 143001। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

48. **डॉ .विनायक वी माका**

सह आचार्य, अर्बुद विज्ञान चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, रमैया कैंसर सेंटर, रमैया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, न्यू बी ई एल रोड, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 580054। उनकी विशेषज्ञता अर्बुद विज्ञान चिकित्सा है।

49. **डॉ. शीतल मल्होत्रा**

सहायक आचार्य, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, वीरभद्र मार्ग, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

50. **डॉ. अमित कुमार मिश्रा**

सहायक आचार्य, कमरा नंबर 306, जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागौर मार्ग, करवार, जोधपुर - 342037। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

51. **डॉ. अशोक मिश्रा**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग / पीसीएम, जी. आर. मेडिकल कॉलेज, लश्कर, ग्वालियर - 474009। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / एसपीएम है।

52. **डॉ .तुषार सुभदर्शन मिश्रा**

अपर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751020। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

53. **डॉ .संजीव कुमार मित्तल**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नेत्र विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, वीरभद्र मार्ग, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

54. **डॉ .सुनीता मित्तल**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, वीरभद्र मार्ग, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

55. **डॉ .असित रंजन मिर्धा**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

56. **डॉ .कोताम्बल्ली एन .चिदंबरम मूर्ति**

प्रधान वैज्ञानिक, केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

57. **डॉ. कृष्णा आर मूर्ति**

चिकित्सा निदेशक, विट्ठल अंतर्राष्ट्रीय नेत्र रोग संस्थान, दूसरा क्रॉस, दूसरा मेन, बनशंकरी तृतीय स्टेज, बैंगलोर - 560085। उनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

58. **डॉ .महंतेश बी नागमोती**

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, जे. एन. मेडिकल कॉलेज, केएलई उच्च शिक्षा अकादमी, बेलगावी - 590010। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

59. **डॉ .सुप्रवा नाइक**

सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, सिजुआ, दुमदुमा, ओडिशा - 751019। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

60. **डॉ .अश्विनी नायक यू**

सह आचार्य, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 580054। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान है।

61. **डॉ. निधि**

सहायक आचार्य, पारगम्य एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र, रसायन एवं जैव विज्ञान विद्यालय, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली - 11006। उसकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

62. **डॉ. तरुण कुमार पांडा**

आचार्य, नेत्र रोग विज्ञान विभाग, श्रीराम चंद्र भानिया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, कटक। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

63. **डॉ. संजय पिपलानी**

आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर - 143001। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

64. **डॉ. प्रद्योत प्रकाश**

सह आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, आईएमएस, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

65. **डॉ. अखिलंदेश्वरी प्रसाद**

आचार्य, विकिरण निदान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान एवं डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

66. **डॉ. हर्ष प्रिया**

सहायक आचार्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

67. **डॉ. मीनू पुजानी**

निदेशक लैब सेवाएं और ब्लड बैंक प्रभारी, मेट्रो हार्ट संस्थान एवं मल्टीस्पेशियलिटी, फरीदाबाद। उसकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

68. **डॉ. ज़हीरुद्दीन सैयद क़ाज़ी**

निदेशक (आर एंड डी) और आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान, सवांगी, वर्धा - 442007। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा / एसपीएम है।

69. **डॉ. हाफिजुर रहमान**

आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, सिक्किम मणिपाल आयुर्विज्ञान संस्थान, 5 वीं माइल, तडोंग, गंगटोक - 737102। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग है।

70. **डॉ .जीवन राम**

सहायक आचार्य, शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान है।

71. **डॉ .आशु रस्तोगी**

सहायक आचार्य, अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह एवं अंतःस्त्राविकी है।

72. **डॉ. पवित्रा कुमार रस्तोगी**

अपर आचार्य, टाइप - 5 फ्लैट्स, ब्लॉक-ए, फ्लैट क्रमांक 804, जगत नारायण रोड, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय कैम्पस, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

73. **डॉ. मृत्युंजय राठौर**

सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492099। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

74. **डॉ. वंदना रॉय**

निदेशक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषज गुण विज्ञान विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली - 110002। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

75. **डॉ. सुमित रूंगटा**

सहायक आचार्य, जठरांत्र रोग चिकित्सा विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, शाहमिना रोड, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

76. **डॉ. संगीता पिलखवाल साह**

सहायक आचार्य, यूआईपीएस, पंजाब विश्वविद्यालय, सेक्टर - 14, चंडीगढ़ - 160014। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

77. **डॉ .अजीत सिंह शक्तावत**

वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं अपर अधीक्षक, एसएमएस अस्पताल और मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

78. **डॉ .दिव्या वोहरा शंगारी**

आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, भेषजगुण विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान विद्यालय (एसपीईआर), जामिया हमदर्द, नई दिल्ली - 110062। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

79. **डॉ .अविनाश शर्मा**

सीनियर रेजिडेंट, बाल रोग नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान एवं संधिवात विज्ञान, बाल रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ -160012। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

80. **डॉ .बरुण कुमार शर्मा**

सह आचार्य, विकिरण विज्ञान और इमेजिंग विभाग, उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान क्षेत्रीय संस्थान, शिलांग - 793018। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

81. **डॉ .नवीन शर्मा**

आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज, दिलशाद गार्डन, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

82. **डॉ. अंकुर सिंह**

सहायक आचार्य, बाल रोग विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

83. **डॉ. अरविंदर पाल सिंह**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर - 143001। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है ।

84. **डॉ. आशुतोष सिंह**

सहायक आचार्य, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, चौक, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

85. **डॉ .मनोज कुमार सिंह**

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282002। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

86. **डॉ. राकेश कुमार सिंह**

आचार्य, मुख एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

87. **डॉ .शीतू सिंह**

सहायक आचार्य, श्वसन रोग संस्थान, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

88. **डॉ. श्रद्धा सिंह**

आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

89. **डॉ .अतीन सिंघई**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ - 226007। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

90. **डॉ. रामेश्वरी सिंघल**

सह आचार्य, दंत ऊतक विज्ञान विभाग, दंत संकाय, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ - 226007। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

91. **डॉ. राहुल जनक सिन्हा**

सह आचार्य, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

92. **डॉ .शालिनी शिवनंजय**

आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560034। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / एसपीएम है।

93. **डॉ. अर्चना सोलंकी**

सहायक आचार्य, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ -226003। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

94. **डॉ .वीसीएस श्रीनिवासराव बंडारू**

अनुसंधान समन्वयक, अनुसंधान विभाग, यशोदा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी (यमेर) यशोदा अस्पताल, सिकंदराबाद - 500003। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

95. **डॉ .अचल कुमार श्रीवास्तव**

आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

96. **डॉ .रागिनी तिलक**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

97. **डॉ .पल्लवी सरजी उत्कर्ष**

सह आचार्य एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष, राजीव गांधी रोग नियंत्रण लोक स्वास्थ्य संस्थान, आरजीयूएचएस, बैंगलोर - 560029। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

98. **डॉ. अनूप कुमार वर्मा**

आचार्य, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, शाहमिना रोड, चौक, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता न्याय चिकित्सा है।

99. **डॉ .रोहित वर्मा**

सहायक आचार्य, मनोरोग विभाग, टीचिंग ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग है।

100. **डॉ .उर्वशी वर्मा**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

101. **डॉ .विनायक पीएस**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर -560024। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

102. **डॉ. प्रज्ञा डी यादव**

वैज्ञानिक ई एवं विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, अधिकतम रोकथाम प्रयोगशाला, माइक्रोबियल रोकथाम कॉम्प्लेक्स, 130/1, सुस रोड, पाषाण, पुणे - 411021। उनकी विशेषज्ञता विषाणु विज्ञान है।

एमएनएएमएस

विनियमन-V#के अंतर्गत अकादमी की सदस्यता-जिन उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण की है और जिनका नाम सदस्यता (एनएनएएमएस)#के लिए विधिवत प्रस्तावित किया गया है।

विनियमन- **V#**निम्नानुसार प्रदान करता हैः

> **"वे उम्मीदवार, जो राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, वे राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में प्रवेश के लिए व्यक्तिगत रूप से आवेदन प्रस्तुत करेंगे। उनका नाम अकादमी के कम से कम एक अध्येता द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया हो तथा उम्मीदवार के चरित्र एवं आचरण को सत्यापित किया गया हो। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी#की परिषद् के अनुमोदन के आधार पर उम्मीदवार को एककालिक 7000#रुपये के आजीवन सदस्यता शुल्क (1000#रुपये के प्रवेश शुल्क सहित) अथवा समय-समय पर यथा-प्रभारित शुल्क तथा दायित्व बंधयपत्र के निष्पादन के बाद अकादमी के सदस्य के रुप में भर्ती किया जाएगा।"#**

तदनुसार, उम्मीदवारों के अनुरोध पर अकादमी द्वारा आवेदन प्रपत्रों को जारी किया गया।

निम्नलिखित उम्मीदवार, जिन्होंने उपर्युक्त श्रेणी के अधीन अकादमी की सदस्यता (एमएनएएमएस)#के लिए आवेदन किया था और जिन्हें विनियमन-**V#**के अधीन यथानिर्दिष्ट कम से कम एक अध्येता (फेलो)#द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया था, के नामों को परिषद् के समक्ष विचारार्थ दिनांक 25#जुलाई, 2018#को, 25 सितंबर, 2018 को, और 29 मार्च 2019 को आयोजित बैठक में रखा गया। परिषद ने उसे अनुमोदित किया।

दिनांक 25#जुलाई, 2018 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. सिंधु कन्नन
2. डॉ. कार्तिकेयन वी. एस
3. डॉ. मनुजेश बंद्योपाध्याय
4. डॉ. रश्मि तिवारी
5. डॉ. एन वासंती
6. डॉ. टिम थॉमस जोसेफ
7. डॉ. उन्नीकट्टान डी
8. डॉ. हेना रानी
9. डॉ. नंदन कुमार मिश्रा
10. डॉ. अहिरराव अतुल आत्माराम
11. डॉ. सूरी हरप्रीत सिंह जे पी सिंह
12. डॉ. गायकवाड़ सागर विश्वनाथ
13. डॉ. कौस्तव बसु
14. डॉ राघव स्मिता आर के सिंह राघव
15. डॉ. देसाले अजिंक्य भास्कर्राव
16. डॉ. भीम राज गुप्ता
17. डॉ. बरवाल अजिंक्य राजेश
18. डॉ. रोहित पांडे
19. डॉ. चौहान भूमीर
20. डॉ. एज़िल वनन एन आर
21. डॉ. चरनथेजा गुरिजला
22. डॉ. स्वर्णिमा बसु
23. डॉ. समीर कथले
24. डॉ. मिथिलेश कुमार
25. डॉ. जयंत कुमार
26. डॉ. पुनीत गुप्ता
27. डॉ. गिरीश एस
28. डॉ. चिरश्री भट्टाचार्य
29. डॉ. हरनाम सिंह मदान
30. डॉ. सरिल पी सुरेंद्रन
31. डॉ. पूनम रानी सिंह
32. डॉ. दीपक टीएस
33. डॉ. के यू श्रेया दास
34. डॉ. अद्वैत प्रकाश
35. डॉ. पाटकर हृषिकेश पद्माकर
36. डॉ. प्रदीप प्रधान
37. डॉ. धीरज बाठेजा
38. डॉ. रचना पासी
39. डॉ. सिद्धार्थ गुप्ता
40. डॉ प्रतिभा गावले
41. डॉ. सुजीत भारती
42. डॉ. पेसचेंज अनूप दिलीप
43. डॉ. चुरी ओंकार नारायण
44. डॉ. पटेल डिगेन चंद्रेशभाई
45. डॉ. राजेश कुमार टी
46. डॉ. दिवा कांत मिश्रा
47. डॉ. निहारिका धीमान
48. डॉ. जय ढींगरा
49. डॉ. अनुराग जैन
50. डॉ. शाह राज चेतन
51. डॉ. केतन पांडे
52. डॉ. सुमिता अग्रवाल
53. डॉ. पुरुषोत्तम बी
54. डॉ. स्वेता लोकेश शर्मा
55. डॉ. नीमद धीरजकुमार पीताम्बर
56. डॉ. आरते श्रीकर मुकुल

57. डॉ. प्रियंका गुप्ता
58. डॉ. महाजन मनाली मंगेश
59. डॉ. तोषनीवाल भारत अनिल
60. डॉ. युगल वरंदानी
61. डॉ. आशिला पवित्राण
62. डॉ. जॉन जोसेफ
63. डॉ कुमार अभिषेक
64. डॉ. शादाब मकसूद
65. डॉ. अभिषेक राव
66. डॉ. श्रद्धा गोस्वामी
67. डॉ. मुकेश प्रदीप दूबे
68. *डॉ. घोडके वामन बाबू
69. डॉ. विनायक जयराम
70. डॉ. संदीप वेलसादा
71. डॉ. चेतना अरविंद सेठी
72. डॉ. निकहत नसरीन नज़ीर
73. डॉ. मास्लेकर भक्ति श्रीराम
74. डॉ अमित कुलश्रेष्ठ
75. डॉ. रोकडे निशिगंध लक्ष्मण
76. डॉ. पंकज कुमार
77. डॉ. विनोद वर्गीस
78. *मेजर (डॉ.) विजेंद्रन पी
79. डॉ. कट्टम हर्ष विक्रम
80. डॉ. सुनीता तरसारया सोनावणे
81. डॉ. वर्मा प्रियंका सुभाषचंद्र
82. डॉ. सचिन डी
83. *डॉ. सुमा मोनी मैथ्यू
84. डॉ. सुरभि कंसल
85. डॉ. कुणाल अनेजा
86. डॉ. मनुधने अदिति अभय
87. *डॉ. जगदीश कुमार वी
88. डॉ. रंजीथ जेम्स बाबू
89. डॉ. राघवेंद्र तेम्कर वी
90. डॉ. आहूजा प्रियंका ज्ञानचंद
91. डॉ. गंजले शशिकांत बसवराज
92. डॉ. कृष्ण कुमार एस
93. *डॉ. नीलाद्री सेन
94. डॉ. हरजिंदर कोहली
95. डॉ. संदीप अग्रवाल
96. डॉ. रंजीत सुरेश गोरेगांवकर
97. डॉ. शाहिना बानो
98. डॉ. विकास चौधरी
99. डॉ. प्रत्युष शरण सिंघल
100. डॉ. काले आशीष रामचंद्र
101. डॉ. केशव गोयल
102. डॉ. अरुण थॉमस ई टी
103. डॉ. भाग्या एस
104. डॉ. खाडे प्रशांत वासुदेवराव
105. डॉ. ईबिन जोस
106. डॉ. दिव्या लक्ष्मी ए
107. डॉ. राहुल देव
108. डॉ. काले आशीष रसिक
109. डॉ. मनीष कुमार मिश्रा
110. डॉ. आरुषि अग्रवाल
111. डॉ. नदीम अबूटी
112. डॉ. अंकुर धीमान
113. डॉ. गोलकिया आयुष पुरुषोत्तमभाई
114. डॉ. श्वेता शर्मा
115. डॉ. कृष्णाश्री के एस
116. डॉ. हरिकृष्णन टी

117. डॉ. शंभू सिंह
118. डॉ. सुदेश कुमार
119. डॉ. सुसवीरकर आशीष आनंद
120. डॉ. रिम्पी जोसेफ
121. डॉ. अजिथ थॉमस अब्राहम
122. डॉ. मिन्नी खुशबू अरविंद
123. डॉ. रुचिता शर्मा
124. डॉ. गुप्ता अभिमन्यु सुभाष
125. डॉ. अनीश पी जे
126. डॉ. हेमंत कुमार
127. डॉ. निखिल मखीजा
128. डॉ. शैलेन्द्र सिंह नाईक
129. डॉ. महादुले अश्विनी अशोक
130. डॉ. सुचेता कुंडू
131. डॉ. अंकिता कासट
132. डॉ. गिरीश खोदनापुर
133. डॉ. रवि छाजेड़
134. डॉ. दिव्या सिंह
135. डॉ. बाबू पीटर एस
136. डॉ. नित्यानंदी अलियास राजेश्वरी
137. डॉ सजिन के एम
138. डॉ. घोष किंजलका
139. डॉ. नवीन जे
140. डॉ. प्रशांत कुमार एम
141. *डॉ. पिल्ले गणेश दिलीपकुमार
142. डॉ. नीरज जैन
143. डॉ. पाटिल मोनीश निम्बा
144. डॉ. अनिता कुमारी
145. डॉ. रोशिथ एस
146. डॉ. रेशमी एस
147. डॉ. अभिषेक पुरकायस्थ
148. डॉ. दिनेश के
149. डॉ. अनु सारा इस्सो
150. डॉ. मितुलकुमार हमलाल मंगुकिया
151. डॉ. तपज्योति मुखर्जी
152. डॉ. कोम्बडे सारिका प्रभाकर
153. डॉ. वैसाख सी. एन
154. डॉ. सबील अब्दुल्ला पी आर
155. डॉ. शर्मा नेहा
156. डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब
157. डॉ. नेहते अनुज विलास
158. डॉ. हार्दिकुमार रमेशभाई कपोपारा
159. डॉ. येंगंटीवार रुचिका प्रभाकर
160. डॉ. किरण जाखड़
161. डॉ. संजय
162. डॉ. अच्युत नारायण पांडे
163. *डॉ. बिरोले उमेश वसंत
164. डॉ. शिम्पी माधुरी अरुण
165. डॉ. सी उपेंडर
166. डॉ. धारीवाल स्नेहा सुनील
167. डॉ. भंगाले अमित आनंद
168. डॉ. पराग गुप्ता
169. डॉ. कदम संदीप जनार्दन
170. डॉ. हिमानी एस एम शर्मा
171. डॉ. वामसी कृष्ण कोमोजु
172. डॉ संजीवराव कोमोजू
173. डॉ. प्रणव ईश
174. डॉ. लोकेश चावला
175. डॉ. विभोर टाक
176. डॉ. जितेन कुमार

177. *डॉ. सुमिता दास
178. डॉ. सुप्रिया मुशर्रफ
179. *डॉ. प्रशांत कुमार सैकिया
180. डॉ. अभिजीत कुमार
181. डॉ. एम जी राजेश धनसेकर
182. डॉ. काकड़े शैलेश तुलसीदास
183. डॉ. जयराजन टी के
184. डॉ. राहुल रजनीश पाठक
185. डॉ. सेतु रमन रवि शंकर
186. डॉ. बेविन ओरल जे
187. डॉ. पतरस सुहास सुरेंद्रनाथ
188. डॉ. दीपश्री आर
189. डॉ. गोल्डी एस जे
190. डॉ. वंदना
191. डॉ. घालके ऋषिकेश सुभाष
192. *डॉ. रोहित आर
193. *डॉ. यास्मीन मोहम्मद
194. डॉ. बिजॉय विश्वम्भरन मैथिल
195. डॉ. आशुतोष तिवारी
196. डॉ. कथले निशांत राजाराम
197. डॉ. बतीजा सपना गागी
198. डॉ. संतोष कुमार
199. डॉ. बिदिशा रॉयचौधरी
200. डॉ. सुब्रत रे
201. डॉ. गुंदवाड़ा कैवल केतन
202. डॉ. जरीवाला पनकी परिमल
203. डॉ. ओसामा नेयाज
204. डॉ. शिवि माहेश्वरी
205. डॉ. भोसले गिरीश रंगनाथ
206. डॉ. आर संतोष कुमार
207. डॉ. सुनीता गोयल
208. डॉ. सिद्धार्थ भट्टाचार्य
209. डॉ. विनोद सी
210. डॉ. दीपाली मोहंती
211. डॉ. विजय आनंद सी
212. डॉ. सौरव मैती
213. डॉ. कवि सौरभ भालचंद्र चंद्रकांत
214. डॉ. निसार चिंतन
215. डॉ. मोरपतपाल वृंदा गंगाधर
216. डॉ. पूर्णिमा
217. डॉ. सूर्यवंशी विक्रम विलास भूपेंद्र
218. डॉ. चौहान दुष्यंत
219. डॉ. धर सुप्रिया
220. डॉ. भीरुद अतुल राजेश
221. डॉ. माइकल जॉन कानामपरम्पिल
222. डॉ. स्टैनज़िन डोलर
223. डॉ. कोंचोक दोरजे
224. डॉ. आंचल राठौर
225. डॉ. रंजना आर
226. डॉ. धनंजय के वी एन
227. डॉ. सोनी सी दास
228. डॉ. शिनोज
229. डॉ. शिल्पा गुप्ता
230. डॉ. कुलकर्णी गजानन रमाकांतराव
231. डॉ. देशपांडे गुरुप्रसाद जगदीश
232. डॉ. पांडुरंगी अनिकेत श्यामसुंदर
233. डॉ. जगदीश प्रसाद मौर
234. डॉ. लिनू चेरियन कुरुविला
235. डॉ. सुरवसे रविन्द्र महादेव
236. डॉ. जस्सावल्ला नवरोज़ मेहरनोश

237. डॉ. नंदू कृति रमणिकलाल
238. डॉ. सुदर्शन बेहरा
239. डॉ. मंगेशिकर निर्झरी तुषार अन्वया
240. डॉ. डोकी सुनील कुमार
241. डॉ. अरविंद कुमार सुरेशचंद
242. डॉ. उदगीर वर्धमान
243. डॉ. भीमसिंह समोरेकर
244. डॉ. उषा सिंह
245. *डॉ. मेश्राम प्रशांत श्याम
246. डॉ. सुनील कुमार केडिया
247. डॉ. जयदीप डे
248. डॉ. मृण्मय मित्र
249. डॉ. शेफाली अग्रवाल
250. डॉ. वेंकट रंगा स्वामी ए
251. डॉ. जीतेन्द्र सिंह लोधी
252. डॉ. गायकवाड़ अपर्णा विजय
253. डॉ. ताम्बेवकर सुनील एकनाथ चंद्रशेखर
254. डॉ. शेरगिर नमृता
255. डॉ. राजश्री के एस
256. डॉ. भूपेंद्र पाल सिंह
257. डॉ. मधुमिता पटेल
258. डॉ. वेंकट अर्जुनराव गिते
259. डॉ. रमेश कुमार अग्रवाल
260. डॉ. श्रवण कुमार गोपरु
261. डॉ. नित्या बत्रा
262. डॉ. बसवराज
263. डॉ. रितिका सेठिया
264. डॉ अनिल कुमार
265. डॉ. फ़राज़ अहमद खान
266. डॉ. कामदार रशिता राजेश
267. डॉ. पंचमप्रीत कौर
268. डॉ. हर्षित गहलोत
269. डॉ. चोपड़ा देविका विक्रम
270. डॉ. भडके मनोजकुमार भीमराव
271. डॉ. सपना मलिक
272. डॉ. ईशर निखिल हरिभाऊ
273. डॉ. विशाल मल्लिनाथ हग्गी
274. डॉ. नितिका गोयल
275. डॉ. अजय सिंह
276. डॉ. शिंदे शुभांगी माधवराव
277. डॉ. रयाकर विनायक वेंकटेश
278. डॉ. विमलकुमार आर
279. डॉ. परितोष तिवारी
280. डॉ. शाह अविनाश किशोर
281. डॉ. अलका भास्कर के
282. डॉ. अभिषेक पॉल
283. डॉ. प्रसाद रविंद्र लेले
284. डॉ. राहुल श्रीनिवासन ठोकलोथ
285. डॉ. कुमार सुधाकर
286. डॉ. प्रफुल्ल जी दास
287. डॉ. मोना सरावगी
288. डॉ. राघव गुप्ता
289. डॉ. शर्मा महेंद्रकुमार
290. डॉ. अनूप एम के
291. डॉ. राम सागर पंडित
292. डॉ. ग्रीता मिरियम मथाई
293. डॉ. राखी बंसल
294. डॉ. अजय कुमार एस पी
295. डॉ. सुरेश कुमार बी सी

296. डॉ. दैफले अमोल वैजनाथ
297. डॉ. रिज़वान नज़ीर एम ए पी
298. डॉ. नमिता गुप्ता
299. डॉ. अरुण तुलसी मैथ्यू
300. डॉ. मोदक गौतम धनंजय
301. डॉ. शाह हर्षित अनंतराय सोनल
302. डॉ. जाबिर एम. पी
303. डॉ. औक्सीलिया पैकिया देवी आर
304. डॉ. प्रियदर्शी रॉयचौधरी
305. डॉ. शाह कीया अजय
306. डॉ. शाह तनय एकनाथ
307. डॉ. जोहान फिलिप
308. डॉ. मुकेश कुमार शर्मा
309. डॉ. निधि गजेन्द्रगढ़कर
310. डॉ. अनूप कुमार
311. डॉ. रिंजू कृष्णन
312. डॉ. श्रेयस टी एस
313. डॉ. सुरप्रीत चोपड़ा
314. डॉ. यादव अनिलकुमार लालमणि
315. डॉ. रोहित डैनियल पी जी
316. डॉ. वीना नायर ए
317. डॉ. दिवीन ओमनकुट्टन
318. डॉ. जयदीप सिंह
319. डॉ. आशिकली चुंदथोडी
320. डॉ. मूलचंदानी दीप्ति कुमार
321. डॉ. वरुण गुप्ता
322. डॉ. रवि प्रकाश
323. डॉ. नितिन गुप्ता
324. डॉ. मुहम्मद रज़मी टी
325. डॉ. अंकुर प्रुथी
326. डॉ. श्रुति सेमवाल
327. डॉ. जीतेश गावंडे
328. डॉ. चोवातिया तेजसकुमार गोविंदभाई
329. डॉ. सौम्या एस
330. डॉ. कोलेकर अनाघा सुभाष
331. डॉ. चरखा तुषार कमलकिशोर
332. डॉ. हेमा एस
333. डॉ. शीतल रैना एम के रैना
334. डॉ. सकथिवेल सी के
335. डॉ. अमल जॉन जैकब
336. डॉ. अभिषेक खरे
337. डॉ. विवेक दुबे
338. डॉ. रश्मि शर्मा
339. डॉ. धर्माधिकारी अम्बरीष संजय
340. डॉ. अहीर दिलीप लाखाभाई
341. डॉ. मेहता तन्मय कार्तिकेय
342. डॉ. सरवनन एम
343. डॉ. श्रीकांत के एस
344. डॉ. सिभी गणपति
345. डॉ. आतिश जैन
346. डॉ. जसवंत सिंह
347. डॉ. राकेश मल्होत्रा
348. डॉ. अनुरागिनी गुप्ता
349. डॉ. निरंज जी आर
350. डॉ. होकाबज शाहीन अयूबभाई
351. डॉ. प्रशांत टी एस
352. डॉ. स्नेहा जे
353. डॉ. प्रमोद कृष्णप्पा
354. डॉ. हेमंत बंसल

355. डॉ. नीती छाबड़ा
356. डॉ. अरुण के वालसन
357. डॉ. विश्वजीत सिंह
358. डॉ. मिहिर मोहन टी
359. डॉ. पोद्दार ओंकार शंकर
360. डॉ. गणेशकुमार जे आर
361. डॉ. मोहम्मद सलीम हारुन गिगानी
362. डॉ. श्रेया गोस्वामी
363. डॉ. नमिता आर
364. डॉ. अरुणकुमार एस एम
365. डॉ. कौसिक सेठ
366. डॉ. सग्निक रे
367. डॉ. घुले प्रशांत महादेव
368. डॉ. रणवीर सचिन तुकाराम
369. डॉ. मनियर मिती मुकेश
370. डॉ. ऋचा कमल
371. डॉ. साद अब्दुल रहमान तसनीम अहमद
372. डॉ. श्यामला डी
373. डॉ. शनमुगम एल
374. डॉ. सुप्रिया सरकार
375. *डॉ नाइक अनमोल उल्हास
376. डॉ. ढोलकिया धारक चंद्रेश
377. डॉ. विजयानंद
378. डॉ. चिराग अरोड़ा
379. डॉ. संतोष नारायणन
380. डॉ. पटवारी पूर्वा सुधांशु
381. डॉ. गदे प्रशांत सखाराम
382. डॉ. सैयद वासिल कादरी
383. डॉ. मैना जे
384. डॉ. आशिक एन ए
385. डॉ. विनीत वाधवा
386. डॉ. नेहा अंतिल
387. डॉ. विश्नोई मदनगोपाल धुराराम
388. डॉ. मीनाक्षी नारायणन
389. डॉ. ब्रज किशोर सिंह
390. डॉ. मोहित नारदी
391. डॉ. रुचि जोशी
392. डॉ. गणकल्याण बेहरा
393. डॉ. आदर्श के
394. डॉ. श्रीदत्त बी एस
395. डॉ. सौरभ खुराना
396. डॉ. शशि चौहान
397. डॉ. अफसल अनरथ
398. डॉ. भगवान सिंह यादव
399. डॉ. चंद्रा दत्त
400. डॉ. संजना सुरेश राव
401. डॉ. सोनवणे गौतम मगन
402. डॉ. मोहम्मद निषाद एम
403. डॉ. श्यामकुल प्रीति दामोदर
404. डॉ. संगीता एस
405. डॉ. राजदीप बग्गा
406. डॉ. नवनीत
407. डॉ. जलजा वी
408. डॉ. पारेख पार्थ प्रकाश
409. डॉ. निशा अग्रवाल
410. डॉ. यूनिस कमल
411. डॉ. जॉर्ज मैथ्यू सेबस्टियन
412. डॉ. पाटिल नंदकुमार नारायण
413. डॉ. पॉलसन सी मैथ्यू

414. डॉ. अरुण डैनियल जोसेफ
415. डॉ. देवांशी मिश्रा
416. डॉ. अस्मा बेगम एम
417. डॉ. कीर्तन कृष्ण
418. डॉ. शैलजा एन
419. डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह
420. डॉ. श्रीतमा बनर्जी
421. डॉ. वेट्री चेल्वन एस
422. डॉ. विपिन वी पी
423. डॉ. अनिर्बान घोष
424. डॉ. अरुण ई
425. डॉ. गुंजन गर्ग
426. डॉ. अग्रवाल प्रेरणा
427. डॉ. नीरज उपाध्याय
428. डॉ. कुमार रीमा विरेंद्र
429. डॉ. सुरेशकुमार ए सी
430. डॉ. काली कल्याणी गणेश
431. डॉ. बगलेने श्रीराम जनार्दन
432. डॉ. शाह विनीत जयेंद्र
433. डॉ. शोभिता नायर
434. डॉ. बिराजदार अमित रवींद्र
435. डॉ. मौर्य मितेशकुमार राजाराम
436. डॉ. मंजूनाथ एल
437. डॉ. अरुण रवींद्रन
438. डॉ. मंजुला
439. डॉ. प्रतीक गुप्ता
440. डॉ. अरविंद ठाकुरिया
441. डॉ. अरुण कृष्णा ए के
442. डॉ. महुआ सिन्हा
443. डॉ. गौरव राजपाल
444. डॉ. Boopathi सेलप्पन
445. डॉ. अनुज गुप्ता
446. डॉ. सुरेश चंद
447. डॉ. अखिल अग्निहोत्री
448. डॉ. सैयद साद कादरी सैयद इकबाल कादरी
449. डॉ. जयेन्द्र ऐलावदी
450. डॉ. अनिमेष साहा
451. डॉ. शक्ति स्वरूप
452. डॉ. अदिति
453. डॉ. रश्मि कुंवर
454. डॉ. मिश्रा अरुप कुमार
455. डॉ. रेवतकर स्वानंद संतोष
456. डॉ. अरुण कुमार पात्रा
457. डॉ. मोहम्मद शफीक के टी
458. डॉ. शाइन कुरियन
459. डॉ. थिरुथानी कुमारन एम एम
460. डॉ. माहेश्वरी प्रदीप अर्जन
461. डॉ. सलमान मोहम्मद कुट्टी सी
462. डॉ. निखिला के गोविंद
463. डॉ. रामप्रसाद एम. एस
464. डॉ. कार्तिकेयन एम
465. डॉ. प्रशिया गुहा सरकार
466. डॉ. आलेख प्रसाद
467. डॉ. कीर्ति एस राव
468. डॉ. नितिन एम
469. डॉ. अतनु चटर्जी
470. डॉ. केशवमूर्ति जी
471. डॉ. गोयल गुरप्रीत सिंह
472. डॉ. कौशिक पॉल

473. डॉ. रजत प्रभाकर
474. डॉ. बी राजीव रेड्डी
475. डॉ. विद्या डी सी
476. डॉ. अजय कुमार
477. डॉ. श्रीमंजुनाथ संकटनागौदर
478. डॉ. अंशुल अशोक बगड़िया
479. डॉ. धुंडले गुंजन राजेंद्र
480. डॉ. सिसिर कुमार साहू
481. डॉ. रामनिवास
482. डॉ. बी. विजय किरण
483. डॉ. अनंत शुक्ला
484. डॉ. हुमा मजीद
485. डॉ. कृष्ण प्रसाद जी
486. डॉ. जेबू ए थॉमस
487. डॉ. सिबिन जे पुलट्टू
488. डॉ. बंता आदित्य अरविंद
489. डॉ. पांचाल आनंदकुमार मंगलदास
490. डॉ. अकिला आर
491. डॉ. गौरव पाटोदिया
492. डॉ. ग्रिशा गोपाल
493. डॉ. एडविन जॉर्ज
494. डॉ. प्रीतम एन
495. डॉ. विनायक नारायण
496. डॉ. के.आर. सीताराम भट
497. डॉ. साक्षी दुग्गल
498. डॉ. लक्ष्मणराजन के एम
499. डॉ. अनूप जेम्स जॉर्ज
500. डॉ. परमार जैनिलकुमार प्रतापसिंह
501. डॉ. रुश्नाईवाला फैजान मोहदिलयास
502. डॉ. आर लक्ष्मी नरसिम्हन
503. डॉ. अस्मिता
504. डॉ. अतुल कुमार सिंह
505. डॉ अनीश गुप्ता
506. डॉ. निक्सन कूलियादान डायस
507. डॉ. के. परी
508. डॉ. अंकित दादरा
509. डॉ. निधि महेंद्रकुमार सिंघानिया
510. डॉ. अजय विजय कुलकर्णी
511. डॉ. दिव्या जैन
512. डॉ. खेरा संजीव
513. डॉ. प्रशान्त बी वी
514. डॉ. रुचिता महाजन
515. डॉ. गौरव प्रकाश
516. डॉ. स्वाति मित्तल
517. डॉ. सुरेका सौरभ पवनकुमार
518. डॉ. जेरी जॉर्ज
519. डॉ. अविनाश कुमार मिश्रा
520. डॉ. पवनराज पी. आई

* 14 **अपूर्ण**

दिनांक 25 सितंबर, 2018 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. गायत्री सतपथी
2. डॉ. देबमाल्या साहा
3. डॉ. अरूण रवि जॉन
4. डॉ. जयाफर के
5. *डॉ. अमित कुमार सलारिया
6. डॉ. अरूण कुमार
7. डॉ. इंद्रनील बसु
8. डॉ. पवादे योगेश रामकृष्ण
9. डॉ. भाविस्कर आशीष अविनाश
10. डॉ. राजीव महर्षि
11. डॉ. जिप्सन सैमुएल टी
12. डॉ. पुनीत कुमार के एन
13. डॉ. शशांक गुप्ता
14 डॉ. अक्षत विजय
15. डॉ. अरूण गंगाधर
16. डॉ. अश्विनी कुमार
17. डॉ. संजीव कुमार
18. डॉ. सुश्रुत राजेन्द्र पुलगांवकर
19. *डॉ. शबनम के
20. डॉ. मनूप बी.
21. डॉ. सौमुवा मंडल
22. डॉ. बरखा बिंदु
23. डॉ. नीरज कुमार
24. डॉ. एस. सुगन्या
25. डॉ. मोहम्मद ज़ुबेर जाकिर
26. डॉ. अनीश अग्रवाला
27. डॉ. नेहा पांडे
28. डॉ. महादेवकर प्रणव संजीव
29. डॉ. देसाई संजय मुकुंद
30. डॉ. अमित कुमार
31. डॉ. वारे संदीप गणपति
32. डॉ. रिचा गर्ग
33. डॉ. नीतू रेबेका इसाक
34. डॉ. मोबिन जार्ज थारू
35. डॉ. अभिषेक दास
36. डॉ. अंचित उप्पल
37. डॉ. कन्हैया लाल
38. डॉ. नीतिश
39. डॉ. कार्तिक हुंसे
40. डॉ. बिभुदत्ता मिश्रा
41. डॉ. प्रीति गुप्ता
42. डॉ. नीलाभ नयन

43. डॉ. वर्षा सी
44. डॉ. सौप्टिक गंगोपाध्याय
45. डॉ. जयदीप मजूमदार
46. डॉ. सुदीप मल्ल
47. डॉ. मुहम्मद अनीस कलदी
48. डॉ. बी. विजयेश्वर रेड्डी
49. डॉ. पृथ्वी राज वी
50. डॉ. विमल कुमार डाकोर
51. डॉ. आदित्य सोमानी
52. डॉ. के. वसंत
53. डॉ. काबिल कुमार एल
54. डॉ. आकाश एच एस
55. डॉ. किरण गोपाल
56. डॉ. आशीष मैत्रा
57. डॉ. नेहा गुप्ता
58. डॉ. बीजू अजर्याह एम
59. डॉ. गीतू बाबू
60. डॉ. विभा उप्पल
61. डॉ. पाटिल निर्मल धनंजय
62. डॉ. कोटपल्लीवार मोनिका कुबेर
63. डॉ. लाम्बे अभिनव विलास
64. डॉ. निखिल यादव
65. डॉ. सुमन चटर्जी
66. डॉ. दीपिका जुत्शी
67. *डॉ. ढोलकिया कुणाल प्रफुल्लकुमार
68. डॉ. दोषी रिद्धि दीपक
69. डॉ. विनय वैद्यनाथन
70. डॉ. केन्या स्वप्निल अनिल
71. डॉ. नल्लम वेंकट रामकृष्ण बाबू
72. डॉ. नमिता चोपड़ा
73. डॉ प्रणव कुमार
74. डॉ. वेणी बेदी
75. डॉ. रमेश पुरोहित
76. डॉ. अविनाश ए नायर
77. डॉ. कुमता राधिका समीर
78. डॉ. सोनाली भट
79. डॉ. अरुण कुमार ए एस
80. डॉ. हुडेकर रामेश्वर भागाजी
81. डॉ. बी बालाजी किरुशनन
82. डॉ. राजेंद्र डिडेल
83. डॉ. सत्य नारायण
84. डॉ. शिंदे सोनाली बबनराव
85. डॉ. वनज कुमार पी
86. डॉ. एस अभिषेक
87. डॉ. महाजन जेमिनी परवीनकुमार
88. डॉ. सुभदीप दास
89. डॉ. अर्घ्य दास
90. डॉ. कौर पुनीत एच एस प्रुथी
91. डॉ. दीपक बी
92. डॉ. पशुपति नाथ मिश्रा
93. डॉ. रोहित ऐलानी
94. डॉ. सिंघल दीपक कुमार
95. डॉ. संपत दाश
96. डॉ. अपर्णा आर्य
97. डॉ. राजकुमार रैना
98. डॉ. विशाल कृष्ण पै

99. डॉ. प्रमिला सोनी
100. डॉ. इंदिरा सरीन
101. डॉ. सिद्धार्थ लांबा
102. डॉ. आशीष गुप्ता
103. डॉ. तेहर अभिजीत उत्तम
104. डॉ. सौम्या अग्रवाल
105. *डॉ. रीमा भूषण
106. डॉ. आदर्श एम. बी
107. डॉ. राजबहादुर संदीप एम
108. डॉ. सोनू सुमन
109. डॉ. अनोबा आर सी
110. डॉ. पाटिल मधुरा चंद्रशेखर
111. डॉ. अनिरुद्ध अरविंद जोशी
112. डॉ. मुग्धा बिंदू गलगली
113. डॉ. प्रशांत आर
114. डॉ. विक्रम खन्ना
115. डॉ. पारुल गुप्ता
116. डॉ. यादव वीरेंद्र शांताप्रसाद
117. डॉ. बावनकर प्रीतम मधुकर
118. डॉ. श्रुति शर्मा
119. डॉ. शिंदे निखिल नागो
120. *डॉ. रेंगे कैलास बाबूराव
121. डॉ. कार्तिकेयन पी
122. डॉ. नवीन कुमार सिंह
123. डॉ. सोनाली माहेरा
124. डॉ. भाटिया नवीन
125. डॉ. तपन कुमार सरकार
126. डॉ. सोनाली शामदासानी
127. डॉ. कुंदन मल सिंगोदिया
128. डॉ. हरिता सी
129. डॉ. नीरज कुमार
130. डॉ. मिताली वी
131. डॉ. मुत्रेजा दीपक ईश्वरदास
132. डॉ. संदीप पारेख
133. डॉ. पवनकुमार एच पाटिल
134. डॉ. अंकुर रामप्रकाश पारिख
135. डॉ. राठी अमितकुमार सुरेश
136. डॉ. राठी कृतिका सुरेश
137. डॉ. कदम तुषार संदीप
138. डॉ. राशी वार्ष्णेय
139. डॉ. आनंद सुब्रमण्यन
140. डॉ. पूजा तिवारी
141. डॉ. हरजीत एच ए
142. डॉ. अरुण कुमार टी एम
143. डॉ. बेंजिथ पॉल के
144. डॉ. मार्कंड स्वप्निल बलराम
145. डॉ. सप्तमी गौड़ा एस
146. डॉ. काले केशव दादा
147. डॉ. जयवीर यादव
148. डॉ. अभिनव जैन
149. डॉ. रेणुबाला राउत
150. डॉ. अनतवाल पल्लवी युवराज
151. डॉ. मोदक रंजीत मोहन
152. डॉ. बर्वे प्राजक्ता माधव
153. डॉ. अभिजीतकुमार सुरजीतकुमार हाजरा

154. डॉ सुनील कुमार ठाकुर
155. डॉ. चिंतावर गजानन दिलीपराव
156. डॉ. संशय महापात्रा
157. डॉ. साठे हर्षल श्रीराम
158. डॉ. सराफ अनंतप्रकाश सिद्धार्थकुमार
159. डॉ. मंजू रानी
160. डॉ. अभिलाषा
161. डॉ. जॉर्ज एम. सरमपिकल
162. डॉ. मुसाफिर खान ए पी
163. डॉ. सुनील बालिगा बी
164. डॉ. अमित सेहरावत
165. डॉ. कवलकर अभिजीत चंद्रकांत
166. डॉ. सुनील दत्त शर्मा
167. डॉ. पल्लवी डोकानिया
168. डॉ. सबिताभ कुमार

* 4 **अपूर्ण**

दिनांक 29 मार्च, 2019 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. अक्षत खांडेकर
2. *डॉ. श्रीवास्तव मनोज विजय
3. डॉ. सत्य रंजन साहू
4. डॉ. चौधरी चंद्रशेखर मधुकर
5. डॉ. घोडेकर प्रियंका गोपीनाथ
6. डॉ. कुदाले प्रकाश खाशाबा
7. डॉ. निखिला पी के
8. डॉ. परब श्रुति गुरुनाथ
9. डॉ. संजीत पनेसर
10. डॉ. सन्नी कुमार मल्लिक
11. डॉ. गौराब चटर्जी
12. डॉ. पतरूरकर अमोल बाबासाहेब
13. डॉ. अरुण कुमार
14. डॉ. मनपाल लोना
15. डॉ. प्रदीपकुमार कलाथिल
16. डॉ. प्रदीप कुमार सैनी
17. डॉ. सोहिनी सरकार
18. डॉ. अभिक सिकदर
19. *डॉ. समीर निवसरकर
20. डॉ. ज़ुहारा शेमिन के एम
21. डॉ. हूंगे शिवराज मोहन
22. डॉ. येदे संजय तेजराम
23. डॉ. अमित राकेश ग्रोवर
24. डॉ. शशांक निगम
25. डॉ. राकेश कुमार
26. डॉ. मनोहर के एन
27. डॉ. जीजो जोसेफ
28. डॉ. शामनाद एम
29. डॉ. राजलक्ष्मी मूंदड़ा
30. डॉ. चक्रवर्ती सचिन रमेश
31. डॉ. राजेश कुमार अग्रवाल
32. डॉ. अमन प्रिया खन्ना
33. डॉ. अली स्नेहिवर कोकदन
34. डॉ. ऐजाज़ अहमद
35. डॉ. शुद्धधाम जैन
36. डॉ. मुदासिर मलिक
37. डॉ. बेलगुंडी प्रीति
38. डॉ. प्रेमनंत पी
39. डॉ. हरिहरन उमा एस हरिहरन
40. डॉ. देवराज जश
41. डॉ. श्रेया भट्टाचार्य
42. डॉ. जाधव इंद्रनील अशोक
43. डॉ. दफले संतोष शिवाजीराव
44. डॉ. भारती धोंडीराम दत्ताबुवा
45. डॉ. रिंकेश कुमार बंसल
46. डॉ. अरुण के
47. डॉ. गाजीवाला डिप रोहिताभाई
48. डॉ. करण राज जग्गी
49. डॉ. बांगर रवींद्र शिवाजी
50. डॉ. सौम्या दास
51. डॉ. यादव सुदीप प्रदीप
52. डॉ. खत्री गायत्री नागिन्दास
53. डॉ. बगदिया समीर शौकतली
54. डॉ. नागार्जुन केदार

55. डॉ. नितेश रुस्तगी
56. डॉ. जयकुमार आर
57. डॉ शिबिन पी के
58. डॉ. बी फाल्गुन
59. डॉ. वरुण वेणु
60. डॉ. गिरी किशोर लक्ष्मण
61. डॉ. रवि प्रकाश मिश्र
62. डॉ. बसवा मल्लेश्वरा राव वी
63. डॉ. स्वरूप ससिधरन
64. डॉ. स्वप्ना ससिधरन
65. डॉ. चिखलीकर मेघना अजीत
66. डॉ. रिजुल मनकतला
67. डॉ. पूनम तेजराम येडे
68. डॉ. उन्नी जितेंद्रन
69. डॉ. अमितोष मिश्रा
70. डॉ. हाशिक पी मुहम्मद
71. डॉ. स्वर्णवा तरफ़दार
72. डॉ. पारीक अंकुर हरिवंश
73. डॉ. मुंजाल सतीशकुमार शाह
74. डॉ. कास्टेलिनो आशीष नॉर्मन
75. डॉ. अमरनाथ देवरसेट्टी
76. डॉ. कुर्कुरे राहुल
77. डॉ. पोद्दार ओजस विजयानंद
78. डॉ. प्रवीण बाबू जोनलगड्डा
79. डॉ. राहुल अंशुमान
80. डॉ. रजनी सिन्हा
81. डॉ. बाबू एस मदारकर
82. डॉ. सोनाली गुप्ता
83. डॉ. श्रेयांस जैन
84. डॉ. जोशी अभय भानुदास
85. डॉ. दोषी करण जनक
86. डॉ. बबीता राजन
87. डॉ. सोहम मंडल
88. डॉ. दीपक अग्रवाल
89. डॉ. पसारी प्रीति श्यामकिशोर
90. डॉ. कार्तिक जायसवाल
91. डॉ. विकासदीप गुप्ता
92. डॉ. मंजीत सिंह
93. डॉ. उमामहेश्वरन बालाजी
94. डॉ. शशिधर रेड्डी बी
95. डॉ. ज्योतिका सिंह
96. डॉ. कुमार पंकज
97. डॉ. देवव्रत दास
98. डॉ. उमेश शर्मा
99. डॉ. प्रियदर्शिनी पात्रो
100. डॉ. स्मिता मूडी
101. डॉ. विजय हरीश एस
102. डॉ. नवीन यादव
103. डॉ. जहाँगीर सलाम
104. डॉ. जयकुमार निकुलभाई मेहता
105. डॉ. प्रभाष कुमार चौधरी
106. डॉ. सिंह राहुल कामेश्वर
107. डॉ. हाज़ेना के आर
108. डॉ. गिरीश श्याम टैंक
109. डॉ. प्रियदर्शनी साहू
110. डॉ. बिस्वजॉय रॉय
111. डॉ. अर्चना एस
112. डॉ. विकास कुमार श्रीवास्तव

113. डॉ. जायसवाल संजोग रमेशचंद्र
114. डॉ. अनिशा चौधरी
115. डॉ. कुलकर्णी करिश्मा राजेंद्र
116. डॉ. प्रदीप आर
117. डॉ. करण भाटिया
118. डॉ. आशीष गोयल
119. डॉ. विनीता गोयल
120. डॉ. संधेश राव बी
121. डॉ. एम एस अथियामान
122. डॉ एस स्वरूप चंद्रा
123. डॉ. मीनाक्षी
124. डॉ. दीक्षित चौहान
125. डॉ. देशमुख अभय विलास
126. डॉ. राठौड़ सचिन प्रकाश
127. डॉ. रमन पिपलानी
128. डॉ. रजत पिपलानी
129. डॉ. साहिथी शिल्पा आर्य
130. डॉ. अल्फोंस फिलिप
131. डॉ. अशोक कुमार साहू
132. डॉ. शेजुल प्रणव मच्छिंद्र
133. डॉ. अनुज कुमार सिंघल
134. डॉ. पिल्लई जीना गोपीनाथन
135. डॉ. सत्यमूर्ति पी
136. डॉ. प्रियदर्शनी पी
137. डॉ. मार्सुक अली के पी
138. डॉ. सती आलोक
139. डॉ. प्रिया एशपुनियानी
140. डॉ. आलोक दीक्षित
141. डॉ. वंदना पुरी
142. डॉ. यारगी भक्ति शिवराम
143. डॉ. ऐश्वर्या कपूर
144. डॉ. राठी सागर एकनाथ
145. डॉ. प्रसन्ना टी वाई
146. डॉ. शिप्रा गोयल
147. डॉ. पटेल शैला राजकुमार
148. डॉ. सतीश प्रभु पी
149. डॉ. राजीव विजय हिंगोरानी
150. डॉ. सुदीप कुमार घोष
151. डॉ. प्रशांत नाथ गुप्ता
152. डॉ. ज्ञानेंद्र डी एम
153. *डॉ. रितेश कुमार सिंह
154. डॉ. आयुष दुबे
155. डॉ. अनामिका वर्मा
156. डॉ. निखिल नायर
157. डॉ. रुचिता जैन
158. डॉ. निया नारायणन
159. डॉ. आज़मी रेहान अल्ताफुर रहीम
160. डॉ. आशिक के
161. डॉ. गोपीकृष्णन के
162. डॉ. अर्चित अग्रवाल
163. डॉ. मोहम्मद शफी ए
164. डॉ. राशिद अंजुम
165. डॉ. जैकब जॉन
166. डॉ. गीत बाजपेयी
167. डॉ. शालिनी केलकर
168. डॉ. विजिता पांडे
169. डॉ. दीपक कुमार दीपक
170. डॉ. अहमद अशर अली एच

171. डॉ. तहसीन निलोफर एस
172. डॉ. गरबाड़ी मोहनराव दुखीश्याम
173. डॉ. सचिन जी
174. डॉ. लक्ष्मी एम
175. डॉ. वरुण एस
176. डॉ. सौरभ जैन
177. डॉ. प्रगति गोगिया
178. डॉ. रोहित शर्मा
179. डॉ. सुरजीत कुमार द्विवेदी
180. डॉ. अनाप योगेश श्रीधर
181. डॉ. वरुण अरोड़ा
182. डॉ. दीप्ति मुखीजा
183. डॉ. गांधी सूरज राजकुमार
184. डॉ. पालगामकर ज्योत्सना भारत
185. डॉ. रविकुमार
186. डॉ. प्रहलाद कुमार
187. डॉ. शमिक हैत
188. डॉ. बानुघरिया मेहुलकुमार चंदूलाल
189. डॉ. चेरिल सौम्य सुकुमारन
190. डॉ. सुधागर एम ई
191. डॉ. लाल आयुष राजीव
192. डॉ. फर्नांडीस स्नेहा आर्ची
193. डॉ. राजेश वेणुनाथ मथिलकथ
194. डॉ. बालगोविंद एस राजा
195. डॉ. मेघना प्रभु एस
196. डॉ. जी टी साईं प्रशांत
197. डॉ. करिश्मा भाटिया
198. डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
199. डॉ. हैदरमोटा मुर्तजा जुजार
200. डॉ. यादव सचिनकुमार सत्यराम
201. डॉ. निकहत वैभव श्रीधरराव
202. डॉ. इंदु ए जे
203. डॉ. सोमेंद्र बंसल
204. डॉ. गोविंदा रेड्डी करारी
205. डॉ. परमेस्वर लाल शर्मा
206. डॉ. वीरेंद्र कुमार मीणा
207. डॉ. उगले प्रकाश पंढरीनाथ
208. डॉ. इनाम दानिश खान
209. डॉ के एन सर्वेश्वरी
210. डॉ. तहलील अल्ताफ शेरा
211. डॉ. रेखा एस नायर
212. डॉ. रिंकी अग्रवाल
213. डॉ. तनुजा मल्लिक
214. डॉ अहमद असीम नसीम
215. डॉ. कृति खंडेलवाल
216. डॉ. सुरभि सैनी
217. डॉ. पांडेय अरविंद
218. डॉ. विकास सूरी
219. डॉ. दीप्ति रविंदर नारंग
220. डॉ. संदीप कुमार कानूनगोला
221. डॉ. विशाल सिंह
222. डॉ.वंदना गुप्ता
223. डॉ. कंचन शुक्ला
224. डॉ. मुनिसंकर रेड्डी एम
225. डॉ. सौरभ शर्मा
226. डॉ. संदीप गोखले
227. डॉ. गुप्ता अर्पिता महेश
228. डॉ. ज़म्बरे सचिन भाऊसाहेब

229. डॉ. हरिप्रकाश लोककू
230. डॉ. करले कालिका किरण
231. डॉ. सताब्दी मित्र
232. डॉ. दीपक कुमार
233. डॉ. यू एस सबिता
234. डॉ. सुब्रसलेमम टी ए
235. डॉ. दीपू बाबू
236. डॉ. रोहित आर के
237. डॉ. निकेत राज गर्ग
238. डॉ. हर्षित आर
239. डॉ. श्रीलेश एल एस
240. डॉ. टैंक पराग मनोज
241. डॉ. निमना रवि
242. डॉ. अमित कुमार
243. डॉ. जितिन ए एस
244. डॉ. किरण प्रीत कौर
245. डॉ. के.एम. नेहा श्रीवास्तव
246. डॉ. नीलापर्व ऋषिकेश दीपक
247. डॉ. शिल्पा शर्मा
248. डॉ. डाल्टन जे
249. डॉ. राठौर अन्वेश एम. एस राठौर
250. डॉ. पंड्या तेजस नलिनभाई
251. डॉ. नैनीसेट्टी संधेश
252. डॉ. दुबेवर सुमित मिलिंद
253. डॉ. कवितरानी वी बिलोलिकर
254. डॉ. करिश्मा थरानी
255. डॉ. रोहित जिंदल
256. डॉ. घासनी पासिल आर
257. डॉ. रवींद्र सिंह चौहान
258. डॉ मृत्युंजय कुमार
259. डॉ दिव्यान सैमसन
260. डॉ. भव्या बालासुब्रमण्यम
261. डॉ मल्लदी सरला निर्मला नित्या
262. डॉ. अपूर्बा पात्रा
263. डॉ. दीपक गौड़ा जी
264. डॉ. प्रिया सुसान मैथ्यू
265. डॉ. प्रफुल्ल राज एम सी
266. डॉ. मोजम्मिल फ़िरोज़
267. डॉ. राहुल शर्मा
268. डॉ. केट वैभव विट्ठल
269. डॉ. देवव्रत कुमार
270. डॉ. सुनीत कुमार गुप्ता
271. डॉ. ठाकुर चंदन कुमार
272. डॉ. कैलास पी
273. डॉ. केविन जोस
274. डॉ. वरुण मल्होत्रा
275. डॉ. सुसान पी चाको
276. डॉ. रश्मि प्रसाद
277. डॉ. रुचिका सूद
278. डॉ. शहीर इब्राहिम ए
279. डॉ. होली भोशन ज्ञानेश्वर
280. डॉ. अमन हुड्डा
281. डॉ. अविनाश एकनाथ ठाकरे
282. डॉ. मोहन बाबू के
283. डॉ. सुजाता जी
284. डॉ. नंदोलिया खनककुमार कांतिलाल
285. डॉ. शोभाकुमारी ओ
286. डॉ. केंचते अप्पाजी रेणुका

287. डॉ. जयता भद्रा
288. डॉ. पटेल एशा घनश्यामभाई
289. डॉ. चंदना राजशेखर
290. डॉ. अर्नब बंद्योपाध्याय
291. डॉ. पंकज साहू
292. डॉ. अनुराग शर्मा
293. डॉ. मिनी एस नायर
294. डॉ. उन्नीकृष्णन मुरलीमोहन श्रीदेवी
295. डॉ. अवनीत सिंह शिशोदिया
296. डॉ. मानसी बुधिराज
297. डॉ. मोहम्मद शरीफ पी के
298. डॉ. अग्रवाल चतुर्भुज रामानंद
299. डॉ. सिल्की कोठीवाल
300. डॉ. स्मिता एम
301. डॉ. अरुण जे
302. डॉ. ढाके जगदीश मधुकर
303. डॉ. अक्षत मित्तल
304. डॉ. पठान अयूब लालखान
305. डॉ. निशु गुप्ता
306. डॉ. तनय मैती
307. डॉ. अंजना वर्मा
308. डॉ. जितेंद्र कुमार मीणा
309. डॉ. नितेश कुमार दुबे
310. *डॉ. रश्मि श्रीवास्तव
311. डॉ. प्रभा बंसल
312. डॉ. कारोवालिया शाहीन निजराली
313. डॉ. मधुर जैन
314. डॉ. निर्मल्या रे
315. डॉ. गोपीकृष्णन अंजनेयन
316. *डॉ. विनीता वर्गीज पणिक्कर
317. डॉ. डेना एन बेबी
318. डॉ. शोमिक सरकार
319. डॉ. अजहर हुसैन
320. डॉ. वधेर आकाश बाबूलाल
321. डॉ. अभिषेक वार्ष्णेय
322. डॉ. कामत सुष्मिता संतोष
323. डॉ. अभिषेक भारद्वाज
324. डॉ. सुकन्या एस
325. डॉ. सेंथिल कुमार आर
326. डॉ. दिव्या तेजा बोम्मरेड्डी
327. डॉ. मनोज आर
328. डॉ. आरुषि चौधरी
329. डॉ. निशीत प्रकाशभाई दवे
330. डॉ. किंजलबेन जयेशकुमार पटेल
331. डॉ. प्रताप उपाध्याय
332. डॉ. आशीष पटियाल
333. डॉ. मृदुल धर
334. डॉ. रिचर्ड मारियो लर्शाय
335. डॉ. प्रतीक अग्रवाल
336. डॉ. देव रविशंकर
337. डॉ. राजीव रमन
338. डॉ. कालिंदी कल्याण कुमार वर्मा
339. डॉ. संध्या पाचा
340. डॉ. श्याम कृष्णन
341. डॉ. संदीप कुमार गौर
342. डॉ. श्रीराम वी ई
343. डॉ. विनका कौल
344. डॉ. मनीष काक

345. डॉ. विकासकुमार नटूभाई पटेल

346. डॉ. नीरू ठकराल

347. डॉ. कामिरेड्डी वी प्रसाद रेड्डी

* 5 **अपूर्ण**

अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य

	मानद अध्येता#	अध्येता एफएएमएस#	सदस्य एमएएमएस#	सदस्य एमएनएएमएस#
दिनांक 31.03.2018# की यथास्थिति #	3	904#	2,036#	5,971#
दिवंगत (2017-2018 की अवधि के दौरान,# #	-	(-)#10#	(-) 0#	-
वर्ष 2018#में निर्वाचित #	-	(+)#26*#	(+) 102#	-
वर्ष 2018 में सदस्यगण जिन्हें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत किया गया #	-	-	(-) 9	-
वर्ष 2018#में डीएनबी परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने के बाद विनियमन-V द्वारा प्रवेश दिए गए सदस्य #	-	-	-	1035#
दिनांक 31.03.2019 की यथास्थिति रोल पर	**3**	**920#**	**2,129#**	**7,006#**

* इसमें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत 9 सदस्य सम्मिलित हैं।

चिकित्सा वैज्ञानिकों का व्याख्यान तथा पुरस्कार के लिए नामांकन-# 2018-19

व्याख्यान तथा पुरस्कार समिति की सिफारिशों के आधार पर परिषद् ने वर्ष 2018-19#के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिकों को व्याख्यान तथा पुरस्कार प्रदान करना अनुमोदित कियाः

व्याख्यान

डॉ. आर. वी. राजम व्याख्यान#	डॉ. देविंदर मोहन थाप्पा, एफएएमएस निदेशक, उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग - 793018, (मेघालय)।
व्याख्यान का शीर्षक	“त्वचीय एंथ्रेक्स - भारत में अभी भी एक वास्तविकता?”

कर्नल संघम लाल स्मारक व्याख्यान	डॉ. (ले. कर्नल) रवि कुमार अरुणाचलम, एफएएमएस निदेशक, नैदानिक सेवाओं के अध्यक्ष, ईएनटी, सिर और गर्दन शल्य चिकित्सा विभाग, श्री रामचंद्र मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय), संकायाध्यक्ष - शिक्षा, श्री रामचंद्र मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय), पोरुर, चेन्नई - 600116।
व्याख्यान का शीर्षक	"स्वरयंत्रश्वासप्रणालीय स्टेनोसिस का प्रबंधन: स्वदेशी स्टेंट की भूमिका पर 10 वर्ष का अध्ययन"

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान#	डॉ. गोपाल नाथ, एफएएमएस आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005।
व्याख्यान का शीर्षक	"जीवाणुभोजी चिकित्सा: एंटीबायोटिक दवाओं के लिए एक वैकल्पिक, चूहे में प्रायोगिक अध्ययन"
#	#
डॉ. वी.आर. खानोल्कर व्याख्यान #	डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी, एफएएमएस निदेशक, राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, आयुर्विज्ञान संस्थान, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ - 226010 (उ. प्र.)।
व्याख्यान का शीर्षक	"क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकीमिया के प्रबंधन में सफलता और चुनौतियां"#
डॉ. जे. एस. बजाज#व्याख्यान#	डॉ. माला धर्मलिंगम# आचार्य एवं विभागाध्यक्ष# अंतःस्त्राविकी विभाग# कमरा नंबर 103,# एम एस रमैया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल,# न्यू बेल रोड, बंगलौर - 560054।# #
व्याख्यान का शीर्षक#	"टाइप 5# डायबिटीज मेलिटस और इसके नैदानिक प्रभाव के रोगजनक तंत्र"#

डॉ. बलदेव सिंह व्याख्यान#	डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, एफएएमएस आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान# अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।# (गत वर्ष 2017-2018)#
व्याख्यान का शीर्षक	"स्ट्रोक के बाद पुनर्स्थापनात्मक उपचार: औषधियाँ, उपकरण और रोबोटिक्स"

पुरस्कार

दंत चिकित्सा जन स्वास्थ्य पुरस्कार	डॉ. एस. जयाचंद्रन, एमएएमएस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, तमिलनाडु शासकीय दंत कॉलेज एवं अस्पताल, चेन्नई - 600003।
विषय: "ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस और स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड और सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस का महत्व: एक तुलनात्मक अध्ययन"	
डॉ. एस. एस. सिद्धू पुरस्कार#	डॉ. राजीव बी वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029।
विषय: "कोन बीम परिकलित टोमोग्राफी छवि अभिविन्यास: तीन आयाम में सटीक अभिविन्यास तल की खोज" ♯	
डॉ. अभया इंद्रायन पुरस्कार#	डॉ. विष्णु वर्धन राव मेंडू निदेशक, राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान, (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।

विषय: "बच्चों के बीच मूत्र आयोडीन सांद्रता पर आयोडीन पुष्ट खाद्य पदार्थों के प्रभाव का आकलन करने के लिए समानांतर और क्रॉस-ओवर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों के संयोजन का एक मेटा-विश्लेषण" ǂ	
डॉ. नन्दगुढ़ी सूर्यनारायण राव पुरस्कार#	डॉ. स्मिता अस्थाना वैज्ञानिक ई, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् - राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, 1-7, सेक्टर 39, नोएडा, जी. बी. नगर, उत्तर प्रदेश - 201301।
विषय: "निर्धूम तंबाकू प्रयोग एवं मुख कैंसर का संबंध: एक व्यवस्थित वैश्विक समीक्षा और मेटा-विश्लेषण"	
डॉ. तुलसी दास चुग पुरस्कार#	डॉ. सरमन सिंह, एफएएमएस निदेशक एवं वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462020 (मध्य प्रदेश)
विषय: "फुफ्फुसीय और इतर-फुफ्फुसीय तपेदिक के त्वरित निदान के लिए 5 नए प्रोटीन बायोमार्कर का मूल्यांकन: प्रारंभिक परिणाम"	

वर्ष 2018 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 25 जुलाई, 2018 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने हेतु अनुमोदित किया है। वर्तमान में शैक्षणिक समिति/ शैक्षणिक परिषद् का अध्यक्ष होने के साथ उन्होंने परिषद् सदस्य, अकादमी की अध्यक्ष और अनेक स्थायी समितियों के सदस्य के रूप में विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है। वह पेशेवर अभ्यास में ईमानदारी एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नैतिकता के लिए आजीवन निष्ठावान रही हैं। वह एक प्रतिबद्ध चिकित्सा पेशेवर और एक उत्कृष्ट शिक्षाविद् रही हैं।

इमारत का रख-रखाव

नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सभागार और अकादमी इमारत का मरम्मत कार्य/ परिवर्तन किया गया था: -

1. बहु व्यवसायिक शिक्षा और देश के अन्य संस्थानों के लिए सीएमई का लाइव टेलीकास्ट करने के लिए वीडियो सम्मेलन यंत्रों / उपकरणों (सिस्को-एसएक्सएक्स 80 उच्च स्तरीय वीडियो सम्मेलन प्रणाली) के लिए ध्वनि की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए डिजिटल एम्पलीफायर और ऑडियो सिग्नल प्रोसेसर की स्थापना की गई।
2. एसी पैनल बॉक्स के लिए उच्च गर्मी प्रभावी मोटी कठोर तांबे की तार को निम्न - श्रेणी एल्यूमीनियम तार के स्थान पर लगाया गया।
3. दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अग्नि सुरक्षा मानदंडों के अनुपालन के तहत अग्नि सुरक्षा प्रणाली की मरम्मत की गई। परिणामस्वरूप डीएफएस द्वारा 13 जनवरी, 2017 को 3 साल की वैधता के साथ अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी किया गया।
4. लंबे समय तक चलने के साथ बिजली की खपत को कम करने के लिए एलईडी ऊर्जा कुशल प्रकाश प्रणाली स्थापित की गई।

उपरोक्त सभी कार्यों से संबंधित निविदाएं / संविदाएं अकादमी द्वारा भारत सरकार की निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार बुलाई गई थीं और कार्य 2018-19 के दौरान सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

(सभागार इमारत के चित्र के लिए कृपया वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठभाग को देखिए)

वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन

वर्ष 2013 के प्रारंभ से, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत मुख्य - संपादक डॉ. संजीव मिश्रा और सहयोगी संपादक के रूप में डॉ. कुलदीप सिंह के संपादकीय टीम के मार्गदर्शन के तहत एम्स, जोधपुर में नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र से नैम्स, नई दिल्ली में संपादकीय टीम और प्रकाशन कर्मचारियों की सहायता से प्रकाशित किए जा रहे हैं। यह व्यवस्था वर्ष 2018 के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत के अंतिम अंक, अर्थात् खंड 54, अंक संख्या 4 के मुद्रण तक जारी रही।

पबमैड सेंट्रल और अन्य विश्व अनुक्रमण एजेंसियों में वर्ष – वृत्तांतों के व्यापक प्रसार और समावेश को बढ़ावा देने के लिए, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की प्रकाशन समिति ने पत्रिका के प्रकाशन को एक सक्षम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्ञात प्रकाशन गृह को आउटसोर्स करने का निर्णय लिया। कई प्रकाशन एजेंसियों जैसे स्प्रिंगर, एल्सेवियर, मेडकॉन, थिएम, आदि के साथ विचार-विमर्श और बैठकों के बाद प्रकाशन समिति के सदस्यों ने मैसर्स थिएम पब्लिशिंग एजेंसी को लिए जाने की सिफारिश की जो कि राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों पर वर्ष – वृत्तांतों के मुद्रण की जिम्मेदारी लेने के लिए सहमत हो गई है। मैसर्स थिएम ने प्रतिष्ठित ऑनलाइन अनुक्रमण एजेंसियों जैसे मेडलाइन / इंडेक्स मेडिकस, पीएमसी, ईमबीईएएसई / एक्सरप्टा मेडिका, एससीओपीयूएस, साइंस साइटेशन इंडेक्स, एक्सपेंडेबल वेब ऑफ साइंस, साइंसडायरेक्ट, इत्यादि के साथ अनुक्रमणिका को सुगम बनाने पर सहमति व्यक्त की। अंततोगत्वा इस निर्णय का सिद्धांत रूप में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी परिषद द्वारा समर्थन किया गया।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) और मैसर्स थिएम पब्लिशिंग एजेंसी के मध्य आरंभ में पांच वर्ष की अवधि के लिए एक औपचारिक समझौते में प्रवेश करने का निर्णय लिया गया जिसमें वर्ष 2019 के प्रथम अंक, अर्थात् खंड 55, अंक संख्या 1 से लेकर वर्ष 2023 के अंतिम अंक अर्थात् खंड 59, अंक संख्या 4 तक के प्रकाशन के साथ वर्ष – वृत्तांतों को मुद्रित एवं प्रचारित किया जाएगा।

चूंकि प्रकाशन मैसर्स थिएम द्वारा किया जा रहा है इसलिए पत्रिका के मुख पृष्ठ एवं अन्य सामग्री को प्रचलित अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार परिवर्तित / संशोधित किया जाएगा।

मृत्युलेख

अकादमी के निम्नलिखित प्रतिष्ठित अध्येताओं की मृत्यु भारी मन सूचिक की जाती है और हार्दिक शोक से तत्काल परिवार के सदस्यों को अवगत कराया गया है:

अध्येताः

1. डॉ. जे. एस. बजाज, एफएएमएस
2. डॉ. नबेन्दु चौधरी, एफएएमएस
3. डॉ. एल. एच. हीरानन्दानी, एफएएमएस
4. डॉ. प्रेम कुमाक काकेर, एफएएमएस
5. डॉ. बी. आर. काटे, एफएएमएस
6. डॉ. चंद्र प्रकाश, एफएएमएस
7. डॉ. संकरा बालापरमेस्वरा राव
8. डॉ. राज कमल साचर, एफएएमएस
9. डॉ. विजय प्रकाश शर्मा, एफएएमएस
10. डॉ. लालजी सिंह, एफएएमएस

पुडुचेरी में दिनांक 27 अक्टूबर, 2018 को आयोजित 58वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में डॉ. मुकुंद एस. जोशी, अध्यक्ष, एनएएमएस द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

माननीय मुख्य अतिथि डॉ. रवि पी. सिंह, महासचिव, भारतीय गुणवत्ता परिषद्, आदरणीय डॉ. एम के राजगोपालन, हमारे माननीय अतिथि, संस्थापक और कुलपति, श्री बालाजी विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), मंच पर और मंच से दूर अन्य गणमान्य व्यक्ति, राष्ट्रीय अकादमी से मेरे मित्रों और सहयोगियों, आमंत्रित अतिथियों, प्रतिनिधियों और निश्चित रूप से, सदैव उत्साही छात्रों।

पुडुचेरी में 58वें नैम्सकॉन एवं वार्षिक दीक्षांत समारोह 2018 के अवसर पर इन सुशिक्षित श्रोताओं को संबोधित करना मेरा गौरवपूर्ण सौभाग्य है। मैं उदासी अनुभव करता हूं क्योंकि नैम्स के अध्यक्ष के रूप में मेरे तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान यह मेरा अंतिम अभिभाषण होगा। इस प्रतिष्ठित संगठन के साथ जुड़ना एक बहुत खुशी और सम्मान की बात है। मुझे आशा है कि मैं अपने अध्यक्ष पद के वर्षों के दौरान उम्मीदों पर खरा उतरा हूं। मैं अध्यक्ष के रूप में अपने प्रयासों में मेरे साथ रहने के लिए अकादमी और इस संगठन से जुड़े सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं।

इस अवसर पर, मैं इस सम्मेलन के आयोजकों को धन्यवाद देते हुए बहुत प्रसन्न हूँ। मैं विशेष रूप से महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान केंद्र और डॉ. मोहन कामेश्वरन, आयोजन अध्यक्ष और आयोजन सचिव डॉ. पी. कार्तिकेयन का उल्लेख करना चाहूँगा। पुडुचेरी में इस बैठक में भाग लेने वाले सभी व्यक्तियों की ओर से मैं आपके उत्कृष्ट आतिथ्य के लिए धन्यवाद देता हूं और हम सभी को इतना सहज बनाने के लिए आपकी सराहना करता हूं। फिर से धन्यवाद!

अकादमी को हमारी कई उपलब्धियों पर गर्व है और मैं अध्यक्ष के रूप में इन उपलब्धियों का एक अभिन्न अंग होने के लिए भाग्यशाली रहा हूं। बस कुछ का उल्लेख करते हुए, एक नई वेबसाइट की शुरूआत। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि वेबसाइट को अकादमी में ही डिजाइन किया गया था और यह लेखों, संसाधन सामग्री आदि के रूप में चिकित्सा पेशे में कई लोगों की सहायता करेगा। हमारे अत्याधुनिक कमला रहेजा सभागार में पूर्ण विकसित गतिविधियाँ हमारी एक अन्य शानदार उपलब्धि है। मैं अपने सदस्यों से हमारे सभागार में उत्कृष्ट सुविधाओं के बारे में प्रचार करने की अपील करता हूं। यद्यपि इस सभागार में हमारी

शैक्षणिक गतिविधियाँ पहले से ही हैं लेकिन चिकित्सा गतिविधियों के आयोजन में शामिल सभी लोगों के लिए मेरा हार्दिक धन्यवाद। लेकिन इतना पर्याप्त नहीं है। हमें नियमित रूप से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है और इस सभागार को चिकित्सकीय रूप से व्यस्त रखना चाहिए। इन सबसे ऊपर, मुझे आप सभी को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता है कि हम एक स्वायत्त निकाय बने रहेंगे। यदि मैं इस लक्ष्य को प्राप्त करने के अथक प्रयासों के लिए अपने ऊर्जस्वी सचिव डॉ दीप श्रीवास्तव को धन्यवाद नहीं देता तो मैं अपने कर्तव्य में असफल हो जाऊंगा। धन्यवाद, दीप!

इस सम्मेलन का विषय "वर्तमान भारत में गैर-संचारी रोगों का उदय" है। यह देश में चिकित्सा स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में मेरे लिए विशेष रूप से एक उपयुक्त विषय है। अकादमी ने जैव चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान से जुड़े प्रमुख वैज्ञानिकों को एक साथ लाने के लिए सभी प्रयास किए हैं। हमने चिकित्सा में शिक्षण के हमारे लक्ष्य को जारी रखने के अपने प्रयासों में सभी चरणों में इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी प्रयास करना जारी रखा है। मुझे विश्वास है कि भारत में चिकित्सा स्वास्थ्य की स्थिति को सुधारने में हमारे प्रयासों से बहुत सहायता मिलेगी। मुझे हमारे देश के दूरस्थ भागों में चिकित्सा सहायता और शिक्षा के प्रसार को देखना अच्छा लगेगा। दूसरी बात, मेरा मानना है कि अकादमी को वर्तमान में भारत में चिकित्सा शिक्षा के गिरते स्तर को रोकने और सुधारने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

अकादमी लगभग मेरा दूसरा घर बन गई है। मुझे अपने सभी सहयोगियों और सदस्यों को अकादमी के स्टाफ को मेरे कठिन समय के दौरान मेरे साथ खड़े रहने के लिए और मुझे कई आवश्यक और महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहायता करने के लिए धन्यवाद देना चाहिए।

डॉ. लता देशमुख को जानना और उनके साथ यात्रा करना सदैव एक शैक्षिक और एक शानदार अनुभव रहा है। कई दशकों से एक मित्र के रूप में, वह न केवल अकादमी में बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी मेरा मार्गदर्शन कर रही है। उनके शैक्षणिक अनुभव और उनकी समझदारी ने अकादमी के लिए विशेष रूप से अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्यकाल में बहुत सहायता की है। लता, धन्यवाद! मुझे विश्वास है कि हमारी यात्रा अगले कई वर्षों के दौरान स्थायी रूप से चलती रहेगी।

मुझे डॉ. प्रेमा रामचंद्रन के साथ जुड़ने का सौभाग्य मिला है। इस मृदुभाषी और गरिमामय महिला को अकादमी में शायद आज तक का सबसे लंबा अनुभव है। मैंने उन्हें समय-समय पर परेशान किया है और उन्होंने कभी मना नहीं किया। मुझे विश्वास है कि अकादमी में उनकी उपस्थिति और उनकी निस्वार्थ रचनात्मक सलाह से अकादमी लाभान्वित होती रहेगी।

दीप, मैं तुम्हारी पत्नी से कुछ दिन पहले बात कर रहा था। मुझे आश्चर्य नहीं हुआ जब उसने कहा कि वह आपको तलाक देने वाली है क्योंकि वह दृढ़ता से मानती है कि अब आपकी शादी नैम्स से हो गई और उससे अब नहीं हुई है, इस बात पर विचार करते हुए कि आप घर पर कितना कम समय बिताते हैं और अकादमी में कितना अधिक! दीप, आप इतनी दक्षता के साथ अकादमी चलाने में एक महान मित्र और सलाहकार रहे हैं। वह बहुत परिश्रमी और एक कुशल सचिव हैं, जिन्होंने इतनी रुचि के साथ अकादमी की देखभाल की है। विकिरण विज्ञानी होने के नाते, मुझे पता है कि एक हस्तक्षेप लैब में कितना समय बिताने की आवश्यक्ता होती है और मुझे आश्चर्य है कि इस व्यक्ति को बिना थके कैसे अपनी ज़िम्मेदारियों को निभाने के लिए दुनिया भर में सब समय मिल जाता है !, दोनों एम्स के हस्तक्षेप लैब में और नैम्स के प्रशासन में! । सप्ताह में कई मौकों पर उनसे बात करने से मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला है और सबसे बढ़कर यह कि मैं खुश हूं और आश्वस्त हूं कि अकादमी सुरक्षित हाथों में है।

डॉ. पी के दवे को मेरा शाश्वत धन्यवाद, जो पोंडी में अपना जीवन काल उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त करने वाले थे। महोदय, मैंने अकादमी के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और परिषद के कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आपके योगदान को देखा है। कृपया हर समय परिषद और अकादमी का हिस्सा बने रहें। व्यक्तिगत रूप से, मैंने अपने कार्यकाल के दौरान डॉ. दवे के साथ अपने संबंध का आनंद लिया है। मैंने सर्वाधिक आवश्यकता के समय आपकी सलाह के कोमल शब्दों की प्रशंसा की है।

अकादमी श्री जवाहरलाल नेहरू, डॉ. एस राधाकृष्णन और अन्य कई गणमान्य लोगों के हार्दिक आशीर्वाद से बनाई गई है। जहां तक अकादमी का संबंध है, डॉ. जे एस बजाज उसके शक्तिशाली स्तंभ रहे हैं और उनके बीमार होने के बावजूद भी यह बना हुआ है। आइए हम उन्हें बहुत शुभकामनाएं दें और प्रार्थना करें कि वह शीघ्र ही हमारे साथ हों।

मैं इस अवसर पर डॉ. सरोज चूड़ामणि को हमारी अकादमी के अगले अध्यक्ष चुने जाने के लिए बधाई देता हूं। वह एक शानदार शिक्षाविद् रही हैं और देश की पहली महिला बाल शल्य चिकित्सक हैं (क्या यह डॉ. देशमुख या डॉ. सरोज हैं?)। उन्हें 2013 में पद्मश्री प्राप्त हुआ है और बी. सी. रॉय पुरस्कार से भी सम्मानित हैं। वह किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की पूर्व कुलपति रह चुकी हैं और उनका महान शैक्षणिक योगदान रहा है। मैं उनकी सफलता की कामना करता हूं।

मुझे बहुत खुशी है कि हम चिकित्सा शिक्षा के अपने उद्देश्य को दृढ़ता से जारी रख रहे हैं। कमला रहेजा सभागार हमारी शैक्षणिक गतिविधियों को पूरा करने में एक बड़ा आशीर्वाद है। डॉ.

के. के. शर्मा के विशाल अनुभव ने अकादमी की उत्कृष्ट निगरानी को और बढ़ा दिया है, जो कि बहुत महत्वपूर्ण है, विशेषकर हमारी शैक्षणिक गतिविधियाँ जिनमें हमारे वर्ष वृत्तांत भी शामिल है। मुझे विश्वास है कि हम उनके मार्गदर्शन में आगे भी प्रगति करते रहेंगे। हमारी पत्रिका - वर्ष वृत्तांत शीघ्र ही अनुक्रमित किए जाएंगे। मैं सभी सदस्यों (विशेष रूप से युवा उत्साही) से अनुरोध करता हूं कि वे पत्रिका में लेखों का योगदान दें और हमारी शैक्षणिक शक्ति को समृद्ध करें। मैं हमारे संपादक, डॉ. संजीव मिश्रा और डॉ. कुलदीप सिंह के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा किए गए प्रयासों की हार्दिक सराहना करता हूं।

मैं नैम्स परिषद् के उन सदस्यों की बहुत सराहना करता हूं और उनका आभारी हूं, जिन्होंने समय-समय पर अपने बहुमूल्य सुझावों के साथ निःस्वार्थ भाव से अकादमी का समर्थन किया है। मैं सभी परिषद सदस्यों से नैम्स के निर्णय में अपना सक्रिय समर्थन जारी रखने का अनुरोध करता हूं। यह बहुत महत्वपूर्ण होगा।

अंत में मैं यही कहना चाहूँगा कि कोई भी संगठन तब तक कार्य नहीं कर सकता है जब तक कि उसके पास समर्पित कर्मचारी न हों। कोई भी क्रिकेट टीम कप्तान के अलावा अन्य अच्छे 10 खिलाड़ियों के बिना पूरी नहीं हो सकती। मैं भाग्यशाली हूं कि अकादमी में हमारे पास कर्मचारियों का कड़ा परिश्रम करने वाले सदस्यों का एक समूह है, (कोई व्यक्तिगत नाम नहीं है लेकिन मेरे मजबूत टीम के साथी) जिन्होंने अकादमी को जारी रखा है। मेरे मित्रों, इतनी कुशलता से अकादमी के कार्यकलाप चलाने में आपके योगदान के लिए कोई धन्यवाद पर्याप्त नहीं है।

अगर मैंने थोड़ी अधिक देर तक बात की है, तो यह केवल इसलिए है क्योंकि मैं ईमानदारी से आप सभी के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करना चाहता था, जो मुझे राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष होने का यह बड़ा सम्मान मिला। आज जब मैं अपना कार्यकाल समाप्त कर रहा हूं, मैं जैसे भी परिषद उचित समझे वैसे अकादमी के साथ जुड़ना पसंद करूंगा।

सरोज आपके लिए शुभेच्छाएं।

और अंत में, जो सब मैंने यहां रहकर प्राप्त किया है उसके लिए मैं अकादमी का कृतज्ञ हूँ।

भगवान आप सभी को आशीर्वाद दें और आप में से हर एक को मेरा सादर नमन।

आपका सदैव बहुत धन्यवाद!

अनुबंध- II

पुडुचेरी में दिनांक 27 अक्टूबर, 2018 को आयोजित 58वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. रवि पी. सिंह, महासचिव, भारतीय गुणवत्ता परिषद्, दिल्ली द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

मुझे इस दीक्षांत समारोह के लिए आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। मैं पहली बार पुडुचेरी में इस नैम्स दीक्षांत समारोह के आयोजन के लिए और चिकित्सा देखभाल में इतने सारे कार्यक्रमों और विशिष्टताओं के साथ इस अद्भुत विश्वविद्यालय को देखने का अवसर प्रदान करने के लिए अध्यक्ष डॉ. जोशी और नव निर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देता हूं।

शिक्षाविदों से पेशे को कैसे जोड़ा जाए, हमारे यहाँ आने से पहले इस पर संकायाध्यक्ष के कक्ष में हुई चर्चाओं के बारे में मैं विचार कर रहा था। मैं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का छात्र था, यहाँ तक कि हमारे निर्वाचित अध्यक्ष भी उसी विश्वविद्यालय से है और हम एक ऐसे विश्वविद्यालय से आते हैं जिसे पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने शुरू किया था। हमने देखा है कि एक छोटे से बीज की तरह एक विचार किस तरह से अंकुरित हो सकता है जिसे विश्व में अब आदर और सम्मान के साथ पहचाना जाता है।

हम सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए जैसा कि डॉ. जोशी ने कहा कि शोधकर्ताओं और पीएचडी छात्रों को लिखने की आदत को विकसित करना चाहिए और हम सभी जो यहां सम्मानित हुए हैं, उन्हें भारत में अनुसंधान में योगदान देने और भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। हालाँकि भारत में बहुत से लोग अभी भी अनुसंधान करना चाहते हैं, परंतु भारत में अनुसंधान का पारिस्थितिकी तंत्र बहुत मजबूत नहीं है। अनुसंधान करने वाले चिकित्सा पेशेवरों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए क्योंकि उष्णकटिबंधीय वातावरण में भारतीय चिकित्सा देखभाल की आवश्यकताएँ कई मामलों में दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में बहुत अलग हैं। भारतीय गुणवत्ता परिषद् के महासचिव के रूप में, स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में सुधार करने और बिना किसी भेदभाव केबिना किसी भेदभाव के सभी को सस्ती कीमत पर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मैं इस संवर्धित घर की क्षमता के साथ-साथ नैम्स संगठन का भी लाभ उठाना चाहूंगा।

हाल ही में, हमें एक छोटे से देखभाल संगठन में सत्यापन का काम सौंपा गया था, जिसे सरकारी योजनाओं के तहत रखा गया था। ग्राहक चाहते थे कि हम उस स्थान का लेखापरीक्षण करें और यह सत्यापित करें कि अस्पताल द्वारा देखभाल की लागत वैध थी या अधिक कीमत

ली जा रही थी। तीन डॉक्टरों के एक पैनल को लेखापरीक्षण के लिए भेजा गया, जिसने मुझे अनुभव हुआ कि कुछ स्तर पर शिक्षाविदों को हेल्थकेयर इंडस्ट्री की जमीनी हकीकत को समझने और लागत निर्धारण की कला सीखनी होगी। इसके बाद ही हम उन बीमारियों का हल खोजने की सोच सकते हैं जो हम इस क्षेत्र में देखते हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र में स्वास्थ्य देखभाल संगठनों के केवल 70% ने गुणवत्ता का आश्वासन दिया है और मान्यता की कठोर प्रक्रिया से गुजरे हैं। यह मुख्य रूप से देखभाल के लिए समर्थन के मामले में जनशक्ति के मानदंडों का पालन करने में सक्षम नहीं होने के कारण हुआ है। जब हम सीमाओं के पार नर्सिंग पेशेवरों के लिए बाजार पहुंच के लिए जी से जी वार्ता के लिए कई नर्सिंग कॉलेजों के आसपास गए, तो हम केवल एक योग्य नर्सिंग संस्थान प्राप्त कर सके जो गुणवत्ता के योग्य था। हम मानव संसाधन बनाने में असमर्थ हैं और अभी भी प्रति 1 लाख की आबादी के लिए 627 चिकित्सकों के अभाव के स्तर पर हैं। लेकिन अभी तक पिछले 20 वर्षों में, किसी भी अन्य देश ने स्वास्थ्य सेवा के कई सूचकांकों को इतनी दृढ़ता से नहीं बदला है जैसा कि भारत ने किया है! इससे पता चलता है कि हम स्पष्ट रूप से कुछ सही कर रहे हैं और भविष्य में इसे संरक्षित और संवर्धित करने की आवश्यकता है। हमें हमेशा सर्वश्रेष्ठ का सम्मान करना चाहिए, लेकिन साथ ही साथ हमें चिकित्सा शिक्षा के सामर्थ्य की भी जांच करनी चाहिए। भारत के लिए निजी सेटअप आवश्यक है, और मुझे खुशी है कि उज्ज्वल और प्रतिबद्ध के लिए चिकित्सा शिक्षा को सस्ती बनाने के कुछ प्रयास किए जा रहे हैं।

मुझे हमारे साथ कुछ कार्य करने के लिए इस संगठन की आवश्यकता है। हम दो बहुत ही महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं में व्यस्त हो गए हैं "आयुष्मान भारत" और दूसरा यह है कि आईआरडीए ने हमें अगले एक वर्ष के भीतर 20,000 से अधिक छोटे स्वास्थ्य देखभाल संगठनों को प्रमाणित करने के लिए कहा है। यह तब तक नहीं किया जा सकता है जब तक कि मेरे पास अच्छे, नैतिक और सच्चे लोग नहीं हैं जो छोटे स्वास्थ्य देखभाल संगठन में जाते हैं और प्रमाणन मानकों के अनुपालन पर रिपोर्ट करते हैं। मैं अच्छे इंस्पेक्टर नहीं चाहता, लेकिन अच्छा गुरु चाहता हूं जो एक अच्छे अस्पताल और अस्पतालों की पहचान कर सकें जिन्हें समय के साथ बेहतर बनाया जा सके। "आयुष्मान भारत" में, यदि आपका अस्पताल प्री-एंट्री लेवल के लिए प्रमाणित है, तो यह सरकार द्वारा निर्धारित पैकेज दरों से 10% अधिक प्राप्त करने के लिए योग्य है। पूर्ण मान्यता पर यह विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए सरकार द्वारा तय पैकेज दर से 15% अधिक प्राप्त कर सकता है। एनएबीएच मान्यता के लिए अस्पतालों को प्रेरित करने के लिए यह पर्याप्त प्रोत्साहन है।

अन्य सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सीएमई का संचालन करके गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए क्षमता का निर्माण करना है और हम एनएबीएच में जागरूकता कार्यक्रमों और पीओआई आयोजित करने के लिए समान विचारधारा वाले संगठनों के साथ जुड़ने का लगातार प्रयास करते हैं। हमने जो भी अनुभव या ज्ञान प्राप्त किया है, उसे इस तरह की राष्ट्रीय पहलों के माध्यम से अगली पीढ़ी को हस्तांतरित किया जाना चाहिए।

मैं आभारी रहूंगा, यदि पैनल भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार पर एक योजना लेकर आता है, और डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल इसके बारे में हमारे साथ आगे चर्चा करने और इसे आगे ले जाने में सक्षम होंगे। अगले एक या दो वर्षों में हम दिखा सकते हैं कि हमने यहां क्या किया, इस संगठन के इतिहास में हमारा योगदान और हमारा सहयोग देश में स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए एक चमकदार उदाहरण होगा।

आप सब का बहुत बहुत धन्यवाद और भगवान आपका भला करें !!!

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

शैक्षिक रिपोर्ट

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

01#अप्रैल, 2018 से#31#मार्च, 2019#के दौरान सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई)#कार्यकलापों की रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:

1.	डॉ. देवेन्द्र के. तनेजा	-#	सभापति
2.	डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल	-#	अध्यक्ष
3.	डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन	-#	सदस्य
4.	डॉ. मीरा रजानी	-#	सदस्य
5.	डॉ. अशोक कुमार शर्मा	-#	सदस्य
6.	डॉ. एम. वी. पदमा श्रीवास्तव	-#	सदस्य
7.	डॉ. के. के. शर्मा	-#	सलाहकार, शैक्षणिक कार्यकलाप
8.	डॉ. राजेश्वर दयाल	-#	सदस्य
9.	डॉ. डी. के. गुप्ता	-#	सदस्य
10.	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, एफएएमएस	-#	मानद सचिव

शैक्षणिक समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:

1.	डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन	-#	सभापति
2.	डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल	-#	अध्यक्ष
3.	डॉ. एस. एस. देशमुख	-#	सदस्य
4.	डॉ. कमल बक्शी	-#	सदस्य
5.	डॉ. योगेश चावला	-#	सदस्य
6.	डॉ. मोहन कामेश्वरन	-#	सदस्य
7.	डॉ. वी. के. शुक्ला	-#	सदस्य
8.	डॉ. पी. के. दवे	-#	सदस्य
9.	डॉ. के. के. शर्मा	-#	सलाहकार, शैक्षणिक कार्यकलाप
10.	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव	-#	मानद सचिव

वर्ष 2018-2019#के दौरान, सीएमई कार्यक्रम समिति की एक बैठक 14 अप्रैल, 2019 को आयोजित की गई थी।

समिति समय-समय पर, चर्चा के विषय और प्राप्त सीएमई प्रस्तावों के अनुसार विशेषज्ञ सलाह की आवश्यकता के आधार पर बैठक में भाग लेने के लिए अध्येताओं को सहयोजित करती है।

बाह्यसांस्थानिक#सीएमई#कार्यक्रमः#ये सीएमई#कार्यक्रम अकादमी की सतत#चिकित्सा#शिक्षा# कार्यक्रम# समिति# के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। एनएएमएस# द्वारा# निधिपोषित# बाह्यसांस्थानिक# सीएमई# कार्यक्रमों# की# गुणवत्ता# और# विषयवस्तु# में# सुधार# करने# के# लिए# निधिपोषण#हेतु#प्राप्त#प्रस्तावों#की#सबसे पहले एक विषय#विशेषज्ञ/#जो#एनएएमएस#के#अध्येता#भी#हैं/# द्वारा#तकनीकी#रूप#से#समीक्षा#की#जाती#है।#इस#पद्धति#का#जुलाई/#2004#से#ही#अनुपालन#किया#जा# रहा#है#और#इस#प्रकार#नामोदिष्ट#समीक्षकों#ने#प्रस्तावों#का#मूल्यांकन#किया#है#और#कार्यक्रम#की# विषयवस्तु#में#अगर#कोई खामियाँ हैं तो उनकी#पहचान#की#है।#समीक्षकों#ने#कार्यक्रम#में#समामेलित# किए#जाने#वाले#संशोधनों/आशोधनों#का#भी#सुझाव#दिया#है।#ये#सुझाव#सूचित#किए#जाते#हैं#और#ऐसे# लगभग#सभी#सुझाव#आयोजकों#द्वारा#स्वीकार#किए#गए#हैं और उसके बाद ही सीएमई#प्रस्तावों#को निधिपोषित किया जाता है। अकादमी#के#अध्येताओं#को#बाह्यसांस्थानिक#सीएमई#कार्यक्रमों#में# भाग#लेने#और#उनका#मूल्यांकन#करने#के#लिए#पर्यवेक्षकों#के#रूप#में#नामोदिष्ट#किया#जाता#है।# अकादमी#सीएमई#कार्यक्रमों#में भाग लेने, समीक्षा#करने#और रिपोर्ट देने के#लिए#पर्यवेक्षकों#के#रूप# में#नामित#अध्येताओं#को#यात्रा#भत्ता/दैनिक#भत्ता#और#मानदेय#प्रदान#कर#रही#है।##

देश#में#विभिन्न#चिकित्सा#संस्थानों/व्यावसायिक#निकायों#से#प्राप्त#सीएमई#प्रस्तावों#में#से#अकादमी#ने# वित्तीय#वर्ष#01 अप्रैल/#2018 से#31#मार्च/#2019 के#दौरान#4 बाह्यसांस्थानिक#सीएमई#कार्यक्रमों#के# आयोजन#के#लिए#आंशिक वित्तीय#सहायता#स्वीकृत#की#है।#01#अप्रैल, 2018 से#31#मार्च/#2019#के# दौरान#निधिपोषित#बाह्यसांस्थानिक#सीएमई#कार्यक्रमों#का#ब्यौरा#अनुबंध#0#IV#के#रूप#में#प्रस्तुत#है।

01#अप्रैल, 2018#से 31#मार्च, 2019#के दौरान बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर स्वीकृत कुल व्यय रुपए 4,48,000 #(केवल चार लाख अड़तालीस हजार रुपए)#है।

अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमः#ये संगोष्ठियाँ/ सीएमई कार्यक्रम अकादमी की सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। सीएमई कार्यक्रम समिति समय-समय पर अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम के रूप में निधिपोषण के लिए राष्ट्रीय और शैक्षणिक संगतता के विषयों की पहचान करती है। बाह्यसांस्थानिक#सीएमई#कार्यक्रमों#के समान ही

अकादमी उन अध्येताओं को, जो पर्यवेक्षकों के रूप में सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और रिपोर्ट दाखिल करते हैं, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान करती है।

अकादमी ने वर्ष 2018-2019# के दौरान 2# अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम/ संगोष्ठी का निधिपोषण किया है।

अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित हैः-

1. 26 अक्टूबर, 2018 को महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी में आयोजित "**वर्तमान में भारत में गैर - संक्रमणीय रोगों का उदय**" पर सीएमई कार्यक्रम।

2. 27 नवंबर, 2018 को कमला रहेजा सभागार एवं प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित **"एसडीजी पोषण लक्ष्यों के साथ भारत की कोशिश"** पर नैम्स - एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी

अंत-सांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम आयोजित करने में कुल व्यय 2,20,000# रुपए (केवल नौ लाख अस्सी हजार रुपए) था। ब्यौरे अनुबंध-V में दिए गए हैं।

चित्र 1 वर्ष 2017-18# और 2018-19# के दौरान बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक कार्यक्रमों पर किए गए व्यय का चित्रांकन करता है।

वर्ष 2017-18# और 2018-19# के दौरान सीएमई कार्यक्रमों (बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक दोनों) पर किए गए कुल व्यय का नीचे सचित्र प्रदर्शन किया गया है।

वर्ष 2017-18#और 2018-19#में सीएमई कार्यक्रमों पर कुल व्यय

हजार रूपयों में

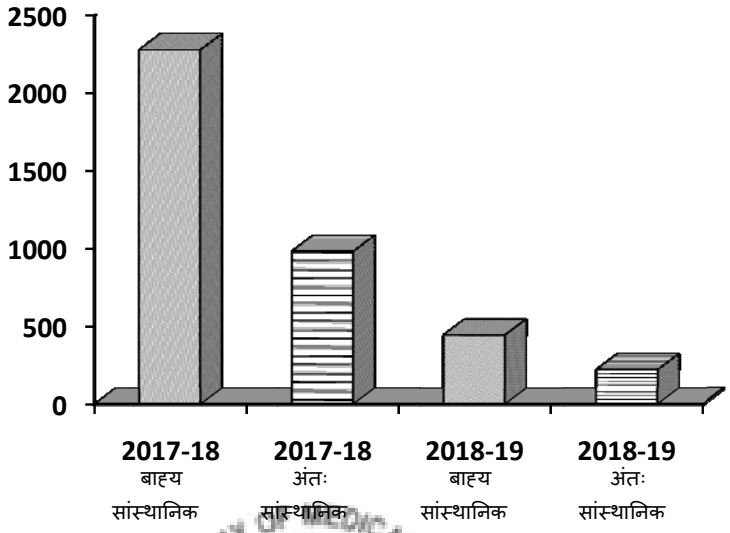

################

चित्र 1.वर्ष 2017-18#और 2018-19#में बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों में किए गए व्यय का तुलनात्मक प्रदर्शन।

राज्य-चैप्टर-वार बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विवरण चित्र 2#में दिया गया है।

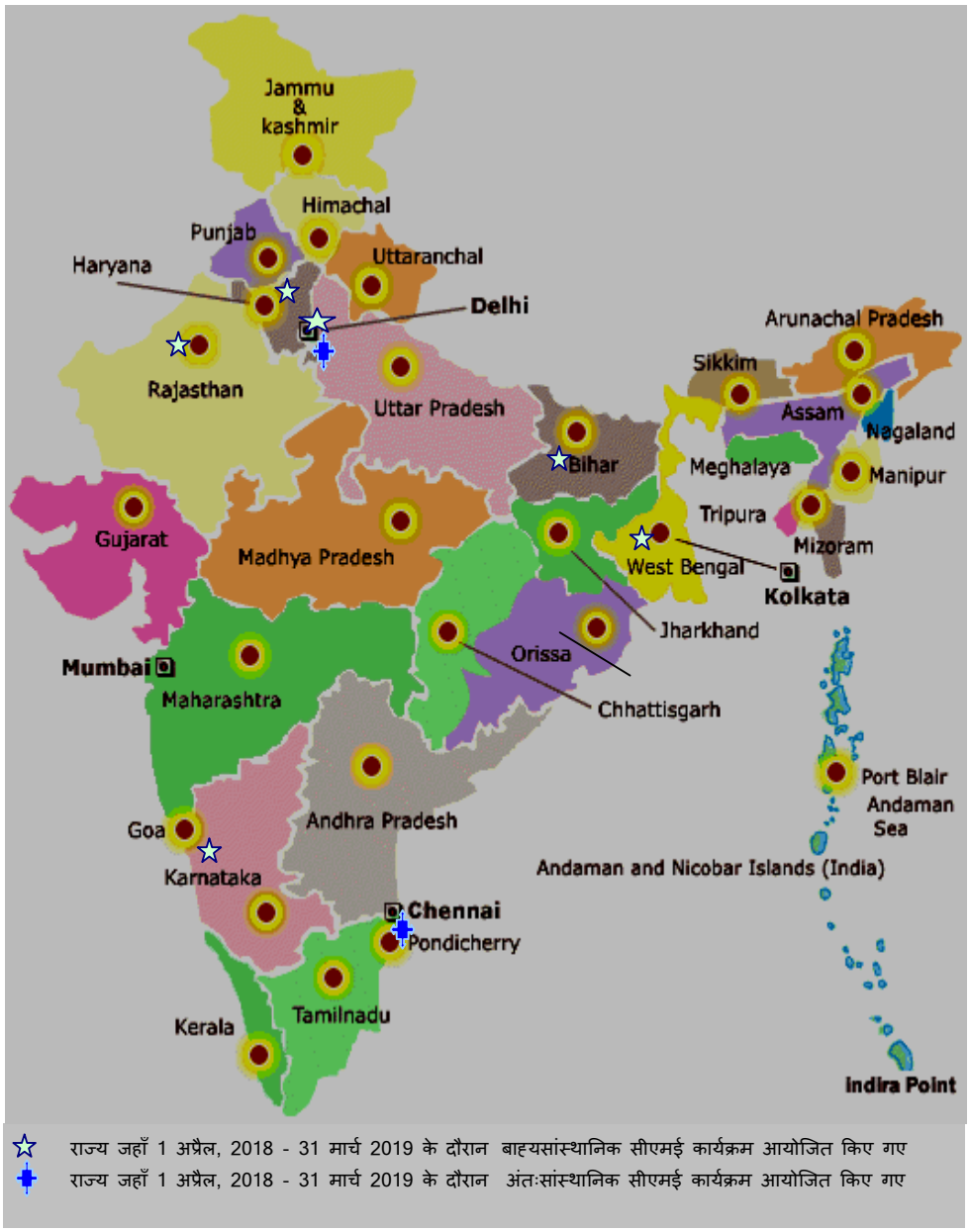

चित्र 2.#राज्य चैप्टर-वार वर्ष 2018-19#में बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का प्रदर्शन

वर्ष 2018-19#के लिए बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार विवरण चित्र 3#में दर्शाया गया है।

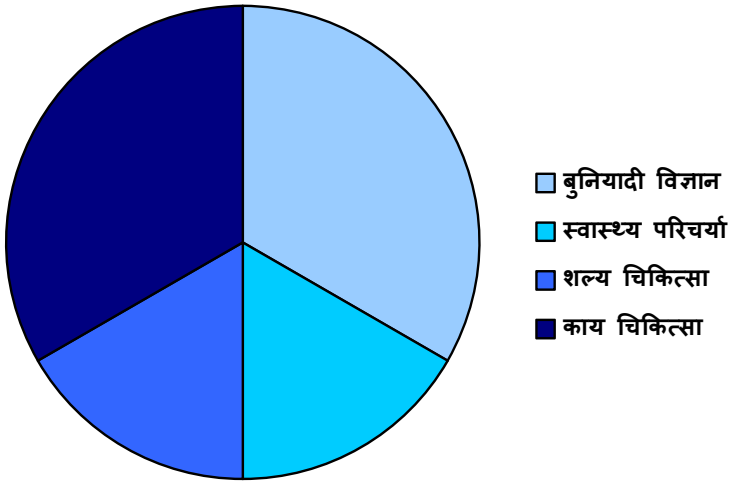

चित्र-3. वर्ष 2018-19 के लिए निक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार वि

पिछले 3#वर्षों, अर्थात् 2016-17#से 2018-19 में स्वीकृत बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का राज्य-वार वितरण

बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का वर्ष 2016 - 2019#में प्रति वर्ष राज्य-वार वितरण नीचे सारणी में दिया गया है

राज्य	2016-17	2017-18	2018-19	वर्ष 2018-19 के दौरान किया गया व्यय (रुपए,#
पश्चिम बंगाल	-	2	1	1,70,000
असम	-	-	-	-
मणिपुर	-	1	-	-
आंध्र प्रदेश#	-	-	-	-
बिहार	1	-	1	1,28,000
चंडीगढ़	3	1	-	-
छत्तीसगढ़	1	-	-	-
दिल्ली	1	1	-	** 1,20,000 अनुदान लेने से मना कर दिया
गुजरात	-	-	-	-
हरियाणा	1	1	-	1,26,000
हिमाचल प्रदेश#	-	-	-	-
जम्मू और कश्मीर#	-	-	-	-
झारखंड	-	-	-	-
कर्नाटक	1	-	1*	85,000 2019-2020 तक स्थगित
महाराष्ट्र	1	2	-	0#
पुडुचेरी	-	3	-	-
राजस्थान	2	-	1	1,50,000

राज्य	2016-17	2017-18	2018-19	वर्ष 2018-19 के दौरान किया गया व्यय (रुपए,#
तमिलनाडु	-	-	-	-
उत्तर प्रदेश#	-	1	1**	0#
जोड़	**11**	**12**	**4**	**4,48,000**

* सीएमई कार्यक्रम आरंभ में 21 से 22 मार्च, 2019 को आयोजित किया जाना था, लेकिन कर्नाटक राज्य में संसदीय चुनाव के लिए आचार संहिता के कार्यान्वयन के कारण इसे 18 - 19 जून, 2019 तक स्थगित करने का अनुरोध किया गया था।

** सीएमई आवेदन डॉ. आर. के. गोयल, एफएएमएस, दिल्ली भेषज गुण विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, दिल्ली के कुलपति से प्राप्त किया गया था, परंतु भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया गया।

राज्य चैप्टर के अधीन सीएमई कार्यक्रमों के अंतर्गत समर्थित गोष्ठियों, संगोष्ठियों, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, और कार्यशालाओं का विवरण नीचे अनुबंध-III में दिया गया है।

अनुबंध-III

एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

अकादमी की वैज्ञानिक गतिविधियों में उसके राज्य चैप्टरों की शैक्षणिक गतिविधियां शामिल होती हैं। वित्तीय वर्ष 2018-19#के लिए सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट नीचे दी गई हैः

उत्तर प्रदेश

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (गाजियाबाद में) आयोजित किया है।

बिहार

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बिहार चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (पटना में) आयोजित किया है।

राजस्थान

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान राजस्थान चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (जयपुर में) आयोजित किया है।

पश्चिम बंगाल

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पश्चिम बंगाल चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (कोलकाता में) आयोजित किए हैं।

दिनांक 01.04.2018 से 31.03.2019 तक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. **8 अक्टूबर, 2018 को भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद - 201002 में आयोजित "भारत के भेषजसहसतर्कता कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियां: चिकित्सा और चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. रमेश के. गोयल, एफएएमएस कुलपति, दिल्ली औषधि विज्ञान एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय, पुष्प विहार, सेक्टर III, एमबी मार्ग, नई दिल्ली - 110017।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

1. अंतर्राष्ट्रीय औषधि सुरक्षा निगरानी की आवश्यकता को पहचानना और नियामक आवश्यकता को समझना।
2. दिन-प्रतिदिन की चिकित्सा पद्धति में प्रयोग की जाने वाली भेषजसहसतर्कता के शब्दों की मूल परिभाषा, काम के दायरे और उद्देश्य को समझना।
3. प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग और भेषजसहसतर्कता व्यवस्था में चिकित्सकों और औषध विज्ञानी की भूमिका समझना।
4. भेषजसहसतर्कता में बुनियादी अवधारणाओं को समझना और रोगी सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों के भेषजसहसतर्कता कौशल बढ़ाने के लिए व्यावहारिक अनुभव।
5. औषधि उपचार के दौरान जोखिम प्रबंधन और इष्टतम जोखिम न्यूनीकरण विधियों के बारे में जागरूकता प्रदर्शित करना।
6. औषधि सुरक्षा और भेषजसहसतर्कता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण की स्पष्ट समझ और ठोस ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही सफल स्थानीय और वैश्विक नियामक अनुप्रयोगों के लिए सर्वोत्तम अभ्यास।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कुल मिलाकर पचास (50) प्रतिभागी पंजीकृत थे। वैज्ञानिक कार्यक्रम में 8 शिक्षाप्रद व्याख्यान / विचार-विमर्श शामिल थे, जिनके विशेषज्ञ संकाय में भारत के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी. एन. सिंह भी सम्मिलित थे, उसके बाद दो पैनल चर्चाएं / मामला अध्ययन के हल के सत्र भी हुए। सभी वैज्ञानिक सत्रों के दौरान लगभग सभी प्रतिभागी उपस्थित रहे और सक्रिय रूप से भाग लिया जैसा कि पूछे गए प्रश्नों और मांगे गए स्पष्टीकरणों से विदित होता है। वैज्ञानिक कार्यक्रम का परिवेश प्रतिभागियों के लिए बहुत अधिक शैक्षणिक और उत्साहजनक था। अंत में, सभी प्रतिभागियों को भारतीय फार्माकोपिया आयोग में राष्ट्रीय भेषजसहसतर्कता केंद्र द्वारा की गई गतिविधियों से अवगत करवाया गया और वे कैसे भेषजसहसतर्कता और औषधि सुरक्षा डेटा के अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन अंतर्राष्ट्रीय भेषजसहसतर्कता केंद्र: उप्साला (औषधि सुरक्षा) निगरानी केंद्र, स्वीडन से जुड़े रहे।

2. 23 नवंबर, 2018 को इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में आयोजित "स्नातक - पूर्व चिकित्सा छात्रों के औषध निर्देशन कौशल प्रशिक्षण के लिए शिक्षण मॉड्यूल का विकास" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. हरिहर दीक्षित, आयोजन सचिव, इप्सकॉन - 2018, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, शेखपुरा, पटना - 800014।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

1. चिकित्सा पद्धति में औषध निर्देशन के महत्व को फिर से स्थापित करना।
2. सुरक्षित और पेशेवर रूप से औषध निर्देशन की आवश्यकता और प्रासंगिकता को समझना।
3. औषध निर्देशन को एक कौशल के रूप में स्वीकार करना जिसे प्रशिक्षित और सीखा जा सकता है।
4. औषध निर्देशन के कार्य में शामिल महत्वपूर्ण चरणों से अवगत करवाना।
5. स्नातक पूर्व चिकित्सा छात्रों के लिए कौशल प्रशिक्षण सत्रों की योजना बनाना।
6. सत्रों को प्रभावी ढंग से आयोजित करना और सीखने का मूल्यांकन करना।

7. स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस)#की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

वर्तमान संगोष्ठी-सह-कार्यशाला का आयोजन एमसीआई द्वारा परिकल्पित भेषजगुण विज्ञान में नए स्नातकोत्तर भेषजगुण विज्ञान पाठ्यक्रम से शिक्षण संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों को अवगत करवाने के लिए और शिक्षकों को तैयार करने के लिए किया गया था ताकि स्नातकोत्तर छात्रों को भेषजगुण विज्ञान पढ़ाए जाने की विधि में परिवर्तन लाया जा सके जिससे छात्र निदान और पहचाने गए रोगों / स्वास्थ्य विकारों के अनुसार एक सक्षम प्रिस्क्राइबर बनें और एक कुशल प्रिस्क्राइबर होने के लिए चिकित्सक द्वारा आवश्यक अन्य आवश्यक बातों को समझें और रोगी को दी जाने वाली उसकी फार्माकोथेरेपी के कुशल मूल्यांकनकर्ता बन सकें।

संगोष्ठी की गतिविधि को पूर्ण करने में लगभग 10 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। 3 कार्यशाला सत्रों (i) प्रशिक्षण सत्रों का मूल्यांकन, (ii) केस-आधारित अध्ययन / अध्ययन अभ्यास पर चर्चा और (iii) व्यक्तिगत समूह गतिविधि - समस्या- आधारित अधिगम मॉड्यूल की प्रस्तुतियों के बाद समूह गतिविधि के बीच अलग-अलग विषयों पर प्रत्येक से संबंधित 30 मिनट के 5 इंटरैक्टिव शिक्षाप्रद व्याख्यान थे। कार्यशाला के विषय चुनौतीपूर्ण होने के कारण प्रतिभागी उत्साहित थे और उन्हें स्नातक पूर्व चिकित्सा (एमबीबीएस) के छात्रों के शिक्षण-अधिगम गतिविधियों में परिवर्तन लाने के लिए बहुत अधिक कल्पना और दृष्टि की आवश्यकता थी, जो भविष्य में शिक्षण मॉड्यूल के क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर दोनों का समेकन करता है; इसके अतिरिक्त, यह कैसे लागू होने जा रहा है और इससे शिक्षकों के लिए क्या कठिनाईयां/ चुनौतियां हैं।

समग्र वातावरण बहुत ही शैक्षणिक था और अत्याधुनिक मल्टी मीडिया प्रोजेक्शन और इंटरैक्शन सुविधाओं द्वारा सहायता प्राप्त था।

3. 8-9 दिसंबर, 2018 को एसएमएस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, जयपुर में में आयोजित "स्त्रीरोग ब्रैकीथेरेपी प्रक्रियाओं पर विशेष बल देते हुए ब्रैकीथेरेपी" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. मैरी जोन, सहायक आचार्य, विकिरण विज्ञान भौतिकी विभाग, एसएमएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जयपुर - 302004।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

ब्रैकीथेरेपी विकिरण चिकित्सा का एक रूप है जिसमें रेडियोधर्मी स्रोत अंदर से ट्यूमर को विकिरणित करता है और स्थानीयकृत औषधि मात्रा देता है और उच्च क्षमता औषधि मात्रा बंद हो जाती है। कई लाभ होने के बावजूद, ब्रैकीथेरेपी को संभवतः निम्नलिखित कारणों से इसकी पूरी क्षमता तक नियोजित नहीं किया गया है जोकि वर्तमान सीएमई के उद्देश्यों के रूप में बताए गए हैं।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

1. उन मामलों के बारे में कोई सुनहरा नियम नहीं है जहां ब्रैकीथेरेपी का उपयोग किया जाना है और यह पूरी तरह से अर्बुदविज्ञानी के विवेक पर निर्भर है, इसलिए उचित ज्ञान और कौशल विकास अत्यधिक महत्वपूर्ण है।
2. ऐप्लिकेटर को लगाने के लिए अच्छे शल्यचिकित्सीय कौशल की आवश्यकता होती है।
3. ब्रैकीथेरेपी विशेषज्ञ सभी केंद्रों पर मौजूद नहीं हैं।
4. ब्रैकीथेरेपी के लिए एप्लीकेटर के निर्माण और उपयोग के संदर्भ में नवाचार की आवश्यकता होती है जो केवल उचित प्रशिक्षण और अनुभव के साथ आता है और इसलिए आमतौर पर इसे प्रयोग नहीं किया जाता है।

पर्यवेक्षक (डॉ. अशोक कुमार शर्मा, एफएएमएस)की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कार्यशाला में अच्छी तरह से भाग लिया गया था। सक्रिय बातचीत और चर्चाएं थीं। कार्यशाला के पूर्व और बाद की प्रश्नावली के परिणाम में न्यूनतम 15-20% सुधार दिखाई देता है।

सीएमई चर्चाओं ने व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने और कौशल विकसित करने और सुधार करने के लिए स्त्रीरोगों के कैंसर में ब्रैकीथेरेपी के औचित्य के बारे में स्पष्टता प्रदान की थीं।

कार्यशाला ने स्त्रीरोग कैंसर की बुनियादी और उन्नत ब्रैकीथेरेपी प्रक्रियाओं की सभी जानकारी प्रदान की, प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया और उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन शुरू करने का विश्वास दिलाया।

4. 21 और 22 फरवरी, 2019 को भेषजगुण विज्ञान विभाग, बर्दवान मेडिकल महाविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल में आयोजित "पारगम्यी चिकित्सा एवं उभरती चिकित्सा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. संदीप मुखोपाध्याय, आयोजन सचिव, ट्रांसमेड - 2019, भेषजगुण विज्ञान विभाग, बर्दवान मेडिकल कॉलेज, बर्दवान, पश्चिम बंगाल।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

1. अनुसंधान प्रस्ताव (ज्ञान) को विकसित करने में सम्मिलित चरणों की गणना करना।
2. बूलियन ऑपरेटरों और मेश पूर्ण रूप (ज्ञान) की गणना करना।
3. नैदानिक अनुसंधान (ज्ञान) के प्रकारों की गणना करना।
4. नमूनाकरण और यादृच्छिककरण (ज्ञान) की विधियों की गणना और चर्चा करना।
5. सूचित सहमति दस्तावेज (ज्ञान) के आवश्यक घटकों की गणना करना।
6. सूचित सहमति दस्तावेज (कौशल) विकसित करने में सक्षम होना।
7. एक मॉडल नैदानिक अनुसंधान प्रोटोकॉल (कौशल) विकसित करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा , एफएएमएस)#की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई कार्यक्रम में दो दिन की शैक्षणिक गतिविधि सम्मिलित थी -

दिन 1 (21 फरवरी, 2019): नैदानिक अनुसंधान पर 9 घंटे की अवधि की कार्यशाला

दिन 2 (22 फरवरी 2019): पारगम्यी चिकित्सा एवं उभरती चिकित्सा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी - 9.5 घंटे की अवधि

(i) दिवस 1 / (21/02/2019) के लिए नैदानिक अनुसंधान पर कार्यशाला में पच्चीस प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था। विभिन्न स्तर के प्रतिभागियों में स्नातकोत्तर छात्रों से लेकर सहायक आचार्य/ सह आचार्य स्तर तक के संकाय सदस्य सम्मिलित थे। लगभग सभी प्रतिभागी सभी सत्रों के दौरान उपस्थित रहे। कार्यशाला कार्यक्रम में 9.5 घंटे के सत्र सम्मिलित थे, प्रत्येक सत्र एक व्याख्यान पृष्ठभूमि के बाद समूह गतिविधि के साथ आरंभ हुआ। सभी प्रतिभागियों ने बहुत उत्साह से और उत्सुकता से चर्चा और समूह / प्रायोगिक गतिविधियों में भाग लिया।

(ii) दिवस 2 / (22/02/2019) को 100 से अधिक प्रतिभागियों (कार्यशाला के लिए पंजीकृत एक सहित) को "पारगम्यी चिकित्सा एवं उभरती चिकित्सा" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए पंजीकृत किया गया था। संगोष्ठी का आयोजन शिक्षाप्रद व्याख्यान के रूप में किया गया था, जिसके बाद प्रत्येक में सभी इंटरैक्टिव एवं प्रश्न और उत्तर सत्र थे। सभी विषय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से संबंधित थे जैसा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में परिकल्पित किया गया था, जिसमें डायसिप्लिडिमिया, उच्च रक्तचाप, सीओपीडी, कैंसर, थायरॉयड विकार, माइग्रेन, टीबी और एचआईवी सह-संक्रमण, हड्डी के स्वास्थ्य, वैयक्तिकृत चिकित्सा, स्टेम-सेल चिकित्सा विज्ञान, खेल भेषजगुण विज्ञान और डिजिटल स्वास्थ्य में नवाचार के उपचार के लिए चिकित्सीय तौर-तरीकों और भविष्य के निर्देशों पर चर्चा की गई थी। सभी सत्र इंटरैक्टिव थे और संकाय और दर्शक दोनों प्रशिक्षण-शिक्षण गतिविधियों के बारे में गंभीर थे। समग्र वातावरण बहुत अधिक शैक्षणिक था जिसने मुक्त चर्चा और प्रतिक्रिया को प्रोत्साहित किया।

दिनांक **01.04.2018**# से **31.03.2019**# तक बाह्यसांस्थानिक
सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के तहत अनुदान दर्शाती विवरणी

क्र.सं.	**विषय**	**स्वीकृत राशि**# (**रुपए**,#
1.	"भारत के भेषजसहसतर्कता कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियां: चिकित्सा और चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना" पर सीएमई कार्यक्रम गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश): 8 अक्टूबर, 2018	1,20,000/-# अनुदान स्वीकार करने से मना कर दिया।#
2.	"स्नातक - पूर्व चिकित्सा छात्रों के औषध निर्देशन कौशल प्रशिक्षण के लिए शिक्षण मॉड्यूल का विकास" पर सीएमई कार्यक्रम। पटना: 23 नवंबर, 2018	1,28,000/-##
3.	"स्त्रीरोग ब्रैकीथेरेपी प्रक्रियाओं पर विशेष बल देते हुए ब्रैकीथेरेपी" पर सीएमई कार्यक्रम। जयपुरः 8-9 दिसंबर, 2018	1,50,000/-#
4.	"पारगम्यी चिकित्सा एवं उभरती चिकित्सा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम पश्चिम बंगालः 21 और 22 फरवरी, 2019	1,70,000/-##

शैक्षणिक समिति एवं शैक्षणिक परिषद् की रिपोर्ट

शैक्षणिक समिति और शैक्षणिक परिषद की बैठक 15 जून, 2019 को आयोजित की गई थी। सदस्यों को सूचित किया गया था कि वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान पुद्दुचेरी और दिल्ली में दो अंतःसांस्थानिक सीएमई आयोजित की गई थीं और "नैम्स सभागार में आयोजित कौशल विकास और चिकित्सा शिक्षा के लिए नैम्स अंतःसांस्थानिक सीएमई "के अंतर्गत दो सीएमई कार्यक्रम श्रीमती कमला रहेजा सभागार और प्रो. जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र में आयोजित किए गए थे। सभी कार्यक्रम बहुत सफल थे और उनकी प्रतिभागियों द्वारा सराहना की गई।

बैठक की सिफारिशें निम्नानुसार हैं:

- **शैक्षणिक समिति के अध्यक्ष और सचिव का चुनाव**

  समिति ने डॉ. प्रेमा रामचंद्रन को समिति की अध्यक्षा और डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव को समिति के सचिव के रूप में चुना।

  डॉ. प्रेमा रामचंद्रन ने कहा कि डॉ. गोपालन द्वारा यह अनुभव किया गया है कि नैम्स - एनएफआई के सहयोग द्वारा आयोजित संगोष्ठी ने दोनों संस्थानों को लाभान्वित किया है और इसलिए यह इच्छा है कि नैम्स -एनएफआई संगोष्ठी को नियमित गतिविधि के रूप में जारी रखा जा सकता है।

  डॉ. एस. एस देशमुख ने .अपने द्वारा रची और संकलित की गई अपनी पुस्तक नामित “एक अच्छे डॉक्टर की खोज में” की एक प्रति नैम्स के अध्यक्ष को प्रस्तुत की तथा इसे नैम्स के पुस्तकालय में रखे जाने का अनुरोध किया।

  शैक्षणिक समिति ने डॉ. बजाज पर एक पुस्तक के विचार के बारे में चर्चा की जिसमें उन व्यक्तियों द्वारा लिखे गए लेख होंगे जिन्होंने डॉ. बजाज के साथ लंबे समय तक काम किया है।

- हिमाचल प्रदेश राज्य में सीएमई कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह भी प्रस्तावित किया गया था कि इसके बारे में नैम्स संयोजकों के साथ शीघ्र से शीघ्र एक बैठक आयोजित की जा सकती है।

- नैम्स उत्तर पूर्वी क्षेत्र को सीएमई कार्यक्रम आयोजित करने और मेडिकल कॉलेजों में नेटवर्क बनाने में सहायता करना प्रारंभ कर सकता है। यदि इस वर्ष इस तरह की गतिविधियां भली प्रकार से आगे बढ़ती हैं, तो शिलांग में नैम्सकॉन - 2020 का आयोजन किया जा सकता है। डॉ. प्रेमा रामचंद्रन ने अनुभव किया कि उन्हें सीएमई प्रस्तावों को लिखने और सीएमई आयोजित करने में सहायता की आवश्यकता हो सकती है। डॉ. कामेश्वरन ने पूर्व में सीएमई प्रस्ताव तैयार करने और बैठक के आयोजन दोनों में उत्तर पूर्वी इंदिरा गाँधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान आंचलिक संस्थान की सहायता की थी; उन्होंने कहा कि वे इस वर्ष भी यह जिम्मेदारी लेकर प्रसन्न होंगे।
- **श्रीमती कमला रहेजा सभागार और प्रो. जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र में कौशल विकास एवं चिकित्सा शिक्षा पर नैम्स अंतःसांस्थानिक सीएमई**
- सदस्यों को अवगत कराया गया था कि वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान कौशल विकास के अंतर्गत दो (2) सीएमई कार्यक्रम श्रीमती कमला रहेजा सभागार और प्रो. जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र में आयोजित किए गए थे। दोनों कार्यक्रमों की प्रतिभागियों ने बहुत सराहना की।
- डॉ. एस. एस. देशमुख ने सुझाव दिया कि नैम्स भारतीय बाल रोग संघ और जन स्वास्थ्य आदि जैसे पेशेवर संघों के साथ सहयोग / सहभागिता में सीएमई कार्यक्रमों के आयोजन की संभावना की खोज कर सकता है।
- सदस्यों ने बाल समस्याओं का प्रारंभ में पता लगाने के लिए विद्यालय के शिक्षकों, माता-पिता और परा - चिकित्सीय कर्मचारियों को ज्ञान प्रदान करने की विधियों का पता लगाने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की। नैम्स पहले से ही अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम, बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह अनुशंसा की गई थी कि "विशेष आवश्यकताओं वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य पहल" विषय के अंतर्गत गतिविधियों का एक नया सेट शुरू किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के तहत कम से कम एक कार्यक्रम मुंबई, चेन्नई और दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। यह सुझाव दिया गया था कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय से एक नोडल अधिकारी की पहचान की जा सकती है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा सकता है कि मंत्रालय के सहयोग से इन कार्यक्रमों को कैसे विकसित किया जा सकता है। डॉ. देशमुख ने कहा कि वह सितंबर, 2019 के अंत में एक कार्यक्रम का आयोजन करेंगी और अकादमी को सूचित करेंगी; डॉ. मोहन कामेश्वरन

ने कहा कि वह इस कार्यक्रम के लिए चेन्नई में टेली-लिंकेज आयोजित करने का प्रयास करेंगे। नैम्स का प्रयत्न होगा कि दिल्ली में टेली-लिंकेज हो। डॉ. कामेश्वरन चेन्नई में कार्यक्रम के लिए विषय भी तलाशेंगे।

- विस्तारपूर्वक विचार - विमर्श के बाद नैम्सकॉन-2019 में सीएमई के लिए अनुमोदित विषय "रोगाणुरोधी प्रतिरोध" था और वैज्ञानिक संगोष्ठी का विषय "आणविक जीवविज्ञान: चिकित्सा पर प्रभाव" था। निम्नलिखित विषयों पर चर्चा करने के लिए चार वक्ताओं के साथ संगोष्ठी 2 घंटे की अवधि के लिए होगी:

  1. वर्तमान के आणविक जीवविज्ञान का अवलोकन
  2. निदानिकी की भूमिका
  3. पारंपरिक चिकित्सा विज्ञान में आणविक जीवविज्ञान की भूमिका
  4. भविष्य के परिप्रेक्ष्य

  शैक्षणिक समिति ने अधिकृत किया

- डॉ. पी. के. दवे से अनुरोध किया गया था कि वे एम्स, भोपाल में जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार स्वीकार करें क्योंकि वे पुद्दुचेरी में इसे स्वीकार नहीं कर पाए थे। समिति ने चर्चा के बाद डॉ. एस. एस. देशमुख द्वारा प्रस्तावित और डॉ. पी. के. दवे द्वारा अनुमोदित किए गए डॉ. मुकुंद एस. जोशी को जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया। इसे समिति द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया था।
- समिति अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व में नैम्स जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञा डॉ. एस. पद्मावती 20 जून 2019 को अपना सौवां जन्मदिवस मनाएंगी। यह निर्णय लिया गया था कि अकादमी के लिए उनके योगदान की सराहना करते हुए और उसके स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करते हुए नैम्स द्वारा उन्हें एक उपयुक्त पत्र भेजने पर विचार किया जा सकता है।
- सचिव ने समिति का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि गत 3 वर्षों से हमने नैम्स - पीजीआईएमईआर संगोष्ठी के अंतर्गत किसी भी सीएमई कार्यक्रम की योजना नहीं बनाई / आयोजित नहीं की है। यह सिफारिश की गई थी कि पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के निदेशक को एक पत्र भेजा जा सकता है जो उन्हें नैम्स-पीजीआईएमईआर के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के बारे में सूचित करे जिसके अंतर्गत पीजीआईएमईआर में हर वर्ष एक सीएमई आयोजित की जाती है और वर्ष के लिए सीएमई पर उनके विचार

प्राप्त करे। इस संबंध में यदि सकारात्मक उत्तर प्राप्त होता है जिसमें पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ ने नैम्स के साथ संबंध रखने में अपनी रुचि दिखाई तो यह शैक्षणिक गतिविधि जारी रखी जा सकती है। यदि वे इस प्रकार की सीएमई गतिविधियों को जारी रखने में रुचि नहीं रखते हैं तो इसे बंद किया जा सकता है।

- नैम्स यह पता लगा सकता है कि क्या उत्तर पूर्वी इंदिरा गाँधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान आंचलिक संस्थान, शिलांग जैसे कुछ अन्य संगठन इस तरह की एक संगोष्ठी का आयोजन करना चाहेंगे अथवा क्या वे भिन्न-भिन्न उत्तर पूर्वी राज्यों में हर वर्ष क्षेत्रीय हित के विषयों पर इस प्रकार की संगोष्ठी का समन्वय कर सकते हैं जो संगोष्ठी नैम्स के सहयोग से की जाए।
- सचिव ने बताया कि जनवरी 2019 से नैम्स के वर्ष - वृतांतों के प्रकाशन को आउटसोर्स कर दिया गया है और इस संबंध में नैम्स और थिएम के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने सदस्यों को समझौता ज्ञापन के नियमों और शर्तों, प्रक्रिया और लागत के बारे में जानकारी दी। चूंकि प्रकाशन थिएम द्वारा किया जा रहा है तो मुख पृष्ठ एवं अन्य सामग्री को और समझौता ज्ञापन / दिशानिर्देशों और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार परिवर्तित / संशोधित किया जाना है। सचिव ने बताया कि अब से लेख ऑनलाइन जमा किए जाएंगे। ऑनलाइन लेख प्रस्तुत करने के लिए एक विशिष्ट प्रारूप का पालन करना होगा। सबसे पहले, लेख की समीक्षा थिएम द्वारा की जाएगी और फिर इसे समीक्षा के लिए नैम्स समीक्षक को भेजा जाएगा। साहित्यिक चोरी के लिए जाँच करने के लिए एक सॉफ्टवेयर सुविधा उपलब्ध है। यदि पर्याप्त साहित्यिक चोरी पाई जाती है तो लेख को अस्वीकार कर दिया जाएगा। थिएम के माध्यम से वर्ष - वृतांतों को प्रकाशित करने से वर्ष - वृतांतों को अनुक्रमित करने के लिए समय अंतराल कम किया जा सकता है। नैम्स का जोधपुर केंद्र जोधपुर से वर्ष - वृतांतों को भेजना जारी रखेगा। वर्ष - वृतांतों में नैतिक शैक्षणिक विज्ञापन (मुख्य रूप से पुस्तकों, पत्रिकाओं, आदि के संबंध में और दवाओं, उपकरणों आदि के बारे में नहीं) होने का प्रस्ताव था। सदस्यों ने इन प्रयासों की सराहना की और अनुभव किया कि ये परिवर्तन अच्छी संख्या में गुणवत्ता लेखों के प्रकाशन में सुधार ला सकते हैं और वर्ष - वृतांतों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता पाने में तीव्रता ला सकते हैं।
- सचिव ने कहा कि आमतौर पर संपादकीय बोर्ड का गठन तीन वर्षों के लिए किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय अनुक्रमण के लिए पत्रिका के लिए कम से कम एक या दो अंतरराष्ट्रीय

संपादकों का होना आवश्यक है। डॉ. एम. एस. बोपाराय वहां अंतरराष्ट्रीय संपादक के रूप में हैं। डॉ. प्रेमा ने कहा कि वह डॉ. सौम्या स्वामीनाथन को लिखेंगी और यह पता लगाएंगी कि क्या वे अंतर्राष्ट्रीय संपादक होने का उत्तरदायित्व स्वीकार करने के लिए तैयार होंगी। यदि डॉ. स्वामीनाथन ने मना कर दिया तो नैम्स द्वारा विदेशों में बसे नैम्स के अध्येताओं में से अंतर्राष्ट्रीय संपादक बनने की संभावनाएं खोजी जा सकती हैं।

- सचिव ने कहा कि मैसर्स थिएम 2019 का पहला अंक शीघ्र ही प्रकाशित करेगा; दूसरा और तीसरा अंक भोपाल के एम्स में नैम्सकॉन 2019 में जारी किए जाएंगे। मैसर्स थिएम ने भोपाल के एम्स में अपना स्टॉल लगाने का प्रस्ताव दिया है। स्टालों पर होने वाले व्यय को उनके द्वारा वहन किया जाएगा।
- सचिव ने प्रस्तावित किया कि नैम्स वर्ष वृतांतों के नए प्रकाशित 2019 के अंकों के लिए डॉ. हर्षवर्धन को नैम्स में आमंत्रित किया जा सकता है। यदि उन्हें समय नहीं मिल पाता है, तो वर्ष वृतांत एम्स भोपाल के अध्यक्ष द्वारा नैम्सकॉन 2019 में जारी किया जा सकता है। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। सचिव से इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया गया।

चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के अधीन स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास के क्षेत्र में अकादमी द्वारा संवर्धित कार्यकलापों में से एक है-कनिष्ठ स्तरों और मध्यम स्तरों पर "चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान"।

अकादमी कनिष्ठ और मध्यम स्तर के विशेषज्ञों/वैज्ञानिकों को सुस्थापित उत्कृष्टता केंद्र पर जाने के लिए और नए कौशल प्राप्त करने के लिए निधि उपलब्ध कराता है। इस योजना के अंतर्गत चयनित नामिती यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति (वास्तविक द्वितीय श्रेणी एसी टू-टियर रेल किराया तक सीमित)#और 5000/-#रूपए की अधिकतम सीमा के अधीन प्रशिक्षण अवधि के दौरान 300/-#रूपए प्रतिदिन की दर पर दैनिक भत्ता के पात्र हैं।

वर्ष 2018-19 तक दो सौ दो (202)#चिकित्सा वैज्ञानिकों/ शिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है और नैम्स से अनुदान सहायता प्राप्त कर उन्होंने अपना प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।

01.04.2018 से 31.03.2019 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. 26 अक्टूबर, 2018 को महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी में आयोजित **"वर्तमान में भारत में गैर-संक्रमणीय रोगों का उदय"** पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

संचालन अधिकारी: प्रो. डॉ. पी. कार्तिकेयन, आयोजन सचिव, नैम्सकॉन - 2018, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी।

संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्यः

संगोष्ठी के उद्देश्य थेः

1. स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देकर पुराने गैर संक्रमणीय रोगों के कारण रोग के बोझ को कम करना, सामान्य जोखिम कारकों की व्यापकता को कम करना और सबसे अधिक लागत प्रभावी तरीके से गैर संक्रमणीय रोगों के निदान वाले रोगियों के लिए एकीकृत साक्ष्य आधारित उपचार विकल्प प्रदान करना।
2. गैर संक्रमणीय रोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता के स्तर में सुधार करना।
3. राष्ट्रीय स्तर पर गैर संक्रमणीय रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए निर्धारित प्राथमिकता को बढ़ाना।
4. गैर संक्रमणीय रोगों की रोकथाम और नियंत्रण को संबोधित करने वाली प्रणाली को सुदृढ़ और उन्मुख बनाना।
5. गैर संक्रमणीय रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान और विकास के लिए राष्ट्रीय क्षमता को बढ़ावा देना और समर्थन करना।
6. शोर-प्रेरित बहरापन और इसे दूर करने के लिए निवारक उपायों के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।
7. गैर संक्रमणीय रोगों के जोखिम कारकों के रूप में कुपोषण और पोषण आधिक्य की भूमिका को समझना।

पर्यवेक्षक (डॉ. सी. आदितन)#की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई अच्छी तरह से संरचित था और कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया था। श्रव्य - दृश्य उपकरण सुविधा और स्थल बहुत अच्छा था। सभी वक्ता अपने विषय में दक्ष और विशेषज्ञ थे। उनकी प्रस्तुतियां अच्छी थीं और उन्होंने अपने ज्ञान को दर्शकों के साथ साझा किया। प्रतिभागी बहुत उत्साहित थे और उन्हें वक्ताओं के साथ बातचीत करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। सीएमई कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा किया गया था और किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं पाई गई थी। प्रतिभागियों को अधिगम संसाधन सामग्री एक सीडी के रूप में प्रदान की गई थी। पंजीकृत प्रतिभागियों की कुल संख्या 150 थी जिनमें से 100 से 120 सदस्य उपस्थित थे। व्याख्यान अधिकतर शैक्षिक उन्मुख और इंटरैक्टिव थे। प्रस्तुति अच्छी गुणवत्ता की थी और श्रव्य - दृश्य टीम द्वारा भली प्रकार से प्रबंधित की गई थी। उपलब्ध कराई गई जानकारी साक्ष्य आधारित थी। सीएमई कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता वाला था और प्रतिभागियों के लिए अत्यधिक लाभदायक था।

2. 27 नवंबर, 2018 को श्रीमती कमला रहेजा सभागार एवं प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित **"एसडीजी पोषण लक्ष्यों के साथ भारत की कोशिश"** पर सीएमई कार्यक्रम।

संचालन अधिकारीः डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, निदेशक, भारतीय पोषण फाउंडेशन, नई दिल्ली।

सीएमई के उद्देश्य प्रतिभागियों को इस बारे में परिचित करना था:

1. 1990-2015 की अवधि में भारतीयों के स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति में बदलाव।
2. एमडीजी के पोषण लक्ष्यों के संदर्भ में भारत की उपलब्धि।
3. भारत की राष्ट्रीय पोषण रणनीति
4. 2025 और 2030 के लिए पोषण लक्ष्य।
5. एसडीजी के तहत एनसीडी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संबल के रूप में पोषण।
6. लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रस्तावित हस्तक्षेप कार्यक्रम।
7. इन लक्ष्यों की दिशा में प्रगति की निगरानी करना।

पर्यवेक्षक (**डॉ. रवींद्र मोहन पांडे**, **एफएएमएस**)#**की रिपोर्ट की विशिष्टताएं**:

सीएमई कार्यक्रम का उल्लिखित उद्देश्य एसडीजी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर चर्चा करना था, पोषण और खाद्य प्रणालियों के माध्यम से एसडीजी लक्ष्य कैसे प्राप्त करें, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में युवा शोधकर्ताओं की संवेदनशीलता और क्षमता का निर्माण करना था। सीएमई कार्यक्रम ने सीएमई कार्यक्रम संयोजक द्वारा उल्लिखित सभी उद्देश्यों को पूरा किया। एकमात्र कमी सीएमई के बारे में विज्ञापन का अभाव था। इस तरह के कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार के माध्यम से प्रतिभागियों की संख्या बढ़ाई जा सकती थी।

एलआरएम प्रतिभागियों को सीडी के रूप में प्रदान किया गया था। लगभग 60 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था और पूरे कार्यक्रम के दौरान लगभग सभी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शैक्षिक व्याख्यान और प्रदर्शन शामिल थे। प्रतिभागियों को वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान किया गया था। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुतिकरण उत्कृष्ट था क्योंकि वक्ता अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ थे। सीएमई कार्यक्रम के दौरान उपयोग किए जाने वाले श्रव्य दृश्य उपकरण उत्कृष्ट थे। शैक्षिक सामग्री, यानी प्रदान की जाने वाली अत्याधुनिक जानकारी अद्यतित और उत्कृष्ट थी। प्रदान की गई जानकारी साक्ष्य आधारित थी।

01.04.2018#से 31.03.2019#तक अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाती विवरणी

क्र.सं.	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए,#
1.#	"वर्तमान में भारत में गैर-संक्रमणीय रोगों का उदय" पर सीएमई कार्यक्रम पुडुचेरी: 26 अक्टूबर, 2018	2,20,000/-#
2.	"एसडीजी पोषण लक्ष्यों के साथ भारत की कोशिश" पर नैम्स-एनएफआई संगोष्ठी दिल्ली: 27 नवंबर, 2018	सीएमई अनुदान के लिए अनुरोध नहीं किया गया था।

कौशल विकास और चिकित्सा शिक्षा के लिए
नैम्स अंतःसांस्थानिक सीएमई

नैम्स सभागार में आयोजित कौशल विकास और चिकित्सा शिक्षा के लिए नैम्स अंतःसांस्थानिक सीएमई के अंतर्गत सीएमई, जो पूर्व में पायलट परियोजना के रूप में नामित थे, सफलतापूर्वक आयोजित किए गए थे।

1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 की अवधि के दौरान आयोजित कौशल विकास और चिकित्सा शिक्षा के लिए नैम्स अंतःसांस्थानिक सीएमई पर रिपोर्ट

1. 20 मई, 2018 को कमला रहेजा सभागार और प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित **"पेशीकंकालीय हस्तक्षेप पर अन्तःक्षेपी विकिरण विज्ञान सीएमई और कार्यशाला"** पर सीएमई कार्यक्रम

   आयोजन अधिकारी: डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।

   सीएमई के उद्देश्य और औचित्य:

   हस्तक्षेपी विकिरण विज्ञान तकनीक न्यूनतम इनवेसिव हस्तक्षेप विकिरण विज्ञान जीवन रक्षक प्रक्रियाएं हैं। ये प्रक्रियाएं पारंपरिक इनवेसिव उपचार के लिए व्यावहारिक विकल्प हैं और बाह्य रोगी व्यवस्था में और जीवन की रक्षा या उपशामक या मानक उपचार विधि के रूप में भी की जा सकती हैं। इस कार्यक्रम के उद्देश्य थे:

   1. निदान और उपचार दोनों में पेशीकंकालीय (एमएसके) विकारों में तकनीक सीखने के लिए स्नातकोत्तरों और अभ्यासरत विकिरण वैज्ञानिकों की सहायता करने वाली अन्तःक्षेपी विकिरण विज्ञान प्रक्रियाओं के बारे में हालिया प्रगति से प्रतिभागियों को परिचित कराना।
   2. शवों और फैंटम मॉडलों पर प्रक्रियाओं का संचालन करके प्रदर्शित करना और प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करना और आईआर-एमएसके तकनीकों को सीखने के लिए प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करना।

3. अन्य अस्पतालों, विशेष रूप से एम्स दिल्ली और जोधपुर इत्यादि के विकिरण वैज्ञानिकों के साथ आईआर-एमएसके तकनीकों के प्रशिक्षण और जानकारी साझा करने के लिए एनकेएन / टेलीमेडिसिन सुविधा का उपयोग करना

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

परिचयात्मक सत्र में, सीएमई कार्यक्रम संयोजक, डॉ. दीप एन. श्रीवास्तव ने पाठ्यक्रम संकाय, कार्यशाला के लक्ष्य और उद्देश्यों को प्रस्तुत किया और बताया कि सीएमई वैज्ञानिक कार्यक्रम पूरे दिन के सत्रों में कैसे आयोजित किया जाएगा। उन्होंने प्रतिभागियों को सलाह दी कि वे शांत चित्त रहें और जब भी आवश्यकता हो तब प्रश्न पूछने, स्पष्टीकरण मांगने के लिए स्वतंत्र हैं। सभी प्रतिभागियों के लिए सीएमई पूर्व और सीएमई पश्च मूल्यांकन प्रश्नावली प्रस्तुत करना आवश्यक था, जो आयोजक को न केवल कार्यशाला के सीखने के प्रभाव परिणाम का मूल्यांकन करने में सहायता करेगा, बल्कि कार्यशाला वैज्ञानिक कार्यक्रम के संचालन पर प्रतिक्रिया भी देगा। वैज्ञानिक सत्रों का पूरा वातावरण अनौपचारिक और प्रतिभागियों के अनुकूल था। सभी विचार-विमर्श उत्साहवर्धक, संवादात्मक थे और सीएमई विचार-विमर्श के दौरान प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त की गई उनकी रोगी देखभाल और शिक्षण / शिक्षण गतिविधियों को बेहतर बनाने में कार्यशाला का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रतिभागियों के दिल में एक सोच पैदा की। सीएमई के उद्देश्यों को काफी सीमा तक पूर्ण किए गए थे। आयोजकों ने एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया सीएमई सह कार्यशाला वैज्ञानिक कार्यक्रम प्रदान किया। प्रत्येक विषय पर विचार-विमर्श के दौरान, प्रतिभागियों को सूचित किया गया कि वे अंतिम सत्र के दौरान चर्चा के तहत विभिन्न प्रक्रियाओं और तकनीकों से कैसे अवगत होने जा रहे हैं, जहां प्रदर्शन और प्रायोगिक प्रशिक्षण किया जाएगा। संकाय सहित पंजीकृत प्रतिभागियों की संख्या 82 थी। उनमें से अधिकांश पूरे कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्लाइड शो के माध्यम से केवल शिक्षाप्रद व्याख्यान ही शामिल नहीं थे, अपितु चर्चा के तहत तकनीकों और प्रक्रियाओं की व्याख्या करने के लिए कई उपकरणों, मॉडलों और मल्टी-मीडिया वास्तविक समय वीडियो एनिमेशन का प्रदर्शन भी था।

विभिन्न पेशीकंकालीय अन्तःक्षेपी विकिरण विज्ञान तकनीकों और प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए चार कार्यस्थानों का उपयोग करके इंटरएक्टिव सत्र / लघु समूह अधिगम गतिविधियों को प्रायोगिक प्रदर्शन सह स्वंय करें समूह गतिविधि के रूप में आयोजित

किया गया था। सभी चार कार्यस्थानों ने कशेरुक स्तंभ, व्यक्तिगत कशेरुका, प्रेत अंग, धड़, शव और पुतलों का उपयोग किया था। प्रतिभागियों को 20 प्रतिभागियों के चार समूहों में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक को बारी बारी से चारों कार्यस्थानों पर समायोजित किया गया था। आठ संकाय सदस्यों ने प्रत्येक कार्य स्थान का प्रबंधन किया जहां पहले तीन सत्रों में कवर किए गए सभी विषयों और स्थितियों से संबंधित पेशीकंकालीय अन्तःक्षेपी विकिरण विज्ञान प्रक्रियाओं के हार्डवेयर और तकनीकों का प्रदर्शन किया गया था। अन्तःक्षेपी विकिरण विज्ञान तकनीक और प्रक्रियाओं को समझाने और दिखाने के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरणों, कशेरुक स्तंभ, व्यक्तिगत कशेरुका, प्रेत अंग, धड़ और शव और पुतलों के मॉडल का उपयोग किया गया था। सभी कार्यस्थानों पर बारी बारी से प्रतिभागियों के समूह ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी बहुत उत्साहित थे क्योंकि उन्हें न केवल पहले प्रदर्शन की गई तकनीकों और प्रक्रियाओं की बारीकियों को दिखाया और समझाया गया बल्कि पाठ्यक्रम संकाय की देखरेख में उन्होंने स्वयं द्वारा प्रायोगिक प्रदर्शन भी किया। सीएमई सह कार्यशाला ने मूल रूप से चार अलग-अलग लेकिन एकीकृत सत्रों में एमएसके विकारों के निदान में आईआर की भूमिका को कवर किया। पहले सत्र में तीन व्याख्यान शामिल थे जो इस विषय के लिए समर्पित थे कि कैसे इमेजिंग तकनीक ने एफएनएसी / बायोप्सी के परिणाम में सुधार किया है; नैदानिक और चिकित्सीय तौर-तरीकों के रूप में जोड़ों के और गैर जोड़ों के इंजेक्शन। दूसरे सत्र में अवलोकन, प्रयुक्त तकनीक हार्डवेयर और ओस्टियोइड ओस्टियोमा के थर्मल अपस्फीति और एमएसके ट्यूमर के एंजियो-एम्बोलाइजेशन में उनकी स्थिति संबंधित विषय सम्मिलित थे। तीसरे सत्र में, रीढ़ की हड्डी हस्तक्षेपों के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया था। इस सत्र में लेजर प्रक्रिया के लिए आईआर प्रक्रियाएं (आईआर-पीएलडीडी), मुख संधि आईआर और कशेरुका समेकन आईआर तकनीक न केवल सैद्धांतिक रूप से व्याख्यानों द्वारा कवर की गईं, बल्कि विभिन्न प्रक्रियाओं का वास्तविक समय एनीमेशन तकनीक और स्लाइड शो द्वारा प्रदर्शन भी किया गया। अत्याधुनिक श्रव्य दृश्य उपकरण प्रदान किए गए, जिसने कार्यक्रम की सहायता की जिसकी प्रतिभागियों ने सराहना की। प्रतिभागियों ने न केवल, वातावरण का आनंद लिया बल्कि सीएमई की वैज्ञानिक सामग्री का भी आनंद लिया। हां, सभी वैज्ञानिक प्रस्तुतियां साक्ष्य आधारित और आईआर-एमएसके प्रक्रियाओं से संबंधित वास्तविक समय के मल्टी-मीडिया स्लाइड और एनीमेशन वीडियो द्वारा समर्थित थीं। उपलब्ध कराई गई जानकारी साक्ष्य आधारित थी।

2. 30 मार्च, 2019 को कमला रहेजा सभागार और जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "भारत की स्वास्थ्य देखभाल की अपूर्ण आवश्यकताएं" पर चर्चा बैठक

आयोजन अधिकारी: डॉ. एन. आर. जगन्नाथन एवं डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।

चर्चा बैठक के उद्देश्य थे:

1. देश की वर्तमान स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर चर्चा।
2. वर्तमान राष्ट्रीय सर्वेक्षण और चुनौतियों पर चर्चा।
3. आगे आवश्यक कार्रवाई के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान।
4. नीति आयोग और अन्य सरकारी अभिकरणों को प्रस्तुत करने के लिए एक श्वेत पत्र तैयार करना।

कार्यक्रम पर रिपोर्ट:

कमला रहेजा सभागार, नैम्स, नई दिल्ली में 30 मार्च, 2019 (शनिवार) को इन्सा और नैम्स द्वारा संयुक्त रूप से "भारत की स्वास्थ्य देखभाल की अपूर्ण आवश्यकताएं" पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। बैठक का उद्घाटन एम्स, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. रणदीप गुलेरिया ने किया। कार्यक्रम में दो सत्र थे। पहला सत्र "देश की वर्तमान स्वास्थ्य आवश्यकताओं का अवलोकन" था, जिसकी अध्यक्षता नैम्स के अध्यक्ष प्रो. एस. चूड़ामणि गोपाल और एम्स, नई दिल्ली के प्रो. एस. सिन्हा ने की थी। दूसरा सत्र "अपूर्ण आवश्यकताएं इसके पश्चात क्या?" था, जिसकी अध्यक्षता एम्स के संकायाध्यक्ष (शोध) प्रो. सी. सरकार ने की थी।

पहले सत्र में 2 प्रस्तुतियाँ थीं और दूसरे सत्र में 5 प्रस्तुतियाँ थीं। चर्चा बैठक बहुत अच्छी रही और इसमें बहुत उत्साह था और भविष्य में कुछ केंद्रित विषयों पर इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के सुझाव थे। इसके अतिरिक्त इस एक दिवसीय आयोजन के विचार-विमर्श पर एक श्वेत पत्र तैयार होने की प्रक्रिया में है और एक बार अंतिम रूप देने के बाद उसे विभिन्न सरकारी अभिकरणों को उनके अवलोकन और कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा।

क्रमांक	विषय	दिनांक	व्यय की गई राशि
1.	पेशीकंकालीय हस्तक्षेप पर डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव द्वारा आयोजित अन्तःक्षेपी विकिरण विज्ञान सीएमई और कार्यशाला	20 मई, 2018	रु.1,35,066/-
2.	"भारत की स्वास्थ्य देखभाल की अपूर्ण आवश्यकताएं" पर इन्सा और नैम्स द्वारा आयोजित चर्चा बैठक डॉ. एन. आर. जगन्नाथन डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव	30 मार्च, 2019	रु.94,704/-

एनएएमएस अध्याय

उत्तरी क्षेत्र#		ǂ
जम्मू और कश्मीर#	डॉ. आर. मदान पूर्व सदस्य, लोक सेवा आयोग जम्मू एवं कश्मीर सरकार#	निदेशक, मदान अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र,# 37#ए/सी, गांधी नगर,# जम्मू 0 180004 #
चंडीगढ़	डॉ. योगेश चावला	निदेशक, पीजीआईएमईआर
हिमाचल प्रदेश	निदेशक, पीजीआईएमईआर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़0160012#	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012
ǂ	ǂ	ǂ
दिल्ली	डॉ. जे. एन. पांडे# पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,# काय चिकित्सा विभाग,# अ.भा.आयुर्विज्ञान संस्थान,# नई दिल्ली 0 110029#	वरिष्ठ परामर्शदाता (कायचिकित्सा„# सीताराम भारतीया विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, बी016, महरौली संस्थागत क्षेत्र,# नई दिल्ली 0 110016 #
हरियाणा	एयर मार्शल डॉ. एम. एस. बोपाराय पूर्व निदेशक, एएफएमसी, पुणे, और पूर्व महानिदेशक, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा, नई दिल्ली #	915, डिफेंस कालोनी,# सेक्टर 0 17बी,# गुड़गांव 0#122001#
पंजाब	डॉ. एच. एस. संधू पूर्व प्रधानाचार्य, मेडिकल कालेज, अमृतसर#	मकान सं. 883, सर्कुलर रोड,# नर्स होस्टल के सामने# अमृतसर 0#143001 #

उत्तर प्रदेश#	डॉ. (श्रीमती) पी. के. मिश्रा, पूर्व प्रधानाचार्या एवं संकायाध्यक्ष, काय चिकित्सा संकाय एवं आचार्य एवं विभागाध्यक्ष बाल रोग विज्ञान विभाग किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ-226003, उत्तर प्रदेश। #	122, फैजाबाद रोड, इंदिरा पुल के पास, लखनऊ - 226007, उत्तर प्रदेश। #
मध्य क्षेत्र#		
राजस्थान	डॉ. संजीव मिश्रा# निदेशक,# अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर#	निदेशक,# अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर। #
मध्य प्रदेश#	डॉ. जी. पी. पाल आचार्य एवं विभागाध्यक्ष शरीर रचना विभाग# माडर्न दंत कॉलेज एवं# अनुसंधान केंद्र, गांधी नगर,# हवाई अड्डा मार्ग, # इंदौर - 453112#	74, पद्मावती कॉलोनी,# सैंट पॉल विद्यालय के पीछे,# इंदौर - 452001 (मध्य प्रदेश)।#
पश्चिम क्षेत्र#		
महाराष्ट्र	डॉ. एस. एस. देशमुख पूर्व कुलपति, बंबई विश्वविद्यालय, मुम्बई#	समर्थ कृपा,# राम मंदिर मार्ग, विलेपार्ले (ईस्ट„# मुम्बई 0 400057 #
गुजरात	डॉ. हरिभाई एल. पटेल#	50/322, सरस्वती नगर, वस्त्रपुर, अहमदाबाद - 380015
दक्षिण क्षेत्र#		
तमिलनाडु	डॉ. मोहन कामेस्वरन निदेशक, मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, चेन्नई	मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, 1 क्रॉस स्ट्रीट,# ऑफ मुख्य मार्ग, राजा अन्नामलाईपुरम#

	ǂ	चेन्नई 0 600028
केरल	डॉ. वी. मोहन कुमार	8-ए, हीरा गेट अपार्टमेंट डीपीआई जंक्शन, जगथी# तिरुवनंतपुरम 0 695014
	#	#
आंध्र प्रदेश	डॉ. अल्लादि मोहन अध्यक्ष, पल्मोनरी क्रिटिकल केयर एवं निद्रा मेडिसिन प्रभाग, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, श्री वेंकेटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुपति - 517507।	19-12-501 (ऊपर) बैरागीपट्टेड़ा तिरुपति - 517501।
कर्नाटक	डॉ. अनुरा विश्वनाथ कुरपद# संकायाध्यक्ष, सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बंगलौर #	सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बीडीए कॉम्पलैक्स कोरामंगला, बंगलौर560034# ǂ
पूर्व क्षेत्र#		
पश्चिम बंगाल#	डॉ. डी. बक्सी पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोगविज्ञान विभाग, मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, कोलकाता	डीए63, सेक्टर01,# साल्ट लेक सिटी,# कोलकाता 0 700064#
उड़ीसा	डॉ. सुरेश्वर मोहंती तंत्रिकाशल्यचिकित्सा आचार्य एवं प्रधानाचार्य, आयुर्विज्ञान संस्थान, सेक्टर-8#कलिंग नगर, भुवनेश्वर #	206#डुप्लेक्स, मनोरमा एस्टेट,# रसूलगढ़, भुवनेश्वर 0 751010#

बिहार	नए संयोजक को नामित किया जाना है।#	ǂ
झारखंड	डॉ. सुरेश्वर पांडे#	आरजेएसआईओआर, रामेश्वरम, बरियातु रोड, रांची 0 834009, झारखंड #
असम	डॉ. देबी चरण चौधरी#	बेजबरुआ रोड,# सिलपुखेरी, गुवाहाटी 0 781003 #
मेघालय	डॉ. डी. एम. थापा	निदेशक
अरूणाचल प्रदेश	निदेशक इंदिरा गाँधी क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग, मेघालय	इंदिरा गाँधी आंचलिक स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग, मेघालय

एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य

नैम्स के प्रतिष्ठित आचार्यों द्वारा 2018-19 में दिए गए व्याख्यान/ सारांश की रिपोर्ट

1. **डॉ. टी. डी. चुग, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिए गए व्याख्यानों का सारांश।**

क) 13 नवंबर, 2018 को वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित नैदानिक अभ्यास के साथ नैदानिक सूक्ष्म जीव विज्ञान का अनुकूलन

हम साक्ष्य आधारित चिकित्सा के युग में हैं और व्यक्तिगत / जीनोमिक चिकित्सा की ओर बढ़ रहे हैं। संक्रमणीय रोगों के प्रबंधन में प्रयोगशाला सेवाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। प्रयोगशाला रिपोर्ट सटीक, पर्याप्त, प्रासंगिक और समय पर (प्रतिवर्तन काल और देखभाल बिंदु परीक्षण) होनी चाहिए। गुणवत्ता नियंत्रण अनिवार्य होना चाहिए। आंतरिक, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता नियंत्रण के आधार पर प्रयोगशाला त्रुटियों का संस्थागत डेटा प्रत्यायन का आधार होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, हमें भारतीय डेटा और नैदानिक विशेषज्ञता के आधार पर राष्ट्रीय उपचार दिशानिर्देश विकसित करने की आवश्यकता है।

दूसरा भाग चिकित्सा और प्रयोगशाला चिकित्सकों और फार्मासिस्टों के साथ 5 नैदानिक मामलों की इंटरएक्टिव चर्चा थी। सत्र 2 ½ घंटे तक चला।

ख) 1-2 फरवरी, 2019 को एम्स, जोधपुर में आयोजित रोगाणुरोधी प्रतिरोध का वैश्विक अवलोकन

पिछले 16 वर्षों (2000-2015) के दौरान 76 देशों में प्रतिजैविक की खपत में 39% की वृद्धि हुई, जबकि भारत में 103% की वृद्धि हुई, जो दुनिया में सबसे अधिक है। भारत में एमडीआर और एक्सडीआर जीवाणु संक्रमण के कारण मृत्यु दर संवेदनशील जीवाणु संक्रमण की तुलना में क्रमशः 1.57 और 2.65 गुना अधिक है। रोगाणुओं की चतुर विकास प्रक्रिया, संक्रामक रोगों के महामारी विज्ञान के ज्ञान की कमी, घटिया नैदानिक सुविधाओं और निम्न और मध्य (एलएमआईसी) में रोगाणुरोधी के अनुचित / अति प्रयोग / दुरुपयोग ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध की वर्तमान स्थिति को जन्म दिया है। हमें नई रणनीति का उपयोग करने की आवश्यकता है: गुणवत्ता सूक्ष्म जीव विज्ञान सेवाएं, पीके, पीडी

और भेषज सह सतर्कता का ज्ञान, रोगाणुरोधी प्रबंधन कार्यक्रम, संक्रमण नियंत्रण प्रथाएं, सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों में सुधार और स्वास्थ्य संबंधी व्यक्ति का व्यवहार परिवर्तन करने के लिए निरंतर प्रयास, और प्रतिजैविक दवाओं के अमानवीय उपयोग पर नियंत्रण।

2. **डॉ. जे. एन. पांडे, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिए गए व्याख्यानों का सारांश।**

क) 23 अगस्त, 2018 को सीताराम भारतिया विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारत में रोग मृत्यु दर और जोखिम कारकों का बोझ पर सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

महत्वपूर्ण जोखिम कारकों के अनुसार भारत में बीमारी का बोझ अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के सहयोग से डंडोना द्वारा किया गया एक महत्वपूर्ण अध्ययन है। अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों को चिकित्सकों और आम जनता के साथ-साथ नीति निर्माताओं के साथ भी उजागर करने की आवश्यकता है। जीर्ण हृदय रोगों के अधिकांश जोखिम कारक अच्छी तरह से ज्ञात हैं, लेकिन भारतीय संदर्भ में इन पर अधिक बल नहीं दिया जा सकता है।

तीव्र हृद्पेशीय संक्रमण के लिए महत्वपूर्ण जोखिम कारकों में शामिल हैं: बुरी तरह से नियंत्रित मधुमेह मेलेटस, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, शारीरिक गतिविधि की कमी और महत्व के उपरोक्त क्रम में धूम्रपान।

स्ट्रोक के लिए महत्वपूर्ण जोखिम कारकों में बुरी तरह से नियंत्रित मधुमेह, उच्च रक्तचाप, आलिंद तंतु विकंपन, उच्च कोलेस्ट्रॉल और मोटापा शामिल हैं, जो महत्व के उपरोक्त क्रम में हैं। मधुमेह मेलिटस, उच्च रक्तचाप, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता और डिसिप्लिडिमिया की आवश्यकताएं गहन रूप में संबंधित हैं।

स्वस्थ जीवन-शैली को अपनाना एक लागत रहित हस्तक्षेप है जिसे लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है।

(ख) 29 दिसम्बर, 2018 को सीताराम भारतिया विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित हाइपोनेट्रेमिया का निदान एवं प्रबंधन

सोडियम (नमक) जीवन के निर्वाह के लिए महत्वपूर्ण है। इसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नमक की दैनिक खपत को 6-12 ग्राम / दिन से कम करने 3 ग्राम / दिन तक करने के लिए वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। सबसे सस्ता भोजन परिरक्षक होने के नाते, यह एक आसान काम नहीं है। नमक की उच्च खपत उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मृत्यु के जोखिम को बढ़ाने से संबंधित है। 130 से 140 मिमोल / लीटर तक सीरम सोडियम में वृद्धि से प्रकुंचन रक्तचाप में 5.5 मिमी एचजी (95% आत्मविश्वास अंतराल 2.4 - 8.6 मिमी एचजी) की वृद्धि हो जाती है। अनुशिथिलन दबाव में तदनुरूप वृद्धि कम थी (3.1, 95% आत्मविश्वास अंतराल 1.3 - 5.0 मिमी एचजी) । (पांडे जे. एन। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के वर्ष वृतांत) इसलिए यह विरोधाभासी है कि बड़ी संख्या में रोगियों, विशेषकर बुजुर्गों को जीवन को जोखिम में डालने वाली जटिलताओं का गंभीर खतरा है।

हाइपोनेट्रेमिया, जिसे 136 मिमील / लीटर से नीचे सीरम सोडियम में कमी के रूप में परिभाषित किया गया है, अंतः रोगियों और बहिरंग रोगियों दोनों में एक सामान्यतया पाया जाता है और सामान्य अस्पताल की आबादी के 15% तक में पाया जा सकता है। तीव्र हाइपोनेट्रेमिया (अवधि <48 घंटे) और इसका प्रबंधन अस्पताल में रोगियों के बीच रुग्णता और मृत्यु दर का प्रमुख कारण हो सकता है।

जीर्ण हाइपोनेट्रेमिया (अवधि> 48 घंटे), आमतौर पर वृद्ध (65 वर्ष या उससे अधिक आयु) के बहिरंग रोगियों के बीच देखा जाता है, यह रुग्णता में भी योगदान देता है क्योंकि यह अक्सर पहचाना नहीं जा सकता। इसका तेजी से सुधार करने की सलाह नहीं दी जाती है। सूडोहाइपोनेट्रेमिया: चिह्नित हाइपरलिपिडिमिया या प्लाज्मा प्रोटीन में वृद्धि के कारण; सीधे मापा गया प्लाज्मा परासरणीयता सामान्य आइसोटोनिक या हाइपरटोनिक हाइपोनेट्रेमिया है: हाइपरग्लाइसेमिया और अमापित विलेय जैसे, मैनिटॉल, रेडियोग्राफिक कंट्रास्ट, ग्लाइसिन के कारण। हाइपरग्लेसेमिया के लिए सुधार कारक का उपयोग करें या सीधे परासरणीयता को मापें।

आमतौर पर, तीव्र हाइपोनेट्रेमिया वाले रोगियों में जीर्ण हाइपोनेट्रेमिया के रोगियों की तुलना में सीरम सोडियम सांद्रता में सुधार अधिक तीव्र दर से होना चाहिए क्योंकि आमतौर पर सीरम सोडियम कम अवधि में तेजी से कम होने पर लक्षण अधिक गंभीर होते हैं। जीर्ण हाइपोनेट्रेमिया की धीरे-धीरे मस्तिष्क में क्षतिपूर्ति की जाती है क्योंकि इसमें यदि हो तो धीमी गति से सुधार की आवश्यकता होती है। हाइपोवॉलेमिक हाइपोनेट्रेमिया अधिक मात्रा में संकुचन के मामलों में होता है, जैसे कि उल्टी और दस्त, अत्यधिक पसीना और मूत्रवर्धक के उपयोग के साथ देखा जाता है। एक रोगी फ्रेंक अल्प रक्तदाब या स्थितिज अल्प रक्तदाब या हृद्क्षिप्रता के साथ उपस्थित हो सकता है। इस स्थिति में, दोनों मूत्रवर्धक रोधी हार्मोन (ADH) (पानी के लिए गुर्दे की पारगम्यता कम हो जाती है) और रेनिन (गुर्दे की सोडियम प्रतिधारण क्षमता बढ़ जाती है) का स्त्राव होता है। संदिग्ध हाइपोवोलेमिक हाइपोनेट्रेमिया की पुष्टि 20 मिमी / लिटर से कम की मूत्र सोडियम सांद्रता, मूत्र परासरणीयता 500 एमओएसएम / किग्रा पानी से अधिक होने पर और आमतौर पर मूत्र की कम मात्रा से हो सकती है। हालांकि, चिकित्सकों को यह ज्ञात होना चाहिए कि मूत्रवर्धक उपयोग वाले रोगियों में हाइपोवॉलेमिक होने के बावजूद मूत्र का सोडियम स्तर कम होना आवश्यक नहीं है। गंभीर हाइपोनेट्रेमिया वाले मरीजों को उनके निदान और प्रबंधन में दक्ष एक विशेषज्ञ के पास भेजा जाना चाहिए।

ग) 29 दिसम्बर, 2018 को सीताराम भारतिया विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सारकॉइडोसिस (मांसार्बुदाभ) का निदान एवं प्रबंधन

सारकॉइडोसिस व्यापक रूप से दानेदार सूजन के साथ संबंधित अनिश्चित हेतुविज्ञान का एक प्रणालीगत प्रदाहक विकार है जो शरीर के लगभग किसी भी अंग को प्रभावित कर सकता है, जिसमें अधिकांश रोगियों में फेफड़े और मध्यस्थनिकीय लसीकापर्व अधिक प्रभावित होते हैं। सारकॉइडोसिस भौगोलिक स्थिति, नस्ल, लिंग, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और आयु के अनुसार विविधताओं के साथ विश्वव्यापी होता है। त्वचा या कुछ विशिष्ट अंगों को प्रभावित करने वाले कुछ प्रकार के सारकॉइडोसिस, भौगोलिक भिन्नता भी दिखा सकते हैं। इसके अलावा, रोग की गंभीरता और इसकी प्रगति, उपचार का परिणाम, प्रमुख अंग

शिथिलता और मृत्यु दर भी नस्ल, जातीयता, स्वास्थ्य आकांक्षी व्यवहार और देखभाल तक पहुंच के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। सारकॉइडोसिस के मामले प्रति वर्ष 11.5 प्रति 100,000 और 0.16% की व्यापकता रिपोर्ट की गई है। उत्तरी यूरोपीय और अफ्रीकी अमेरिकियों में आमतौर पर सारकॉइडोसिस का सबसे अधिक प्रसार माना जाता है। हाल के अध्ययनों में महिलाओं और पुरुषों के बीच रोग के लगभग समान मामले सामने आए हैं जबकि अतीत में कई रिपोर्टें महिलाओं में इसकी प्रचुरता दर्शाती हैं। सारकॉइडोसिस को एक समय में दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य पूर्व में दुर्लभ माना जाता था और अब इन क्षेत्रों और विश्व के अन्य भागों में तेजी से पहचाना जा रहा है। क्षेत्र में गहन अनुसंधान के बावजूद सारकॉइडोसिस का हेतुविज्ञान अभी तक एक रहस्य बना हुआ है। सारकॉइडोसिस कई अलग अलग प्ररूपी प्रस्तुतियों, महामारी विज्ञान लक्षणों, और रोग के परिवर्तनशील रूप और रोग का निदान के साथ एक विषम विकार है। यह आम तौर पर स्वीकार किया जाता है कि यह विविधता आनुवंशिक कारकों, पर्यावरणीय कारकों, महामारी विज्ञान चरों से संबंधित है, जिसमें आयु, लिंग और नस्ल, और उनके बीच की अंतःक्रिया सम्मिलित है।

यह माना जाता है कि आनुवंशिक कारकों और पर्यावरण, व्यावसायिक और अर्ध-व्यावसायिक वातावरण के बीच परस्पर क्रिया से सारकॉइडोसिस का विकास हो सकता है। इस संबंध में, कई अध्ययनों से पता चला है कि कुछ धातुएं सारकॉइड जैसी दानेदार सूजन का कारण बन सकती हैं, सबसे सटीक उदाहरण बेरिलियम के संपर्क में आना है, परंतु टाइटेनियम, निकल, क्रोमियम, कोबाल्ट, सिलिकॉन, पृथ्वी तत्व और एल्यूमीनियम सहित अन्य पर्यावरण प्रदूषकों की भी भूमिका हो सकती है। सारकॉइडोसिस और तपेदिक की नैदानिक प्रस्तुति में कई समानताएं हैं जो कई बार मध्यस्थनिकीय लसीकापर्व विकृति के रूप में उपस्थित होती हैं। वास्तव में, तपेदिक और सारकॉइडोसिस के बीच का अंतर तपेदिक के उच्च बोझ वाले देशों में चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

यह संभावना है कि स्थाई प्रतिजन (प्रतिजनों) जैसे कि माइकोबैक्टीरियल या अन्य रोगाणुरोधी उत्पाद के साथ संयोजन के रूप में कुछ पर्यावरणीय प्रदूषकों के साथ सहयोग करते हुए आनुवंशिक रूप से पूर्वनिर्धारित व्यक्तियों में एक प्रतिरक्षा

प्रतिक्रिया को बढ़ाते हैं, जो कि परिवर्तनशील प्ररूपी प्रस्तुतियों के साथ व्यापक दानेदार सूजन द्वारा पहचानी जाती है।

एनएएमएस वेबसाइट और एनकेएन कनेक्टिविटी

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)#और इसकी गतिविधियों के बारे में सभी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें नियम और विनियम, परिषद् के सदस्य, अध्येता और सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट, लेखापरीक्षित लेखा विवरण, कर्मचारी डाटा, अधिगम संसाधन सामग्री, वर्ष वृत्तांत, सीएमई मोनोग्राफ, सीएमई हेतु दिशानिर्देश शामिल हैं। इस पर विगत वर्षों के दीक्षांत समारोह, अभिभाषण और वार्षिक रिपोर्ट भी पढ़ी और डाउनलोड की जा सकती हैं। इस पर आगामी अकादमिक गतिविधियों का ब्यौरा जैसे कि सीएमई कार्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रम आदि भी दर्शाए गए हैं।

डिजिटल सुविधाएं प्राप्त करने के लिए, नैम्स ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान प्रणाली शुरू की थी और वर्ष वृत्तांत के लेखों को ऑनलाइन जमा करना भी शुरू किया था। नैम्स ने नैम्स यूट्यूब चैनल (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी भारत) भी शुरू किया है जो हमारे द्वारा आयोजित सीएमई के व्यापक परिसंचरण के लिए निःशुल्क है। एनकेएन कनेक्टिविटी की सहायता से, हम एम्स, जोधपुर, ऋषिकेश, भोपाल, पटना, भुवनेश्वर इत्यादि जैसे अन्य शैक्षिक संस्थानों से जुड़ते हैं ताकि हमारे शिक्षण कार्यक्रमों में प्रारंभिक उपस्थिति बढ़ाई जा सके। यह न केवल हमारी सरकार के लक्ष्यों का विस्तार करता है अपितु वित्तीय व्यय को भी कम करता है।

27 नवंबर 2018 को आयोजित "एसडीजी पोषण लक्ष्यों के साथ भारत की कोशिश" पर सीएमई कार्यक्रम उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए पहला टेली-सीएमई था जिसे उत्तर पूर्वी इंदिरा गाँधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान आंचलिक संस्थान, शिलांग, के दर्शकों के लिए एनकेएन कनेक्टिविटी के माध्यम से कार्यक्रम को प्रसारित किया गया था। । दो राष्ट्रीय संस्थान, एम्स-जोधपुर और उत्तर पूर्वी इंदिरा गाँधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान आंचलिक संस्थान, शिलांग, मेघालय, कार्यक्रम के दौरान जुड़े हुए थे।

वित्तीय रिपोर्ट

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

सरकारी अनुदान

योजना

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अकादमी को सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई)# कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 'योजना' के तहत स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और उसके विरुद्ध गत 3#वर्षों (2016-17 से 2018-19) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान#	व्यय (खरीदी गई परिसंपत्तियों सहित,#
2016-17#	110.00	83.97	101.88
2017-18#	180.00	170.00	160.22
2018-19#	180.00	180.00	155.69

'योजना' के अंतर्गत वर्ष 2016-17 के दौरान व्यय का आधिक्य पूर्व वर्षों में व्यय नहीं किए गए अनुदान से पूरा किया गया था।

गैर-योजना

मंत्रालय द्वारा स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और 'गैर-योजना' के तहत गत वर्ष (2016-17) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान#	व्यय	अभ्युक्तियां
2016-17#	55.00	55.00	66.54#	व्यय का आधिक्य अकादमी द्वारा सृजित राजस्व से पूरा किया गया है। #

(वर्ष 2017-18 से मंत्रालय ने सहायता अनुदान योजना और गैर-योजना व्यवस्था में न करके नैम्स के नाम पर प्रदान किया)।

वित्त

वर्ष 2018-19#के दौरान अध्येताओं और सदस्यों से आजीवन सदस्यता शुल्क के रूप में 48,58,000/-#रूपए की राशि प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त 55.51 लाख रुपए की राशि सावधि जमा पर ब्याज के द्वारा प्राप्त हुई।

लेखा

वर्ष 2018-19 के लिए लेखे की लेखापरीक्षा चार्टर्ड लेखाकार द्वारा पूरी कर ली गई है। परिषद ने 11 सितम्बर, 2019 को आयोजित अपनी बैठक में लेखा विवरण भी अनुमोदित किया है। अब इनको आम सभा द्वारा अपनाए जाने के लिए सिफारिश की जाती है।

लेखा

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

अंसारी नगर, रिंग रोड, नई दिल्ली।

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) ("अकादमी") के संलग्न वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2019 की यथास्थिति तुलन-पत्र और समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा, तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकारक जानकारी का सारांश शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए उत्तरदायी है जो, अकादमी के धर्मार्थ संस्था होने के कारण उस पर लागू, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों के अनुसार अकादमी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन का सही और निष्पक्ष रूप प्रस्तुत करें। इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुरक्षण निहित है जो एक सच्चा और निष्पक्ष विचार दे और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण सामग्री के ग़लत बयान से मुक्त हो।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है। हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। वे मानक अपेक्षा करते हैं कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में, कि क्या वित्तीय विवरण गलत विवरण से मुक्त हैं, उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें।

लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त के लिए प्रक्रियाएँ शामिल होती है। चुनी गई प्रक्रियाएँ लेखा परीक्षकों के निर्णय, जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन निहित है, पर निर्भर करती हैं । इस जोखिम का आकलन करते हुए लेखा परीक्षक अकादमी द्वारा

वित्तीय विवरणों की तैयारी और सही प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितयों के अनुसार उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रूपरेखा बनाता है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों की उपयुक्तता का आकलन और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण लेखा अनुमानों का औचित्य तथा साथ ही समग्र वित्तीय विवरण के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए उचित आधार प्रदान करते हैं।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप सही और उचित दृश्य प्रस्तुत करते हैं:

i. तुलन-पत्र के मामले में अकादमी की 31 मार्च, 2019 की यथास्थिति कार्यकरण

ii. आय-व्यय लेखा के मामले में उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए व्यय की अपेक्षा आय का आधिक्य।

विषय का महत्व

अपनी राय को योग्य ठहराए बिना, हम निम्नलिखित की ओर ध्यान आकर्षित करते हैः

- अचल परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन और बहियों से उसका समंजन लंबित है।
- सावधि जमा राशि की परिपक्वता पर ब्याज जमाखाते हुआ।

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

हस्ताक्षर
(बी. एल. खन्ना)
साझेदार

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 11.09.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#को यथास्थिति तुलन-पत्र

(राशि रुपए)

संचित निधि/पूंजी निधि और देयताएं#	अनुसूची	चालू वर्ष#	पिछला वर्ष#
संचित/पूंजी निधि#	1	6,14,75,381.46	5,50,64,097.74
प्रारक्षित निधि और अधिशेष#	2	6,26,519.58	6,26,519.58
पूंजी परिसंपत्ति निधि#	3	1,60,09,911.58	1,79,33,074.97
निर्धारित/धर्मादा निधि (सरकारी,#	4	17,00,550.00	-8,57,832.00
निर्धारित/धर्मादा निधि (गैर सरकारी,#	5	76,16,370.48	78,35,535.48
चालू देयताएं और प्रावधान#	6	25,000.00	25,000.00
जोड़		**8,74,53,733.10**	**8,06,26,395.77**
परिसंपत्तियां			
अचल परिसंपत्तियां#	7	1,60,09,911.58	1,79,33,074.97
चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम#	8	7,14,43,821.52	6,26,93,320.80
जोड़		**8,74,53,733.10**	**8,06,26,395.77**

# # #

ह./0	ह./0	ह./0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,)	(डॉ मीरा रजानी,)
अध्यक्ष	**मानद सचिव)**	**कोषाध्यक्ष**

)

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856)

स्थानः नई दिल्ली# #
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

आय और व्यय लेखा (समेकित)

(राशि रुपए)

आय	चालू वर्ष#	पिछला वर्ष#
अनुसंधान कार्य#		
अनुदान	1,80,00,000.00	1,70,00,000.00
अर्जित ब्याज	1,27,110.00	82,720.00
अकादमी		
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	5,02,900.00	2,78,867.00
अनुदान	-	-
शुल्क/ अभिदान	8,20,000.00	8,07,000.00
अर्जित ब्याज¦	36,24,823.91	34,10,577.81
अन्य आय¦	100.31	53,292.00
जोड़ (क),#	**2,30,74,934.22**	**2,16,32,456.81**
व्यय		
अनुसंधान कार्य		
स्थापना व्यय¦	94,34,270.00	79,01,913.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	36,60,171.00	34,83,474.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय¦	20,16,908.00	33,64,688.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	3,16,042.00	6,92,598.00
पूंजीगत व्यय	1,41,337.00	5,79,211.00
अकादमी		
स्थापना व्यय¦	12,21,221.50	6,91,969.00
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21,73,319.00	18,35,519.71
जोड़ (ख),¦	**1,89,63,268.50**	**1,85,49,372.71**
कुल जोड़ (क - ख)#	**41,11,665.72**	**30,83,084.10**

ह./0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल),¦
अध्यक्ष

ह./0
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव),¦
मानद सचिव¦

ह./0
(डॉ मीरा रजानी),¦
कोषाध्यक्ष

¦
हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856¦

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांकः 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

अनुसंधान कार्य के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष#	पिछला वर्ष#
बिक्री/सेवाओं से आय¦			
अनुदान	3	1,80,00,000.00	1,70,00,000.00
		-	-
अर्जित ब्याज¦	3	1,27,110.00	82,720.00
¦		-	-
जोड़ (क,#		**1,81,27,110.00**	**1,70,82,720.00**
व्यय			
स्थापना व्यय¦	3	94,34,270.00	79,01,913.00
अनुसंधान प्रकोष्ठ के अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	3	36,60,171.00	34,83,474.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय¦	3	20,16,908.00	33,64,688.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	3	3,16,042.00	6,92,598.00
पूंजीगत व्यय	3	1,41,337.00	5,79,211.00
जोड़ (ख,#		**1,55,68,728.00**	**1,60,21,884.00**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क -#ख,¦		25,58,382.00	(10,60,836.00)
¦		-	-
¦		-	-
अनुसंधान गतिविधियों के लिए अनुसूची 4 के अनुसार ब्यौरा #		**25,58,382.00**	**(10,60,836.00)**
#			

ह./0	ह./0	ह./0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,¦	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,¦	(डॉ मीरा रजानी,¦
अध्यक्ष	**मानद सचिव¦**	**कोषाध्यक्ष**
		¦

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856¦

स्थानः नई दिल्ली# #
दिनांकः 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

अकादमी के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष#	पिछला वर्ष#
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	7	5,02,900.00	2,78,867.00
		-	-
शुल्क/ अभिदान		8,20,000.00	8,07,000.00
अर्जित ब्याज#	8	36,24,823.91	34,10,577.81
अन्य आय#	9	100.31	53,292.00
जोड़ (क)#		**49,47,824.22**	**45,49,736.81**
व्यय			
स्थापना व्यय#	10	12,21,221.50	6,91,969.00
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	11	21,73,319.00	18,35,519.71
अनुदानों, आर्थिक सहायता पर व्यय#		--	--
जोड़ (ख)#		**33,94,540.50**	**25,27,488.71**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क -#ख)#		15,53,283.72	20,22,248.10
विशेष प्रारक्षित निधि को अंतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)#		-	-
सामान्य प्रारक्षित निधि को/ से अंतरण#		-	-
अधिशेष/(कमी))#का शेष संचित/पूंजी निधि को अग्रेनीत#		**15,53,283.72**	**20,22,248.10**

#

ह./0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)#
अध्यक्ष

ह./0
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)#
मानद सचिव#

ह./0
(डॉ मीरा रजानी)#
कोषाध्यक्ष
#

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856#

#

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांकः 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन-पत्र का भाग होने वाले अनुसूचियां

अनुसूची 1##संचित/ पूंजी निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष#		**पिछला वर्ष#**	
वर्ष के प्रारंभ में शेष#	5,50,64,097.74		4,81,76,849.64	
जोड़े: प्रवेश शुल्क#	48,58,000.00		48,65,000.00	
जोड़े संचित/पूंजी निधि को अंशदान#	--		--	
घटाएं# पूंजी परिसंपत्ति निधि को अंतरण #	--		--	
जोड़े/(घटाएं):#आय और व्यय का लेखा से अंतरित निवल आय/(व्यय)#का शेष#	15,53,283.72	6,14,75,381.46	20,22,248.10	5,50,64,097.74
वर्ष के अंत में शेष#		**6,14,75,381.46**		**5,50,64,097.74**

ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,
अध्यक्ष

ह3/0
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,
मानद सचिव#

ह3/0
(डॉ मीरा रजानी,
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 2#-#पूंजी परिसंपत्ति निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष#		**पिछला वर्ष#**	
निधि का अथशेष	1,79,33,074.97		1,96,00,329.25	
#		1,79,33,074.97		1,96,00,329.25
जोड़ें: सीएमई कार्यक्रम अनुदान के अधीन पूंजी परिसंपत्तियां#	1,41,337.00		5,79,211.00	
जोड़े: पूंजी परिसंपत्तियां अन्य अनुदान#		1,41,337.00		5,79,211.00
घटाएं:# रद्दी की गई/ चोरी हुई परिसंपत्तियां#	20,64,500.39	20,64,500.39	(22,46,465.28)	(22,46,465.28)
		1,60,09,911.58		**1,79,33,074.97**

ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,ƚ
अध्यक्ष

ह3/0
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,ƚ
मानद सचिवƚ

ह3/0
(डॉ मीरा रजानी,ƚ
कोषाध्यक्ष
ƚ

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856ƚ

ƚ

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांकः 11.9.2019

#

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3##निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि)

(राशि रुपए,#

	चालू वर्ष#		**पिछला वर्ष#**	
(क,# निधियों का अथशेष#		(8,57,832.00)		(19,18,668.00)
(ख,# निधियों में वृद्धियां#				
i. दान/अनुदान(अनुबंधक,	1,80,00,000.00		1,70,00,000.00	
ii. निधि के कारण किए गए निवेश से आय#	1,27,110.00		82,720.00	
iii. अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें,#		1,81,27,110.00		1,70,82,720.00
घटाएं:#पूंजी परिसंपत्ति निधि को अंतरण (अनुसूची 17#की टिप्पणी सं. 9#का संदर्भ लें)ः				
जोड़ (क + ख,#		**1,72,69,278.00**		**1,51,64,052.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2019 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि) ज़ारी.......

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(ग,# उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय#				
i.# **पूंजी व्यय#**				
- अचल परिसंपत्तियां#	1,41,337.00	1,41,337.00	5,79,211.00	5,79,211.00
- अन्य#				
ii.# **राजस्व व्यय#**				
- वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि (अनुबंध ख,#	94,34,270.00		79,01,913.00	
- किराया#	-		-	
- सीएमई कार्यक्रम के लिए अनुदान निर्गमन(अनुबंध ग,#	20,16,908.00		33,64,688.00	
- अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुबंध घ,#	36,60,171.00		34,83,474.00	
0###नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	3,16,042.00	1,54,27,391.00	6,92,598.00	1,54,42,673.00
जोड़ (ग,#		**1,55,68,728.00**		**1,60,21,884.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष	(क + ख + ग,	**(17,00,550.00)**		**(8,57,832.00)**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स

चार्टर्ड लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली

दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध -#क

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष#	पिछला वर्ष#
दान/ अनुदान#		#
अनुदान - सामान्य#	75,00,000.00	65,00,000.00
अनुदान - वेतन#	1,00,00,000.00	1,00,00,000.00
अनुदान - पूंजी#	5,00,000.00	5,00,000.00
जोड़	**1,80,00,000.00**	**1,70,00,000.00**

ह3/0	ह3/0	ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,ł	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,ł	(डॉ मीरा रजानी,ł
अध्यक्ष	**मानद सचिव**ł	**कोषाध्यक्ष**

ł

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856ł

ł

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019

ł

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध -#ख

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष#	पिछला वर्ष#
स्थापना व्यय#			#
क,#	वेतन और मजदूरी#	87,87,093.00	73,00,818.00
ख,#	भविष्य निधि में अंशदान#	6,92,627.00	6,44,468.00
ग,#	अन्य निधि में अंशदान (निर्दिष्ट करें,#कें.स.स्वा.यो.#	-	-
घ,#	घटाएं= कें.स.स्वा.यो. वसूली	(45,450.00)	(48,125.00)
	कर्मचारी कल्याण व्यय#	-	4,752.00
ङ,#	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर व्यय और सीमांत लाभ#		
#	#		
#	**जोड़**	**94,34,270.00**	**79,01,913.00**

ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,ǂ
अध्यक्ष

ह3/0
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,ǂ
मानद सचिवǂ

ह3/0
(डॉ मीरा रजानी,ǂ
कोषाध्यक्ष
ǂ

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856ǂ

ǂ

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019

ǂ

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध -#ग

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष#	पिछला वर्ष#
अनुदानों, आर्थिक सहायताओं आदि पर व्यय#			#
क,#	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (अंतःस्थानिक)#	1,69,030.00	1,54,000.00
ख,#	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (बाह्यस्थानिक)	17,47,612.00	29,85,721.00
ग,#	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (प्रायोगिक कार्यक्रम)	1,00,266.00	2,24,967.00
घ,#	संस्थानों/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता#		
	जोड़	**20,16,908.00**	**33,64,688.00**

ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,ǂ
अध्यक्ष

ह3/0
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,ǂ
मानद सचिवǂ

ह3/0
(डॉ मीरा रजानी,ǂ
कोषाध्यक्ष

ǂ

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856ǂ

ǂ

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019

ǂ

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध -#घ

(राशि रुपए,#

		चालू वर्ष#	**पिछला वर्ष#**
अनुसंधान प्रकोष्ठ के अन्य प्रशासनिक व्यय आदि#			#
क,#	विद्युत, ऊर्जा और जल#	4,62,882.00	3,01,337.00
ख,#	बीमा	14,227.00	12,014.00
ग,#	मरम्मत और अनुरक्षण#	4,20,611.00	6,84,797.00
घ,#	वाहन चालन और अनुरक्षण#	61,222.00	33,523.00
ङ,#	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार#	2,99,333.00	1,91,670.00
च,#	मुद्रण और लेखन सामग्री#	8,34,349.00	4,40,970.00
छ,#	यात्रा और वाहन व्यय#	30,678.00	28,778.00
ज,#	सेमिनार/कार्यशालाओं पर व्यय (टेली - शिक्षा)#	-	27,520.00
झ,#	लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक#	1,18,000.00	-
ञ)	आतिथ्य व्यय#	88,417.00	57,857.00
ट)#	व्यावसायिक/ परामर्श प्रभार#	12,99,110.00	16,79,811.00

ठ,#	अन्य (निर्दिष्ट करें,#		
#	-बैठक शुल्क#	29,500.00	18,500.00
#	-बैंक प्रभार#	1,842.00	1,847.00
	-चिकित्सा व्यय	-	4,850.00
	जोड़	**36,60,171.00**	**34,83,474.00**

ह3/0	ह3/0	ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,#	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,#	(डॉ मीरा रजानी,#
अध्यक्ष	**मानद सचिव**#	**कोषाध्यक्ष**
		#

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856ł

स्थानः नई दिल्ली# #
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध –#ड़

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष#	**पिछला वर्ष#**
नैम्स अनुसंधान केंद्र - जोधपुर का व्यय विवरण#		#
क,# सीएमई कार्यक्रम#	19,090.00	22,500.00
ख,# नैम्स के वार्षिक वृत्तांत का प्रकाशन#	2,36,060.00	6,49,238.00
ग,# डाक व्यय#	60,892.00	20,860.00
जोड़	**3,16,042.00**	**6,92,598.00**

ह3/0	ह3/0	ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,#	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,#	(डॉ मीरा रजानी,#
अध्यक्ष	**मानद सचिव**#	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856#

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4##निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए,

(गैर-योजना)		निधि-वार आंकड़े							
		1	2	3	4	5	6	7	8
		जन. अमीर चन्द व्याख्यान निधि#	आरोग्य आश्रम समिति निधि#	बम्बई व्याख्यान निधि#	डॉ के. एल. विग स्मारक व्याख्यान निधि#	डॉ आर. वी. राजम व्याख्यान निधि#	डॉ आर. एम. कासलीवाल निधि#	डॉ एस. एस. मिश्रा चिकित्सा पुरस्कार निधि#	श्री राम स्मारक पुरस्कार निधि#
क,#	**निधियों का अथशेष**#	32,833.50	9,315.03	86,464.00	4,23,302.55	9,889.69	315.88	(42,226.30)	(13,553.46)
ख,#	**निधियों में वृद्धियां**#								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय#								
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें)#अंशदान#								
जोड़ (क + ख,#		**32,833.50**	**9,315.03**	**86,464.00**	**4,23,302.55**	**9,889.69**	**315.88**	**(42,226.30)**	**(13,553.46)**
ग,#	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**#								
i	**पूंजी व्यय** #								
	-अचल परिसंपत्तियां#								
	-अन्य#								
	जोड़	-	-	-	-	-	-	-	
ii#	**राजस्व व्यय**#								
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि#								
	-किराया#								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय#								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी,#	-	25,179.00	-	-	-	-	-	-
जोड़		-	**25,179.00**	-	-	-	-	-	-
iii#	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**#								
जोड़ (ग,#		-	**25,179.00**	-	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग,		**32,833.50**	**(15,863.97)**	**86,464.00**	**4,23,302.55**	**9,889.69**	**315.88**	**(42,226.30)**	**(13,553.46)**
पिछला वर्ष		**32,833.50**	**9,315.03**	**86,464.00**	**4,23,302.55**	**9,889.69**	**315.88**	**(42,226.30)**	**(13,553.46)**

अनुसूची 4##निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए,

(गैर-योजना)		निधि-वार आंकड़े							
		9	10#	11#	12#	13#	14#	15#	16#
		श्याम लाल सक्सेना स्मारक पुरस्कार निधि#	कर्नल संघम लाल धर्मादा निधि#	डॉ वी. आर. खानोल्कर व्याख्यान निधि#	डॉ विमला विरमानी पुरस्कार निधि#	पश्चिम बंगाल आंचलिक निधि#	डॉ पी. एन. छुट्टानी व्याख्यान निधि#	डॉ बी. के. आनंद व्याख्यान निधि#	नैम्स-2007# अमृतसर पुरस्कार निधि#
क,#	**निधियों का अथशेष#**	(50,002.87)	65,205.20	12,916.66	22,489.53	50,231.07	2,01,114.00	4,01,645.00	1,17,574.00
ख,#	**निधियों में वृद्धियां#**								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय#								
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें)#अंशदान#								
जोड़ (क + ख,#		**(50,002.87)**	**65,205.20**	**12,916.66**	**22,489.53**	**50,231.07**	**2,01,114.00**	**4,01,645.00**	**1,17,574.00**
ग,#	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय#**								
i	**पूंजी व्यय** #								
	-अचल परिसंपत्तियां#								
	-अन्य#								
	जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-
ii#	**राजस्व व्यय#**								
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि#								
	-किराया#								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय#								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी,#	-	28,193.00	30,050.00	1,052.00		-	-	1,000.00
जोड़		-	**28,193.00**	**30,050.00**	**1,052.00**	-	-	-	**1,000.00**
iii#	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण#**								
जोड़ (ग,#		-	**28,193.00**	**30,050.00**	**1,052.00**	-	-	-	**1,000.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग,#		**(50,002.87)**	**37,012.20**	**(17,133.34)**	**21,437.53**	**50,231.07**	**2,01,114.00**	**4,01,645.00**	**1,16,574.00**
पिछला वर्ष		**(50,002.87)**	**65,205.20**	**12,916.66**	**22,489.53**	**50,231.07**	**2,01,114.00**	**4,01,645.00**	**1,17,574.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 4##निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए,

(गैर-योजना)		**निधि-वार आंकड़े**							
		17#	**18#**	**19#**	**20#**	**21**	**22#**	**23**	**24**
		स्वर्ण जयंती निधि#	**नैम्स स्वर्ण जयंती यात्रा अध्येतावृत्ति#**	**भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ डेंटिस्टी#**	**डॉ बलदेव सिंह व्याख्यान निधि#**	**डॉ एस. एस. सिद्धू व्याख्यान निधि#**	**डॉ ए. इंद्रायन पुरस्कार निधि#**	**डॉ जानकी स्मारक व्याख्यान निधि**	**डॉ जे. जी. जॉली व्याख्यान निधि**
क,#	**निधियों का अथशेष#**	4,87,515.00	4,30,555.00	3,87,416.00	2,86,630.00	3,53,301.00	4,00,246.00	5,41,936.00	6,02,792.00
ख,#	**निधियों में वृद्धियां#**								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय#								
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें)#अंशदान#								
जोड़ (क + ख,#		**4,87,515.00**	**4,30,555.00**	**3,87,416.00**	**2,86,630.00**	**3,53,301.00**	**4,00,246.00**	**5,41,936.00**	**6,02,792.00**
ग,#	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय#**								
i	**पूंजी व्यय** #								
	-अचल परिसंपत्तियां#								
	-अन्य#								
	जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-
ii#	**राजस्व व्यय#**								
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि#								
	-किराया#								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय#								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी,#	-	-	-	-	2,052.00	16,941.00	-	-
जोड़		-	-	-	-	**2,052.00**	**16,941.00**	-	-
iii#	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण#**								
जोड़ (ग,#		-	-	-	-	**2,052.00**	**16,941.00**	-	-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग,#		**4,87,515.00**	**4,30,555.00**	**3,87,416.00**	**2,86,630.00**	**3,51,249.00**	**3,83,305.00**	**5,41,936.00**	**6,02,792.00**
पिछला वर्ष		**4,87,515.00**	**4,30,555.00**	**3,87,416.00**	**2,86,630.00**	**3,53,301.00**	**4,00,246.00**	**5,41,936.00**	**6,02,792.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES INDIA

अनुसूची 4# #निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए,

(गैर-योजना)		**निधि-वार आंकड़े**					
		25#	**26#**	**27#**	**28**	**29**	**30#**
		डॉ वी. के. भार्गव पुरस्कार निधि#	**डॉ ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार निधि#**	**प्रो. जे. एस. बजाज पुरस्कार निधि**	**डॉ एन. सूर्यानरण राव पुरस्कार निधि**	**प्रो. के. एन. शर्मा व्याख्यान निधि#**	**डॉ सत्य गुप्ता पुरस्कार निधि#**
क,#	**निधियों का अथशेष#**	1,94,252.00	3,81,988.00	70,000.00	1,54,062.00	5,00,757.00	4,16,572.00
ख,#	**निधियों में वृद्धियां#**						
i	दान/अनुदान						
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय#						
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें)#अंशदान#						
जोड़ (क + ख,#		**1,94,252.00**	**3,81,988.00**	**70,000.00**	**1,54,062.00**	**5,00,757.00**	**4,16,572.00**
ग,#	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय#**						
i	**पूंजी व्यय #**						
	-अचल परिसंपत्तियां#						
	-अन्य#	-	-	-	-	-	-
	जोड़						
ii#	**राजस्व व्यय#**						
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि#						
	-किराया#						
	-अन्य प्रशासनिक व्यय#						
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी,#	16,379.00	2,052.00	31,437.00		-	29,442.00
जोड़		**16,379.00**	**2,052.00**	**31,437.00**	-	-	**29,442.00**
iii#	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण#**						
जोड़ (ग,#		**16,379.00**	**2,052.00**	**31,437.00**	-	-	**29,442.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग,#		**1,77,873.00**	**3,79,936.00**	**38,563.00**	**1,54,062.00**	**5,00,757.00**	**3,87,130.00**
पिछला वर्ष		**1,94,252.00**	**3,81,988.00**	**70,000.00**	**1,54,062.00**	**5,00,757.00**	**4,16,572.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 4# #निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(गैर-योजना)				कुल जोड़	
		31	32		
		डॉ एस. डी. शर्मा व्याख्यान निधि#	**डॉ टी. डी. चुग पुरस्कार निधि#**	**चालू वर्ष#**	**पिछला वर्ष#**
क,#	**निधियों का अथशेष#**	8,00,000.00	5,00,000.00	78,35,535.48	74,57,369.48
ख,#	**निधियों में वृद्धियां#**				
i	दान/अनुदान				
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय#				
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें)#अंशदान#			15,81,823.00	15,81,823.00
जोड़ (क + ख,#		**8,00,000.00**	**5,00,000.00**	**78,35,535.48**	**90,39,192.48**
ग,#	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय#**				
i	**पूंजी व्यय #**				
	-अचल परिसंपत्तियां#				
	-अन्य#				
	जोड़				
ii#	**राजस्व व्यय#**				
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि#				
	-किराया#				
	-अन्य प्रशासनिक व्यय#				
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी,#		35,388.00		
जोड़			**35,388.00**	**2,19,165.00**	**12,03,657.00**
iii#	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण#**			**2,19,165.00**	**12,03,657.00**
जोड़ (ग,#			**35,388.00**	**2,19,165.00**	**12,03,657.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग,#		**8,00,000.00**	**4,64,612.00**	**76,16,370.48**	**78,35,535.48**
पिछला वर्ष		**8,00,000.00**	**5,00,000.00**		

ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,#
अध्यक्ष

ह3/0
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,#
मानद सचिव#

ह3/0
(डॉ मीरा रजानी,#
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856#

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31# मार्च, 2019# की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 7 -## अचल परिसंपत्तियों का विवरण

(राशि रुपए,#

विवरण		सकल ब्लॉक#					मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक#	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां#	वर्ष के दौरान कटौतियां#	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	दर	वर्ष के प्रारंभ में#	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर#	वर्ष के दौरान कटौतियों पर;	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में#	पिछले वर्ष के अंत में#
क	**अचल परिसंपत्तियां#**											#
1.#	**भूमिः**											#
#	पट्टाधारित	97,405.00	-	-	97,405.00	-				-	97,405.00	97,405.00
2.#	**इमारतः**											
#	पट्टाधारित भूमि पर#	96,62,334.93	-	-	96,62,334.93	5	4,83,116.75	-	-	4,83,116.75	91,79,218.18	96,62,334.93
3.#	संयत्र, मशीनरी और उपस्कर#	14,93,518..00	14,000.00	-	15,07,518..00	15	2,25,077.70			2,25,077.70	12,82,440.30	14,93,518..00
4	वाहन	5,19,083.10	-	-	5,19,083.10	15	77,862.47			77,862.47	4,41,220.63	5,19,083.10
5.#	फर्नीचर,	17,06,831.98	-	-	17,06,831.98	10	1,70,683.20			1,70,683.20	15,36,148.78	17,06,831.98

(राशि रुपए,#

विवरण		सकल ब्लॉक#					मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक#	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां#	वर्ष के दौरान कटौतियां#	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	दर	वर्ष के प्रारंभ में#	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर#	वर्ष के दौरान कटौतियों पर#	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में#	पिछले वर्ष के अंत में#
	जुड़नार#											
6.#	कार्यालय उपस्कर#	19,62,686.80	-	-	19,62,686.80	15	2,94,403.02			2,94,403.02	16,68,283.78	19,62,686.80
7.#	कंप्यूटर/पेरिफेरल्स	10,07,750.47	-	-	10,07,750.47	60	6,04,650.28			6,04,650.28	4,03,100.19	10,07,750.47
8.#	विद्युत संस्थापनाएं#	52,086.33	-	-	52,086.33	10	5,208.63			5,208.63	46,877.70	52,086.33
9.#	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इकाई	10,16,204.62	1,27,337.00		11,43,541.62	15	1,52,430.69	9,550.28		1,61,980.97	9,81,560.65	10,16,204.62
10.#	अन्य अचल परिसंपत्तियां#	4,15,173.74	-	-	4,15,173.74	10	41,517.37			41,517.37	3,73,656.37	4,15,173.74

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

(राशि रुपए,#

विवरण	सकल ब्लॉक#					मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक#	
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां#	वर्ष के दौरान कटौतियां#	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	दर	वर्ष के प्रारंभ में#	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर#	वर्ष के दौरान कटौतियों पर;	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में#	पिछले वर्ष के अंत में#
चालू वर्ष का योग#	1,79,33,074.97	1,41,337.00	-	1,80,74,411.97	-	20,54,950.11	9,550.28	-	20,64,500.39	1,60,09,911.58	1,79,33,074.97
पिछला वर्ष#	1,96,00,329.25	5,79,211.00	-	2,01,79,540.25	-	22,03,024.45	43,440.83	-	22,46,465.28	-	-
ख											
जोड़	**1,79,33,074.97**	**1,41,337.00**	**-**	**1,80,74,411.97**	**-**	**20,54,950.11**	**9,550.28**	**-**	**20,64,500.39**	**1,60,09,911.58**	**1,79,33,074.97**

ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,#
अध्यक्ष

ह3/0
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,#
मानद सचिव#

ह3/0
(डॉ मीरा रजानी,#
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन#
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 6 -#चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि

(राशि रुपए,#

	चालू वर्ष#		पिछला वर्ष#	
क. चालू परिसंपत्तियां#				
1.# हस्तगत नकद शेष (चेक/ ड्राफ्ट और पेशगी सहित¦	20,047.00	20,047.00	45,539.00	45,539.00
2.¦ बैंक में शेष¦				
क,¦ अनुसूचित बैंक में¦ निर्धारित/धर्मादा निधियां¦				
-जमा खाते पर# (मार्जिन राशि सहित,¦	1,00,53,060.00		99,30,928.00	
-बचत खाते पर¦	56,37,767.00	1,56,90,827.00	19,74,376.00	1,19,05,304.00
अन्य				
-जमा खाते पर# (मार्जिन राशि सहित,¦	3,76,01,769.00		3,46,67,195.00	
-बचत खाते पर¦ #	1,24,81,860.79	5,00,83,629.79	1,09,69,917.79	4,56,37,112.79
जोड़ (क,#		**6,57,94,503.79**		**5,75,87,955.79**

ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,¦
अध्यक्ष

ह3/0
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,¦
मानद सचिव#

ह3/0
(डॉ मीरा रजानी,¦
कोषाध्यक्ष
#

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856¦

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019

#

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 6-#चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि **(राशि रुपए,#**

			चालू वर्ष#		पिछला वर्ष#	
ख	**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**					
1.#	अग्रिम					
क	कर्मचारी		4,500.00		16,970.00	
2.#	**नकद अथवा वस्तु में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियां#**					
क	प्रतिभूति राशि		3,18,755.00		3,18,945.00	
	विद्युत	1,54,315				
	महा.टे.नि.लि.	17,371				
	कें.लो.नि.वि.	1,47,069				
	कार्यालय अग्रदाय	0				
	स्टाफ कार पेट्रोल	0				
ख	राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से देय#		21,21,386.50		14,37,623.69	
ग	अन्य उपार्जित ब्याज		25,92,267.23	50,32,408.73	30,37,409.32	47,93,978.01
3.#	**अन्य**					
क	वसूली योग्य राशि#					
ख	आय कर		2,94,417.00	6,12,409.00	2,94,417.00	2,94,417.00
	2017-18	2,94,417.00				
	2018-19	3,17,992.00				
जोड़				**56,49,317.73**		**51,05,365.01**
जोड़ (क + ख,#				**7,14,43,821.52**		**6,26,93,320.80**

ह3/0 (डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,ि **अध्यक्ष**

ह3/0 (डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,ि **मानद सचिव#**

ह3/0 (डॉ मीरा रजानी,ि **कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856ि

स्थानः नई दिल्ली# #

दिनांकः 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 6 का अनुबंध –##ड़ **(राशि रुपए,**

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से मिलने वाले 50% भाग का विवरण	**चालू वर्ष#**	**पिछला वर्ष#**
वेतन (इमारत स्टाफ)	23,34,712.00	
जोड़ें - कें.क.स्वा.यो. योगदान	-	
जोड़ें - भविष्य निधि योगदान/ प्रशासनिक प्रभार	1,14,581.00	
	24,49,293.00	
घटाएं - कें.क.स्वा.यो. वसूली	6,850.00	
	24,42,443.00	
मजदूरी खाता	-	
सुरक्षा सेवा प्रभार	7,73,478.00	
हाउसकीपिंग प्रभार	3,79,960.00	
विद्युत व जल प्रभार	5,00,619.00	
मरम्मत व रखरखाव खाता	1,27,038.00	
उद्यान व्यय	19,235.00	
जोड़	42,42,773.00	
50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड भाग	21,21,386.50	
जोड़ें - अथशेष	0.19	
	21,21,386.50	14,37,623.69
जोड़	**21,21,386.50**	**14,37,623.69**

ह3/0 ह3/0 ह3/0

(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,##########(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव, (डॉ मीरा रजानी,#

अध्यक्ष **मानद सचिव**ः **कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 7 - बिक्री/सेवाओं से आय

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1.	बिक्री से आय		
क,	अनुपस्थिति में स्क्रॉल, स्क्रैप, एनल्स, निविदा आदि की बिक्री	3,04,900.00	2,18,867.00
2	सेवाओं से आय		
क,	श्रम और प्रसंस्करण प्रभार (सभागार बुकिंग / सम्मेलन)	1,98,000.00	60,000.00
जोड़		**5,02,900.00**	**2,78,867.00**

ह3/0	ह3/0	ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8 -##अर्जित ब्याज **(राशि रुपए)**

	#	चालू वर्ष	पिछला वर्ष#
1)¦ सावधि जमा पर¦		¦	¦
क,# अनुसूचित बैंकों में (3,17,992/0# रुपए स्रोत पर कर की कटौती सहित,# (पिछला वर्ष 2,94,417/-रुपए,¦		24,56,440.26	29,35,812.78
ख,¦ गैर-अनुसूचित बैंको में¦			
ग,¦ निधि सावधि जमा पर ब्याज		7,13,241.65	
घ,¦ अन्य			
2)¦ बचत खाते पर¦			
क,¦ अनुसूचित बैंकों में¦		4,55,142.00	4,29,548.03
ख,¦ गैर-अनुसूचित बैंको में¦			
ग,¦ संस्थानों में¦			
घ,¦ अन्य			
3)¦ आयकर प्रतिदाय पर ब्याज¦	-		-
जोड़		**36,24,823.91**	**34,10,577.81**

ह3/0	ह3/0	ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,¦	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,¦	(डॉ मीरा रजानी,¦
अध्यक्ष	**मानद सचिव¦**	**कोषाध्यक्ष**

¦

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन#
सदस्यता सं. 11856#

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019 ¦

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31#मार्च, 2019#को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 9 -#अन्य आय

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष#	**पिछला वर्ष#**
1) विविध आय			
क)# स्टाफ कार का व्यक्तिगत			
# उपयोग			53,292.00#
ख) अन्य (वसूली)#	100.31	100.31	
जोड़		**100.31**	**53,292.00**

ह3/0 ह3/0 ह3/0

(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,# (डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,# (डॉ मीरा रजानी,#

अध्यक्ष **मानद सचिव#** **कोषाध्यक्ष**

#

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन#
सदस्यता सं. 11856#

स्थानः नई दिल्ली# #
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 10 - स्थापना व्यय **(राशि रुपए)**

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	वेतन और मजदूरी	11,67,356.00	6,13,433.00
ख)	भत्ते और वेतन		
ग)	भविष्य निधि में अंशदान	57,290.50	81,661.00
घ)	अन्य निधि में अंशदान		
	कें.स.स्वा.योजना	-	-
	घटाएं: कें.स.स्वा.योजना वसूली 3,425.00	-3425.00	(3125.00)
जोड़		**12,21,221.50**	**6,91,969.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 11 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि

(राशि रुपए)

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	विद्युत और ऊर्जा, जल		2,50,309.50	2,35,301.50
ख)	मरम्मत और अनुरक्षण		2,63,116.50	1,96,749.00
ग)	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार		2,25,039.00	
घ)	मुद्रण और लेखन सामग्री		2,36,982.00	1,52,549.00
ङ)	यात्रा और वाहन व्यय		4,07,491.00	
च)	व्यावसायिक प्रभार		1,44,712.00	1,31,009.00
छ)	अन्य:			
	बैंक प्रभार	2,186.21		
	सुरक्षा एवं श्रमशक्ति प्रभार	5,60,539.00		
	ब्रोच/ टाई लागत	49,875.00		
	विविध व्यय	33,069.00	6,45,669.00	11,19,911.21
जोड़			**21,73,319.00**	**18,35,519.71**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 11.9.2019

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और 31#मार्च, 2019#को समाप्त वर्ष के लिए लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

क) महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

वित्तीय वक्तव्य नकदी आधार पर ऐतिहासिक लागत परंपरा के अधीन तैयार किए गए हैं।

2. राजस्व मान्यता

राजस्व, दान, अनुदान प्राप्त होने पर दर्शाए गए हैं।

व्यय भुगतान होने पर दर्शाए गए हैं।

3. अचल परिसंपत्तियाँ

अचल परिसंपत्तियाँ मूल लागत पर दर्शायी गयी हैं।

4. अवमूल्यन

अचल परिसंपत्तियों का कोई अवमूल्यन नहीं किया गया है।

5. अनुदान

अनुदान लेखा में दानकर्ता के विशिष्ट निदेशों के अनुसार दर्शाए गए हैं।

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के लिए सरकार से प्राप्त अनुदान (योजना) और उद्दिष्ट निधि आवर्ती प्रकृति के हैं। बैंक में जमा इस निधि से प्राप्त होने वाली आय सीधे इस निधि में जमा करवा दी जाती है और व्ययों को इस निधि में से घटा दिया जाता है।

सरकार से प्राप्त गैर-योजना अनुदान आवर्ती प्रकृति का है। गैर-योजना अनुदान (निवल पूंजी व्यय) आय व व्यय लेखा में जमा किया जाता है और पूंजी व्यय राशि पूंजीगत परिसंपत्तियाँ अनुदान निधि में अंतरित किया जाता है।

ख) लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

6. वर्ष के दौरान सदस्यों से प्राप्त 100% आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजी निधि में जमा करवाया गया।

7. व्याख्यानों और पुरस्कार के लिए अकादमी को प्राप्त संचित निधि दानकर्ता के निदेशों के अनुसार उसी विशेष निधि को निर्धारित कर दी गई है और उस राशि को बैंक में

अलग से आवधिक जमा योजनाओं में रखा गया है। उस आवधिक जमा से प्राप्त ब्याज की राशि को उसी निधि में जोड़ा जाता है और व्यय उस निधि से घटाए जाते हैं।

8. अकादमी की पुरानी और नई, श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र, दो इमारतें हैं। अकादमी और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों व शर्तों के अधीन पुरानी इमारत का आवास आपस में बाँट रहे हैं। अकादमी सभी अनुरक्षण व्यय वहन कर रही है और इस व्यय का 50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से ले लिया जाता है और अनुरक्षण व्यय में से घटा दिया जाता है।

9. नई इमारत श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और अब कार्यात्मक हैं।

10. अचल परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन और खाता-बहियों से इसका मिलान लंबित है।

11. पिछले वर्ष के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

ह3/0	ह3/0	ह3/0
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल,#	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव,#	(डॉ मीरा रजानी,#
अध्यक्ष	**मानद सचिव**#	**कोषाध्यक्ष**

#

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन#

#

स्थानः नई दिल्ली#
दिनांक: 11.9.2019

1 अप्रैल से 11 सितम्बर, 2019 तक गतिविधियों की विशिष्टताएं

1. नैम्स परिषद् की दो बैठकें आयोजित हुई थीं। पहली बैठक दिनांक 4 जुलाई, 2019# और दूसरी बैठक दिनांक 11 सितम्बर, 2019 को आयोजित हुई थी।

2. नैम्स परिषद् के उन सदस्यों की सूची निम्नलिखित है, जो अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वर्ष 2019#के दौरान सेवानिवृत्त हुए और जो परिषद् के सदस्यों के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

सेवानिवृत्त सदस्य #	**निर्वाचित सदस्य**
1. डॉ. शिव कुमार सरीन	डॉ. दिगम्बर बेहेरा
2. डॉ. राजेश्वर दयाल	डॉ. ओम प्रकाश कालरा#
3. डॉ. रवि कांत	लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वेलु नायर#
4. डॉ. दिगम्बर बेहेरा	डॉ. राजेश्वर दयाल#
5. डॉ. संजीव वी. थॉमस	डॉ. नीरजा भाटला#

3. वर्ष 2019#के लिए अध्येताओं और सदस्यों के रूप में निम्नलिखित उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं #

अध्येता

1. डॉ. आलोक चंद्र अग्रवाल
2. डॉ. अब्दुल सलाम अंसारी
3. डॉ. एम. बालासुब्रमण्यम
4. डॉ. संदीप बंसल
5. डॉ. मिहिर कुमार भट्टाचार्य
6. डॉ. जिया चौधुरी
7. डॉ. संजीव चोपड़ा
8. डॉ. अनुराधा चौधरी
9. डॉ. माला धर्मलिंगम
10. डॉ. तीरथ दास डोगरा
11. डॉ. रवींद्र कुमार गर्ग
12. डॉ. राकेश जलाली
13. ब्रिगेडियर (प्रो.) अतुल कोतवाल
14. डॉ. अब्बास अली महदी
15. डॉ. रामनाथ मिश्रा
16. डॉ. सरोज कांता मिश्रा
17. डॉ. अनंत मोहन
18. डॉ. कुलकर्णी जगदीश नरहर
19. डॉ. जयराज डी. पांडियन
20. डॉ. प्रवीण शर्मा

21. डॉ. उर्वशी बी. सिंह
22. डॉ. सतीश के. शुक्ला
23. डॉ. संगीता तलवार
24. डॉ. महेंद्र कुमार ठाकुर
25. डॉ. राजनारायण रामशंकर तिवारी
26. डॉ. कौशल के. वर्मा
27. डॉ. सविता यादव

सदस्य

1. डॉ. प्रदीप अग्रवाल
2. डॉ. पल्लवी अहलूवालिया
3. डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी
4. डॉ. रूसी औलख
5. डॉ. पराग डब्ल्यू बरवाड़
6. डॉ. सपना बाथला
7. डॉ. अनुपमा विट्ठलकुमार बेतिगरि
8. डॉ. श्री कृष्ण दत्त भारद्वाज
9. डॉ. ए. भास्करन
10. डॉ. निधि भाटिया
11. डॉ. देवेश भोई
12. डॉ. इंद्रनील चक्रवर्ती
13. डॉ. प्रभात कुमार चौधरी
14. डॉ. अभिषेक चौहान
15. डॉ. राजेंद्र चौधरी
16. डॉ. दीप्ति चोपड़ा
17. डॉ. सविता चौधरी
18. डॉ. दिनेश के.
19. डॉ. कौशिक सिन्हा देब
20. डॉ. शालिनी दीवान दुग्गल
21. डॉ. गायत्री देवी डी आर
22. डॉ. सुकन्या गंगोपाध्याय
23. डॉ. कामाक्षी गर्ग
24. डॉ. संदेश गुलेरिया
25. डॉ. आशीष गुप्ता
26. डॉ. अंकुर गुप्ता
27. डॉ. अंकुश गुप्ता
28. डॉ. दीपक कुमार गुप्ता
29. डॉ. दिव्या गुप्ता
30. डॉ. पारुल चावला गुप्ता
31. डॉ. परीक्षा गुप्ता
32. डॉ. सोनिका गुप्ता
33. डॉ. रुद्राशीष हलदार
34. डॉ. मो. जसीम हसन
35. डॉ. पारुल जैन
36. डॉ. शिखा जैन
37. डॉ. प्रतिमा जायसवाल
38. डॉ. अनिल खेतरपाल
39. डॉ. तनुज कंचन
40. डॉ. रितु करोली
41. डॉ. ज्योति किरण कोहली
42. डॉ. मनजिंदर कौर

43. डॉ. एम. एल. हरेंद्र कुमार
44. डॉ. नवनीत कुमार
45. डॉ. पंकज कुमार
46. डॉ. राजेश कुमार
47. डॉ. संतोष कुमार
48. डॉ. सुरेन्द्र कुमार
49. डॉ. आर. मधु
50. डॉ. रजनी माथुर
51. डॉ. अनिल मेहता
52. डॉ. सतीश मिश्रा
53. डॉ. आशिक मोहम्मद
54. डॉ. एस .एम. अज़ीम मोहियुद्दीन
55. डॉ. आर. लक्ष्मी नरसिम्हन
56. डॉ. शमरेन्द्र नारायण
57. डॉ. सरला एन
58. लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) आशुतोष ओझा
59. डॉ. भरत पालीवाल
60. डॉ. अंजना पांडे
61. डॉ. बिनोद कुमार पति
62. डॉ. अनु पाठक
63. डॉ. मनीष पाठक
64. डॉ. सुरवी पात्रा
65. डॉ. गुंजन प्रुथी
66. डॉ. के पुष्पांजलि
67. डॉ. अमरेंद्र सिंह पुरी
68. डॉ. पूनम राज
69. डॉ. दिनेश राजाराम
70. डॉ. बिकास रंजन रे
71. डॉ. बिजयालक्ष्मी साहू
72. डॉ. भाग्य मनोज सत्गारी
73. डॉ. के .एन. शशिधर
74. डॉ. राहुल सक्सेना
75. डॉ. प्रियंका सेठी
76. डॉ. विनुथा शंकर एम. एस.
77. डॉ. अमित कांत सिंह
78. डॉ. अनामिका सिंह
79. डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा
80. डॉ. राकेश कुमार शर्मा
81. डॉ. सोनम शर्मा
82. डॉ. अरविंद रूप सिंह
83. डॉ. नरेश पाल सिंह
84. डॉ. शालिनी सिंह
85. डॉ. तूलिका सिंह
86. डॉ. परमदीप सिंह
87. डॉ. शिल्पा सुनेजा
88. डॉ. टी. एन. सुरेश
89. डॉ. सुजानी बी. के.
90. डॉ. साइमा वाजिद
91. डॉ. सुरभि वाधवा
92. डॉ क्लेमेंट विलफ्रेड डी
93. डॉ. अरविंद यादव
94. डॉ. (लेफ्टिनेंट कर्नल) अरुण कुमार यादव
95. डॉ. दिव्या यादव

विनियमन-V के अधीन निम्नलिखित उम्मीदवारों को अकादमी के सदस्यों (एमएनएएमएस)#के रूप में प्रवेश दिया गया है।

दिनांक 11 सितम्बर, 2019 को आयोजित परिषद् की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. हर्ष देवड़ा
2. डॉ. नाइक शर्मिला शशिकांत
3. डॉ. बोरकर आलोक वासुदेराव
4. डॉ. श्याम कल्याण एन
5. डॉ. खंडगे अश्विनकुमार वसंत
6. डॉ. सिबी के. आर.
7. डॉ. सोनल अग्रवाल
8. *डॉ. कीर्ति क्यालाकोंड
9. डॉ. विनीश मोहन सी.
10. डॉ. मयप्पन एल
11. डॉ. मयंक गुप्ता
12. डॉ. निधि शर्मा
13. डॉ. सुलेमान सठ
14. डॉ. यादव अमित शेषनारायण
15. डॉ. विश्वनाथ ताड़ीकामल्ला
16. डॉ. नरेश कुमार अग्रवाल
17. डॉ. जसप्रिया संधू
18. डॉ. वर्षा साबू
19. डॉ. मनप्रीत सिंह
20. डॉ. बी हरीश कुमार
21. डॉ. नितिन कुमार गुप्ता
22. डॉ. अंकित गुलाटी
23. डॉ. होलानी अपूर्वा राजेंद्रराव
24. डॉ. मोहसिन खान
25. डॉ. अमित कुमार
26. डॉ. भिसे अमेय किशोर
27. डॉ. वरुण खन्ना
28. *डॉ. भव्या सरीन
29. डॉ. बृजेश कुमार सोनी
30. डॉ. पोल शशिकांत अनिल
31. डॉ. सौविक बसक
32. डॉ. मरुदवार पीयूष प्रदीपराव
33. डॉ. आहूजा रश्मि
34. डॉ. पारेख नियति नितिनकुमार
35. डॉ. कवीश कुमा चौरसिया
36. डॉ. बी. सुनंदा
37. डॉ. अख्तर रमीज जावेद
38. डॉ. सावन गंगाधरन के
39. डॉ. सैयद मिन्हाज अहमद
40. डॉ. नेहा शकरवाल
41. डॉ. आलोक अग्रवाल
42. डॉ. मोनिका
43. डॉ. शाह श्रेयस रंजीत
44. डॉ. शिबोजित तालुकदार
45. डॉ. पाटिल संगमेश्वर सिधलिंग
46. डॉ. पी. अरुण प्रसाद
47. डॉ. परिमोहन वार्ष्णेय
48. डॉ. धिव्या
49. डॉ. डस्पिन डी
50. डॉ. नौफ़ल पी एम
51. डॉ. अनिरुद्ध मैती
52. डॉ. सतीश बी

53. डॉ. अनिल कुमार गुप्ता
54. डॉ. इंद्रनील सेन
55. डॉ. अक्षिता
56. डॉ. सांगले रामदास भाऊराव
57. *डॉ. मिश्रा सुधीर रामकिशोर
58. डॉ. इंदु गौड़
59. डॉ. कलंत्री राम पुरुषोत्तम
60. डॉ. रोहित वी
61. डॉ. सुमन साहा
62. डॉ. शीतांशु शेखर
63. डॉ. निरपिन क्लीटस
64. डॉ. अरुप चक्रवर्ती
65. डॉ. आलोकेंदु बोस
66. डॉ. कौशिक कुमार दास
67. डॉ. अंकुर शर्मा
68. डॉ. हरि किशन
69. डॉ. सुमन दास
70. डॉ. बाल मुकुंद
71. डॉ. शुक्ला उन्नति विश्वनाथ
72. डॉ. प्रकृति खेतान
73. डॉ. कपिल बब्बर
74. डॉ. हरिकिशन देवीसती
75. डॉ. गौरव कुमार
76. डॉ. आकांक्षा सेतिया
77. डॉ. हमसिनी बी सी
78. डॉ. आर्य एस
79. डॉ. आशीष अम्मानी
80. डॉ. सालुंके शिरीश सुरेश
81. डॉ. करवड़े प्रवीण वसंतराव
82. डॉ. कार्तिक राजेंद्रन
83. डॉ. मुकेश कुमार गर्ग
84. डॉ. अजय कुमार गोयल
85. डॉ. विनीता रस्तोगी
86. डॉ. गौरव अग्रवाल
87. डॉ. पचनी अंकुर भूपेंद्रकुमार
88. डॉ. प्रकाश बाबूराव सोनकुसरे
89. डॉ. दिव्या वर्मा
90. डॉ. बंसोड मिनाक्षी दत्तात्रेय
91. डॉ. सुधांशु बंसल
92. डॉ. हिना जजोरिया
93. डॉ. जीनो जयन
94. डॉ. तरुणदीप सिंह
95. डॉ. नवनीत अधिकारी
96. डॉ. विनू जॉय
97. डॉ. माहेश्वरी एम
98. डॉ. तिरुमूर्ति नटराजन
99. डॉ. वीराराघवन के
100. डॉ. तनवीर अहमद
101. डॉ. अदिति पी
102. डॉ. रिजास के
103. डॉ. सौम्यज्योति पांजा
104. डॉ. लूमिया मलिक
105. डॉ. अरविंद एस गणपत
106. डॉ. सूल्फ़ेकर एम एस
107. डॉ. निषाद के
108. डॉ. उषा जी
109. डॉ. सुरेश कुमार एस
110. डॉ. पिपलिया हर्षद कल्याणजी
111. डॉ. शोभा पी
112. डॉ. उत्सव पान

113. डॉ. राजीव मारियो कोलाको
114. डॉ. सलोनी गुप्ता
115. डॉ. जिम थॉमस मालायिल
116. डॉ. गुरसिमरन कौर
117. डॉ. स्वीटो वर्गीज
118. डॉ. हरिहरन टी डी
119. डॉ. सतीश आनंद वी एस
120. डॉ. प्रियंका शर्मा
121. डॉ. शशांक अग्रवाल
122. डॉ. मुदित कुमार अग्रवाल
123. डॉ. विशेष वर्मा
124. डॉ. अरिजीत डे
125. डॉ. स्वर्णवा दत्तागुप्ता
126. डॉ. वसंत एस
127. डॉ. राजीब दुगड़
128. डॉ. शेख नोमान खालिद
129. डॉ. आशीष डागर
130. डॉ. लक्ष्मी कृष्णा एन
131. डॉ. जैकब इपेन
132. डॉ. सबुवाला शब्बीर कुतबीभाई
133. डॉ. गिरीशा
134. डॉ. लेनन जेसन डी सूजा
135. डॉ. मीनाक्षी सी
136. डॉ. दीपक वर्मा
137. डॉ. नयना एस
138. डॉ. नीरज वी
139. डॉ. दुष्यंत कुमार वार्ष्णेय
140. डॉ. स्मिता सामल मानसिंह
141. डॉ. दवे अमित कैलाशभी
142. डॉ. कुटमारे शीतल महेंद्र
143. डॉ. सौम्या ईश
144. डॉ. जोस मैथ्यू
145. डॉ. संदीप कुमार
146. डॉ. आकांक्षा तिवारी
147. डॉ. विवेक कुमार
148. डॉ. मोनिका
149. डॉ. रुचिर रुस्तगी
150. डॉ. आकांक्षा शर्मा
151. डॉ. विकास कुमार केशरी
152. डॉ. जाधव स्वप्निल अशोकराव
153. डॉ. जोमी जॉर्ज
154. डॉ. वकचौरे किरण रंगनाथ
155. डॉ. पैस रोहित
156. डॉ. जानकी शरण भदानी
157. डॉ. अरविंद एस
158. *डॉ. महिमा उपाध्याय
159. डॉ. इंगले प्रमोद शालिग्राम
160. डॉ. प्रवीण सुंदर बी
161. डॉ. सौरभ पिपरसानिया
162. डॉ. शाह जूही झावेरचंद
163. डॉ. बालामुरुगन टी
164. डॉ. रचना गहलावत
165. डॉ. अमित अग्रवाल
166. डॉ. नजीम इशरत सिद्दीकी
167. डॉ. सलमान मोहम्मद अब्दुल सलाम
168. डॉ. अरुण कुमार तिवारी
169. डॉ. स्मारिका दुबे
170. डॉ. निहित परिमल
171. डॉ. बिलाला ऋषभ राजकुमार
172. डॉ. गौरव भाटला

173. डॉ. कापसे अमोल आत्माराम
174. डॉ. विजय कुमार गुप्ता
175. *डॉ. आर सबरीन सोनजीव रॉस
176. डॉ. पाटिल विक्रम उत्तम
177. डॉ. बाराद दिनेशकुमार करसनभाई
178. डॉ. विकास अग्रवाल
179. डॉ. पेसवानी अमित रतनलाल
180. डॉ. पल्लवी बी
181. डॉ. गुरमुखानी सुनील निच्छलदास
182. डॉ. राजेश बी एस
183. डॉ. समीरन पुरकित
184. डॉ. अनिशा मनोचा
185. डॉ. वंशिका गुप्ता
186. डॉ. निखिल कुमार सेनियारे
187. डॉ. दीप्ति हांडा
188. डॉ. मंजू ई आई
189. डॉ. अरुणा एन
190. डॉ. गुंजन अग्रवाल
191. डॉ. फरहान फ़ज़ल
192. डॉ. हेमंत प्रवीण मल्ला
193. डॉ. श्रींखल
194. डॉ. रोहित कंसल
195. *डॉ. बिजया शालिनी
196. डॉ. बालाजी मुसुनुरी
197. डॉ. इंद्राणी दत्ता
198. डॉ. सालुंके अभिजीत अशोक
199. डॉ. रोहित चावला
200. डॉ. अमित मीणा
201. डॉ. राहुल ग्रोवर
202. डॉ. नागा राहुल
203. डॉ. स्मिता कपूर
204. डॉ. सजिन जॉर्ज जोसेफ
205. डॉ. विजयराविंद आर
206. डॉ. संदीप तपशैट्टी
207. डॉ. कुशल विराजकुमार शाह
208. डॉ. जैन हार्दिक मिनेश
209. डॉ. कुमारन एम
210. डॉ. झा मानवेन्दु अमरनाथ
211. डॉ. तनुमोय मौलिक
212. डॉ. दिव्या महाजन
213. डॉ. श्रीनिधि आर
214. डॉ. अंकिता माहेश्वरी
215. *डॉ. कल्पना देवी यू
216. डॉ. मेघा जिंदल
217. डॉ. मंजीत
218. डॉ. निखिल दिलीप पलांगे
219. डॉ. अपूर्व सहगल
220. डॉ. देबासीस बेहरा
221. डॉ. छाव सत्य प्रसाद
222. डॉ. लक्षिता वार्ष्णेय
223. डॉ. शाह दिगीश चंद्रवदन
224. डॉ. दिव्यशांति सी एम
225. डॉ. कुणाल किशोर
226. डॉ. एडविन जे जॉर्ज
227. डॉ. देबप्रतिम राउथ
228. डॉ. शइक अफसर पाशा
229. डॉ. श्रीहरि डी
230. डॉ. नीरज शर्मा
231. डॉ. मधुमंती पांजा
232. डॉ. अध्यारु कुणाल दिलीप

233. डॉ. सुभ्रांशु शेखर नायक
234. डॉ. जोस्टोल पिंटो
235. डॉ. अमोघ असगाँवकर
236. डॉ. शिवानी शर्मा
237. डॉ. रूपाली गुप्ता
238. डॉ. गौरव अग्रवाल
239. डॉ. मोना गुप्ता
240. डॉ. शनमुगम एम
241. डॉ. लुंकड़ रूपेश अशोक
242. डॉ. स्वेता कोठारी

* 7 अपूर्ण

5. संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम

देश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त सीएमई के प्रस्तावों में से अकादमी ने नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार दिनांक 1.04.2019#से 30.09.2019#तक 3 बाह्यसांस्थानिक और 4 अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम/ संगोष्ठी स्वीकृत किए हैं।

दिनांक 01.04.2019#से 10.09.2019#तक बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या#	विषय	जारी राशि (रुपए,
1	**"उत्तर पूर्वी राज्यों में सिर और गर्दन के कैंसर की बढ़ती घटनाएँ और उसका प्रबंधन"** पर सीएमई कार्यक्रम 3 मई 2019 शिलाँग।	1,23,000/-
2	**"भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में तीव्रता लाना: मुद्दे और चुनौतियां"** पर सीएमई कार्यक्रम # 18 -19 जून 2019 मैसूर।	85,000/-
3	क. **कार्यशाला 1 (सत्र 1):** जीनोमिक्स में प्रगति एवं डेटा विश्लेषण के साथ नैनोपोर प्रौद्योगिकी का उपयोग कर अगली पीढ़ी अनुक्रमण (एनजीएस) पर सत्र। ख. **कार्यशाला 2 (सत्र 2):** पुनर्योजी चिकित्सा और नेनो चिकित्सा में हालिया रुझान ग. **संगोष्ठी 1 (सत्र 3):** बौद्धिक संपदा अधिकार 26 जुलाई 2019 चेन्नई।	1,70,000/-

दिनांक 1.04.2019 से 10.09.2019 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए,
1	**"स्तन कैंसर- निदान और प्रबंधन में वर्तमान रुझान"** पर सीएमई कार्यक्रम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश। 2 मई, 2019	2,16,982/-
2	**"रोगाणुरोधी प्रतिरोध"** पर सीएमई कार्यक्रम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल। 11 अक्टूबर, 2019	2,50,000/-
3	**"भारत में कुपोषण का तिहरा बोझ: एक शोध अद्यतन"** पर एनएफआई-नैम्स डॉ. सी. गोपालन संगोष्ठी श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोफ़ेसर जे. एस. बजाज केंद्र। 18 अक्टूबर, 2019	2,20,000/-
4	**"बाल रोग में योग्यता आधारित शिक्षा: चुनौतियां और अवसर"** पर सीएमई कार्यक्रम एवं कार्यशाला अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर। 3 नवंबर, 2019	2,20,000/-

नैम्स भवन के श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोफ़ेसर जे. एस. बजाज केंद्र से सीएमई और कार्यशालाओं का आयोजन हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महान कदम है जिसमें कई संस्थान इस तरह के कार्यक्रमों के व्यापक आभासी दर्शकों का हिस्सा होंगे और इस संबंध में, हमारी सेवाओं को काफी हद तक बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

6. एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी

प्रत्येक वर्ष, एनएएमएस के वार्षिक सम्मेलन के दौरान देश की स्वास्थ्य परिचर्या संबंधी आवश्यकताओं के अत्यधिक संगत विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की जाती है। इस वर्ष 59वें वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन - 2019) के दौरान नैम्स की राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय "आणविक जैवविज्ञान: चिकित्सा पर प्रभाव" है, जो 12 अक्टूबर, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत ये विषय हैं (i) आणविक जीवविज्ञान की वर्तमान दिवस की स्थिति का अवलोकन, (ii) निदान में आणविक जीवविज्ञान की भूमिका, (iii) अंतर्वैयक्तिक चिकित्सा विज्ञान में आणविक जीवविज्ञान की भूमिका, (iv) भविष्य के परिप्रेक्ष्य । व्याख्यान देने वाले सभी वक्ता चिकित्सा क्षेत्र के बहुत प्रसिद्ध व्यक्ति हैं।

7. जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 4 जुलाई, 2019 को आयोजित बैठक में नियम 34 (डी) के तहत डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए वर्ष 2019 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है। वह प्रतिबद्ध पेशेवर और एक अच्छे विद्यावित् रहे हैं। उन्होंने अध्यक्ष, परिषद् सदस्य, सदस्य, आदि के रूप में विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है।